@Qpatrika | @qaumipatrika hindi | instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 19 अक्टूबर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 340 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

ब्रह्मोस मिसाइल भारत की ताकत और आत्मनिर्भरता का सबसे बड़ा प्रमाण : राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। धनतेरस के शुभ अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट के कार्यक्रम में देश की रक्षा, तकनीकी आत्मनिर्भरता और उत्तर प्रदेश के विकास पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि आज का दिन न सिर्फ लखनऊ के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है।राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन की शुरुआत में कहा, ÷मैं महादेव से प्रार्थना करता हूं कि उनका आशीर्वाद सभी देशवासियों पर बना रहे।÷ उन्होंने कहा कि लखनऊ उनके लिए सिर्फ एक संसदीय क्षेत्र नहीं, बल्कि भावनाओं से जुड़ा स्थान है। उन्होंने लखनऊ के तेज विकास पर प्रसन्नता जताई और कहा कि समय के साथ जैसे-जैसे ब्रह्मोस की विश्वसनीयता बढ़ेगी, वैसे-वैसे लखनऊ की पहचान भी और मजबूत होगी।

रक्षामंत्री ने कहा कि ब्रह्मोस जैसी मिसाइलें सिर्फ तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश की बढ़ती शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक हैं। उन्होंने कहा,

'आज लखनऊ में देश की सबसे आधुनिक मिसाइल का निर्माण हो रहा है। यह कोई साधारण घटना नहीं है, यह भारत की सुरक्षा और सामर्थ्य का प्रैक्टिकल प्रूफ है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल के सफल प्रयोग ने न केवल भारत की सैन्य क्षमता को साबित किया, बल्कि देश का आत्मविश्वास भी बढ़ाया। राजनाथ सिंह ने कहा, 'ब्रह्मोस ने दिखाया कि जीत अब हमारे लिए आदत बन चुकी है। बड़े शहरों से लेकर छोटे गांव तक, हर कोई अब भारत की इस ताकत को महसूस कर रहा है।' उत्तर प्रदेश के बदलाव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि एक समय जब राज्य की पहचान 'गुंडाराज' के रूप में होती थी, निवेशक यहां आने से कतराते थे। लेकिन आज योगी आदित्यनाथ के मजबूत नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का चेहरा बदल गया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश निवेश, उद्योग और नवाचार का केंद्र बन रहा है।

रक्षामंत्री ने आगे कहा कि अब भारत को हर स्तर की तकनीक चाहे वह बड़ी हो या छोटी, देश में ही विकसित करनी होगी। उन्होंने कहा, 'हमें स्पेयर पार्ट तक के लिए विदेशों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। बड़ी इंडस्ट्री के साथ छोटी इंडस्ट्री को भी बढ़ाना होगा। यही असली आत्मनिर्भरता है।'

राजनाथ सिंह ने कहा कि ब्रह्मोस जैसी परियोजनाएं न केवल देश की सुरक्षा को मजबूत करती हैं, बल्कि अर्थव्यवस्था को भी गति देती हैं। उन्होंने कहा, 'हर मिसाइल सिर्फ हमारी रक्षा नहीं करती, बल्कि रोजगार और विकास के नए अवसर भी पैदा करती है। ब्रह्मोस सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि समाज में नई रोशनी लाने का माध्यम है।' कार्यक्रम के अंत में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के '2047 तक विकसित भारत' के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि रक्षा क्षेत्र इस विजन को पूरा करने में निर्णायक भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस जैसी शक्तियां यह विश्वास दिलाती हैं कि 'मेक इन इंडिया' अब सिर्फ नारा नहीं, बल्कि भारत की हकीकत है।

ब्रह्मोस सिर्फ भारत नहीं, मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार : योगी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शनिवार को आत्मनिर्भर भारत का एक नया अध्याय लिखा गया, जब ब्रह्मोस एयरोस्पेस लिमिटेड की लखनऊ इकाई में उत्पादित सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइलों के पहले बैच का फ्लैग ऑफ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। 'भारत माता की जय' की जयघोष के बीच जब मिसाइलों का पहला बैच रवाना हुआ तो समारोह गर्व, गौरव और देशभक्ति से गूंज उठा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ब्रह्मोस केवल भारत की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में अपने मित्र देशों की रक्षा करने का सबसे सक्षम हथियार है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयास से ब्रह्मोस लखनऊ में विकसित हुई है, जो देश की खुशहाली का माध्यम बनी है। जब व्यक्ति सुरक्षित रहता है, तभी चैन की नींद सोता है। लखनऊ में बनी मिसाइल पूरे देशवासियों की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस के माध्यम से भारत अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ मित्र राष्ट्रों की सुरक्षा जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम हो गया है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। मुख्यमंत्री योगी ने 2018 के पहले इन्वेस्टर्स समिट का जिक्र करते हुए कहा कि लखनऊ में ही प्रधानमंत्री ने दो डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर की घोषणा की थी, जिसमें से एक उत्तर प्रदेश को मिला। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा, अलीगढ़, झांसी और चित्रकूट के 6 नोड्स में डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कॉरिडोर के कार्य सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहे हैं। लखनऊ में ब्रह्मोस, झांसी में भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) और अमेठी में एके-203 जैसे प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

जीएसटी सुधारों के कारण इस वर्ष खपत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान : केंद्र

जीएसटी विवाद समाधान तंत्र ने बहुत अच्छी तरह से काम किया है।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र ने शनिवार को कहा कि 22 सितंबर से लागू जीएसटी दरों में हालिया कटौती का लाभ त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को भी मिला है।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हालिया जीएसटी सुधारों से उपभोग को लेकर सकारात्मक रुझान देखा गया है। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा, ÷करों में कटौती केवल त्योहारी सीजन के लिए ही नहीं की गई है। इन कटौतियों का मतलब है अधिक संग्रह, इसलिए कुछ वापस देने के लिए बेहतर राजकोषीय गुंजाइश। त्योहारी सीजन के बाद भी मांग बनी रहेगी।' उन्होंने कहा कि जीएसटी विवाद समाधान

तंत्र ने बहुत अच्छी तरह से काम किया है। जीएसटी सुधारों के लागू होने के बाद से राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 2 अक्टूबर तक जीएसटी से जुड़े मामलों को लेकर 3,981 कॉल दर्ज की गईं। इनमें से 31 प्रतिशत प्रश्न थे और 69 प्रतिशत औपचारिक शिकायतें थीं, जिनका आगे की कार्रवाई के लिए निपटारा किया गया। कुल शिकायतों में से 1,992 शिकायतों को आगे की कार्रवाई के लिए केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को भेज दिया गया है, जबकि 761 शिकायतों को सीधे समाधान के लिए संबंधित कन्वर्जेंस पार्टनर कंपनियों को तत्काल भेजा गया है। वित्त मंत्री सीतारमण के अनुसार, 'अधिकतर शिकायतें जीएसटी कटौती की समझ और वास्तव में लागू की गई योजनाओं के बीच के अंतर से संबंधित हैं।' जीएसटी कटौती और उनके लाभों पर वित्त मंत्री ने कहा कि दवाओं और संबंधित उपकरणों की निगरानी की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे। ऑटोमोबाइल क्षेत्र जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए जाने को लेकर उत्साहित है, जिससे उनकी बिक्री में वृद्धि हुई है।

केंद्रीय मंत्री गोयल ने बताया कि लगभग सभी ई-कॉमर्स कंपनियों ने जीएसटी कटौती का लाभ दिया है।उन्होंने कहा, 'हमारी निगरानी के अनुसार, उन्होंने नवरात्रि पर अधिक से अधिक ऑफर दिए हैं'। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा, 'अप्रत्यक्ष कर 140 करोड़ भारतीयों को सीधे तौर पर प्रभावित करते हैं और अब जीएसटी में कटौती के जरिए 2.5 लाख करोड़ रुपए का लाभ दिया गया है। कर कटौती के कारण हुए गुणक प्रभाव ने अर्थव्यवस्था को पहले ही बढ़ावा दिया है।' केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि जीएसटी सुधारों के दौरान, देश में खपत और मांग में वृद्धि को लेकर कई अनुमान लगाए गए थे। उन्होंने आगे कहा, 'जीएसटी सुधारों के कारण, इस वर्ष खपत में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने की उम्मीद है, जिसका अर्थ है कि लगभग 20 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त खपत होने की संभावना है।'

डॉ. हिमंत बिस्व सरमा सरकार के मंत्रिमंडल में बीपीएफ नेता चरण बोडो शामिल

राज्यपाल ने असम कैबिनेट मंत्री के तौर पर दिलाई पद एवं गोपनियता की शपथ

एजेंसी

गुवाहाटी। असम की राजनीति में आज एक अहम बदलाव देखने को मिला, बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) नेता चरण बोडो ने शनिवार को असम स्टेट कैबिनेट के विस्तार के बाद कैबिनेट मिनिस्टर के तौर पर शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन में हुआ, जहां राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने उन्हें पद की शपथ दिलाई। इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा और बीपीएफ प्रमुख एवं बीटीसी के सीईएम हग्रामा मोहिलरी भी मौजूद थे।

चरण बोडो का कैबिनेट में शामिल होना, विपक्ष में सालों तक काम करने के बाद, रूलिंग एनडीए अलायंस में बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट की ऑफिशियल वापसी का प्रतीक है। इस कदम को अगले विधानसभा चुनाव से पहले एक रणनीति तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है, जिससे राज्य सरकार में बीपीएफ पार्टी का रोल मजबूत होगा। कॉटन कॉलेज से ग्रेजुएट और गौहाटी विश्वविद्यालय से पोस्ट ग्रेजुएट, बोडो को बीपीएफ

के होनहार युवा नेता में से एक माना जाता है। वह पहली बार 2016 में माजबाट चुनाव क्षेत्र से चुने गए थे और 2021 में फिर से चुने गए। अब तक विपक्ष की बेंच से काम कर रहे थे। दुर्गा दास बोडो सहित कई वरिष्ठ बीपीएफ नेताओं की मौजूदगी के बावजूद, पार्टी ने 1979 में पैदा हुए तुलनात्मक रूप से कम उम्र के चरण बोडो को मंत्री पद के लिए चुना। यह फैसला पार्टी के नेतृत्व में संभावित पीढ़ीगत बदलाव का संकेत देता है और शासन में युवाओं के प्रतिनिधित्व पर बीपीएफ के फोकस को दिखाता है। ज्ञात हो कि बीटीसी चुनाव में स्पष्ट बहुमत के साथ बीटीसी ने परिषद में अपनी सरकार बनाई है। बीटीसी चुनाव के बाद से ही बीपीएफ की एनडीए में पूरी तरह से वापसी दिखने लगी थी। अब देखना होगा कि बीटीसी की परिषद सरकार में भी भाजपा के पार्षदों को जगह मिल सकता है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार के चंद्रशैली घाट पर वाहन पलटा

आठ की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला स्थित चंद्रशैली घाट पर शनिवार को सुबह अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया एक वाहन पलट गया। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि 20 यात्री घायल हुए हैं। इन सभी को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटना की जानकारी मिलते ही नंदुरबार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और राहत और बचाव कार्य कर रही है। इस घटना में मृतकों की संख्या बढने की संभावना है। इसकी छानबीन कर रहे पुलिस अधिकारी ने बताया कि शनिवार की सुबह धनतेरस के अवसर पर श्रद्धालुओं को लेकर एक निजी मालवाहक वाहन अष्टम पर्वत यात्रा के लिए गया था। सुबह जब वाहन

नंदुरबार जिले के चंदशैली घाट पर पहुँचा, तो चालक ने नियंत्रण खो दिया और वाहन पलट गया। इस वाहन में लगभग 40 श्रद्धालु सवार थे। कई लोग वाहन के नीचे कुचले गए। इस दुर्घटना में अब तक आठ लोगों की मौत हो चुकी है। करीब 20 यात्री घायल हुए हैं। गंभीर रूप से घायलों को नंदुरबार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ घायलों को तलोदा उपजिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों और घायलों में से कई नंदुरबार जिले के शहादा तालुका के भूराती और वैजली के निवासी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर होने के कारण मृतकों की संख्या बढने की संभावना है।

बिहार में ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहे हैं: चिराग पासवान

पटना । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने दावा किया है कि बिहार में एनडीए ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहा है।पटना में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने एनडीए की एकजुटता का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनडीए गठबंधन की ताकत इसकी एकता और सहयोग में निहित है। हम एक-दूसरे का हाथ थामकर गठबंधन को मजबूत कर रहे हैं और एक ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रहे हैं। हमारा लक्ष्य उस विकसित बिहार का निर्माण करना है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने में सबसे विकसित राज्य के रूप में उभरे।

भारत-मिस्र के बढ़ते संबंधों से दोनों देशों के बीच ईवी,रिन्यूएबल एनर्जी और फिनटेक में सहयोग के खुलेंगे द्वार

एजेंसी

नई दिल्ली । एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, भारत और मिस्र के बीच रणनीतिक वार्ता इलेक्ट्रिक वाहनों, खाद्य सुरक्षा, रक्षा, टेक्नोलॉजी और स्टार्टअप्स में सहयोग की अपार संभावनाओं के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाएगी।जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी के वेस्ट एशियन स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर मुदस्सिर कमर को कोट करते हुए अरब न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दोनों देशों के बीच स्टार्टअप्स, रिन्यूएबल एनर्जी, एआई, फिनटेक, इलेक्ट्रिक वाहन, खाद्य सुरक्षा आदि जैसे उभरते और विशिष्ट क्षेत्रों सहित संबंधों को बेहतर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेश, ऊर्जा और रक्षा संबंध सहयोग के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं।

मिस्र खासकर स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र के माध्यम से स्थानीय बाजार की जरूरतों को पूरा करने और निर्यात का विस्तार करने के लिए भारतीय कंपनियों द्वारा निवेश के लिए उत्सुक है, जो व्यापक निवेश प्रोत्साहन और विभिन्न कर और सीमा शुल्क छूट प्रदान करता है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को दोनों देशों के बीच अपनी पहली रणनीतिक वार्ता के बाद कहा कि भारत और मिस्र स्टार्टअप्स, फिनटेक, साइबर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सहयोग बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे, जहां उन्होंने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता की सह-अध्यक्षता की। विदेश मंत्री जयशंकर ने 2023 में भारत-मिस्र रणनीतिक साझेदारी की स्थापना के बाद से गहन सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, समुद्री और आतंकवाद-रोधी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

पूर्व राजदूत अनिल त्रिगुणायत ने अरब न्यूज को बताया कि दोनों पक्ष डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, फिनटेक, फार्मास्यूटिकल्स, स्टार्ट-अप और इनोवेशन के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी में निवेश की संभावनाओं का पता लगाने पर सहमत हुए। स्वेज नहर आर्थिक क्षेत्र को भारतीय कंपनियों के लिए एक प्रमुख निवेश अवसर बताते हुए, मिस्र के विदेश मंत्री अब्देलाती ने कहा कि यह अंतरमहाद्वीपीय राष्ट्र लाल सागर के उत्तर-पश्चिम में स्वेज की खाड़ी के किनारे एक भारतीय औद्योगिक क्षेत्र बनाने का इच्छुक है।

मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को मिलेगी सवैतनिक छुट्टी: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव और कई राज्यों में उपचुनाव के लिए होने वाले मतदान के दिन कर्मचारियों को सवैतनिक छुट्टी दी जाएगी। यह आदेश चुनाव आयोग ने जारी किया है, ताकि हर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। चुनाव आयोग ने बताया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 135बी के तहत किसी भी निजी, व्यापारिक, औद्योगिक या अन्य संस्थान में काम करने वाले हर उस व्यक्ति को, जो मतदान का हकदार है, चुनाव वाले दिन सवैतनिक छुट्टी देना जरूरी है। इस दिन वेतन में किसी तरह की कटौती नहीं की जा सकती। अगर कोई नियोक्ता इस नियम का उल्लंघन करता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आयोग ने बताया कि जो लोग अपने क्षेत्र से बाहर काम करते हैं, लेकिन उनका नाम उस विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में है जहां चुनाव हो रहे हैं, उन्हें भी मतदान के दिन सवैतनिक छुट्टी मिलेगी ताकि वे वोट डाल सकें। यह सुविधा अस्थायी और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को भी दी जाएगी।

हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों ने की सीएम सैनी से मुलाकात

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से शनिवार को हरियाणा मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति ललित बत्रा और सदस्य कुलदीप जैन तथा दीप भाटिया ने उनके आवास पर मुलाकात की।इस दौरान आयोग ने मुख्यमंत्री को वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 की प्रति भेंट की और राज्य में मानवाधिकारों की सुरक्षा से जुड़े अपने कार्यों और उपलब्धियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आयोग की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे निर्णयों को लागू होना ही चाहिए, जो आम जनता को न्याय और सम्मान दिला सकें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा मानवाधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और आयोग के सुझावों पर गंभीरता से अमल किया जाएगा। बैठक के दौरान आयोग ने बीते वर्ष की अपनी गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। बताया गया कि अब तक आयोग में 5,542 मामलों

की सुनवाई की जा चुकी है, जिनमें से 4,638 मामलों का निपटारा हो चुका है। केवल 904 मामले अभी लंबित हैं। आयोग ने यह भी बताया कि वह हर महीने राज्य की एक जेल और सामाजिक संस्थान का निरीक्षण करता है ताकि कैदियों और समाज के वंचित वर्गों के मानवाधिकारों की स्थिति की निगरानी की जा सके। आयोग ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि हाल ही में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी) के 32वें स्थापना दिवस समारोह में हरियाणा मॉडल की विशेष रूप से सराहना की गई। हरियाणा मानव अधिकार आयोग के कार्यों और पारदर्शिता को दूसरे राज्यों के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया गया। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि पर आयोग को बधाई देते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और आयोग मिलकर राज्य में मानवाधिकारों की सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाएंगे। उन्होंने कहा कि आयोग के कार्य न केवल समाज में जागरूकता बढ़ा रहे हैं, बल्कि पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने में भी सहायक साबित हो रहे हैं। बैठक के अंत में मुख्यमंत्री और आयोग के सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार समाज में समानता, सम्मान और सद्भाव का संदेश लेकर आता है।

गोरखा मुद्दों पर बातचीत के लिए मध्यस्थ की नियुक्ति से ममता नाराज, पीएम को लिखा पत्र

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार के हालिया फैसले पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा है दार्जिलिंग हिल्स, तराई और डुआर्स क्षेत्र में गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बातचीत के लिए केंद्र द्वारा एक 'मध्यस्थ' की नियुक्ति राज्य सरकार से परामर्श के बिना की गई है, जो संघीय सहयोग की भावना के विपरीत है।मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में लिखा, ÷मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि भारत सरकार ने पंकज कुमार सिंह, आईपीएस (सेवानिवृत्त) को गोरखा मुद्दों पर बातचीत के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया है। यह निर्णय पश्चिम बंगाल सरकार से किसी भी प्रकार की चर्चा या परामर्श किए बिना लिया गया है, जबकि यह पूरा मामला राज्य प्रशासन, शांति और दार्जिलिंग की गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) के सुशासन से सीधे तौर पर जुड़ा है।÷ ममता बनर्जी ने पत्र में यह भी याद

दिलाया कि गोरखालैंड टेरिटोरियल एडमिनिस्ट्रेशन (जीटीए) की स्थापना 18 जुलाई 2011 को दार्जिलिंग में हुए त्रिपक्षीय समझौते के बाद हुई थी, जिसमें भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) के बीच समझौता हुआ था। यह समझौता उस समय के केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की उपस्थिति में हुआ था।

नाबालिग लड़की से सामूहिक बलात्कार के जुर्म में दो लोगों को 20 साल की जेल

गुरग्राम. (एजेंसी)। हरियाणा के नूंह की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार के जुर्म में दो लोगों को 20 साल के कठोर कारावास की सजा दी है। आरोपियों को 13 अक्टूबर को दोषी करार दिया गया तथा सजा गुरुवार को सुनाई गई। पुलिस ने बताया कि प्रत्येक आरोपी पर 52,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर उन्हें अतिरिक्त कारावास की सजा भी भुगतनी होगी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. आशु संजीव तिंजन ने यह फैसला सुनाया। दोषियों की पहचान साहिल उर्फ ?काला और रिसाल उर्फ ?सुस्सा के रूप में हुई है, जो नूंह जिले के औथा गांव के निवासी हैं। यह मामला तीन सितंबर 2021 का है।

एनआईए अदालत ने जासूसी के जुर्म में दो लोगों को सजा सुनाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने विशाखापत्तनम नौसेना जासूसी मामले में दो और आरोपियों को सजा सुनाई है, जिससे मामले में अब तक कुल चार लोगों को दोषी ठहराया गया है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि विशाखापत्तनम में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) अदालत ने गुरुवार को मुंबई के मोहम्मद हारून हाजी अब्दुल रहमान लकड़ावाला और गुजरात के गोधरा के इमरान याकूब गितेली को क्रमश: साढ़े पांच साल और छह साल के साधारण कारावास की सजा सुनाई। एनआईए के बयान में कहा गया है कि अदालत ने अपराधियों पर 5,000-5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है, जिसे अदा न करने पर उन्हें जेल में एक साल अतिरिक्त बिताना होगा। यह मामला देश में सक्रिय विदेशी जासूसों/एजेंटों द्वारा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और भारतीय नौसेना के प्रतिष्ठानों में की गई जासूसी गतिविधियों से संबंधित है। यह मामला 2019 का है।

महाराष्ट्र के नंदुरबार में पिकअप गहरी खाई में गिरी... 8 लोगों की मौत

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले से सड़क हादसे की दुखद खबर सामने आ रही है। जहां चांदशैली घाट पर पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गई। इस दर्दनाक हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। वहीं घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। जानकारी के मुताबिक, पिकअप सवार सभी लोग अस्तंबा देवी यात्रा से लौट रहे थे। इसी दौरान घाट मोड़ पर ड्राइवर ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके चलते गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। यह हादसा इतना भयावह था कि पिकअप वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं पिकअप में सवार श्रद्धालु वाहन से बाहर जा गिरे। घटना में आठ लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह घटना नंदुरबार जिले के चांदशैली घाट के पास हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस की टीम पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को अस्पताल ले जाया गया है। जहां कई की हालत नाजुक है। बता दें कि श्रद्धालु अस्तंबा देवी का दर्शन कर अपने गांव लौट रहे थे। हादसा इतना भयावह था कि कई श्रद्धालु पिकअप के नीचे दब गए और कुछ ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

हजरत निजामुद्दीन दरगाह में 'जश्न-ए-चरागा' पर विवाद, आरएसएस की मुस्लिम विंग और दरगाह कमेटी आमने-सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की ऐतिहासिक हजरत निजामुद्दीन औलिया दरगाह में इस बार 'जश्न-ए-चरागा' यानी दिवाली के दिए जलाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दरगाह परिसर में दिवाली के दिए जलाने का कार्यक्रम आयोजित करने की घोषणा की है। मंच का कहना है कि इसका उद्देश्य 'गंगा-जमुनी तहज़ीब' और सांप्रदायिक सौहार्द को बढ़ावा देना है। हालांकि, दरगाह कमेटी ने इस कार्यक्रम का विरोध करते हुए निजामुद्दीन थाने में तहरीर दी है। कमेटी का कहना है कि दरगाह एक धार्मिक स्थल है, जहाँ इस तरह के आयोजन परंपरागत रूप से नहीं किए जाते और बिना अनुमति ऐसा कार्यक्रम धार्मिक शांति भंग कर सकता है। वहीं, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का दावा है कि यह परंपरा नई नहीं है, वे कई वर्षों से दरगाह में दिए जलाकर दिवाली मनाते आए हैं। संगठन ने स्पष्ट कहा है कि वे इस बार भी दिए जरूर जलाएंगे। इस कार्यक्रम में आरएसएस नेता इंद्रेश कुमार के शामिल होने की भी संभावना है। विवाद को देखते हुए पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और मामले की जांच शुरू कर दी है। मंच के कार्यकर्ता दरगाह क्षेत्र में दीए बांटते हुए 'एकता में शक्ति' का संदेश दे रहे हैं।

मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका कहा- सड़क का चौड़ीकरण करना जरुरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद की 4 सौ साल पुरानी मांचा मस्जिद सड़क चौड़ीकरण के रास्ते में आ रही है। इसका आंशिक हिस्सा प्रभावित हो सकता है। इस मामले में लगाई गई याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया और कहा कि यातायात की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सड़का का चौड़ीकरण करना बेहद जरुरी है। बता दे कि मस्जिद करीब 400 साल पुरानी है और लोग इसमें किसी भी तरह की तोड़फोड़ का विरोध कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि नगर निगम जनहित में काम कर रहा है और इस परियोजना के तहत मंदिर के साथ-साथ कॉमर्शियल और रेजिडेंशियल संपत्तियों को भी तोड़ा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने मांचा मस्जिद ट्रस्ट के वकील द्वारा मस्जिद की इबादतगाह को बचाने की लगातार की जा रही मांग को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अहमदाबाद नगर निगम ने आस्था मेहता के माध्यम से कहा कि नगर निगम ने हाईकोर्ट के समक्ष स्पष्ट रूप से कहा था कि ट्रैफिक की भीड़भाड़ कम करने के लिए सड़क चौड़ीकरण परियोजना से केवल खाली पड़ी जमीन का एक टुकड़ा और मस्जिद के चबूतरे का एक हिस्सा ही प्रभावित होगा।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली... अभी पटाखे और फसलों की कटाई भी शुरु नहीं हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता शुक्रवार को लगातार चौथे दिन खराब श्रेणी में रही, दिवाली से पहले प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने शाम 4 बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 254 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी के अंदर है। धुंध की चादर आसमान में छाई रही और प्रमुख इलाकों में दृश्यता कम रही।

एक्यूआईसीएन के अनुसार, शनिवार सुबह वज़ीराबाद में एक्यूआई 323 था। जहाँगीरपुरी में यह 248 रहा। इसी तरह, बुराड़ी में एक्यूआई 218, पंजाबी बाग में 212, सत्यवती कॉलेज में 213, सोनिया विहार में 198, मुंडका में 197, आरके पुरम में 195, नरेला में 194, आईटीओ में 192 और अलीपुर में 187 रहा।

इस बीच,भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि शुक्रवार को न्यूनतम तापमान गिरकर 18.4 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जो मौसम के सामान्य से 1.2 डिग्री कम था। इस बीच, अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि सापेक्ष आर्द्रता 74 प्रतिशत दर्ज की गई।

वहीं दिल्ली के पड़ोसी जिले गाजियाबाद के लोनी में एक्यूआई 293 रहा। वहीं, संजय नगर में यह 284, इंदिरापुरम में 226 और वसुंधरा में 219 दर्ज किया गया। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क में यह 214 रहा, जबकि नोएडा के सेक्टर 116 में एक्यूआई 213 और सेक्टर 124 में 193 रहा। एक्यूआईसीएन के अनुसार, गुरुग्राम के सेक्टर 51 और ग्वाल पहाड़ी में एक्यूआई क्रमशः 185 और 167 दर्ज किया गया। वहीं सीपीसीबी के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 से 100 के बीच को संतोषजनक, 101 से 200 के बीच को मध्यम, 201 से 300 के बीच को खराब, 301 से 400 के बीच को बहुत खराब और 401 से 500 के बीच को गंभीर माना जाता है।

वहीं दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई के बिगड़ते स्तर को देखकर ग्रैप पर सीएमक्यूएम उप-समिति ने चरण-1 के तहत उल्लिखित 27-सूत्रीय कार्य योजना को सक्रिय करने का निर्णय लिया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बढ़ते कण पदार्थ (पार्टिकुलेट मैटर) से जुड़े बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। पल्मोनोलॉजिस्ट डॉ. शरद जोशी ने बताया, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके कारण फसल जलने, वाहनों से निकलने वाले धुएं और आतिशबाजी जैसे स्रोतों से कण प्रदूषकों का स्तर बढ़ गया है। इससे सीओपीडी, अस्थमा जैसी पहले से मौजूद बीमारियों और तपेदिक से पीड़ित लोगों में श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं, जिससे खांसी, बुखार, सांस फूलना और सीने में दर्द जैसे लक्षण बढ़ जाते हैं... यहाँ तक कि जिन लोगों को पहले से श्वसन संबंधी कोई समस्या नहीं है, खासकर बच्चे और बुजुर्ग, कमजोर प्रतिरक्षा के कारण जोखिम में हैं।

डॉ. जोशी ने आगे कहा, दिवाली के दौरान ग्रीन पटाखों के इस्तेमाल से पारंपरिक आतिशबाज़ी की तुलना में कम प्रदूषक निकलते हैं, लेकिन ये पूरी तरह से हानिरहित नहीं हैं... वाहनों से निकलने वाला धुआँ साल भर प्रदूषण बढ़ाता है, लेकिन अक्टूबर और नवंबर के दौरान यह समस्या और भी बदतर हो जाती है... प्रदूषण के प्रभावों को कम करने के लिए, कारपूलिंग के ज़रिए वाहनों का इस्तेमाल कम करने, वाहनों के प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने, घर के अंदर एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने, रसोई में उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करने, धूपबत्ती जैसे घर के अंदर प्रदूषण फैलाने वाले स्रोतों से बचने और सांस की समस्याओं वाले लोगों को नियमित दवा लेते रहने और निवारक टीकों पर विचार करने का सुझाव दिया जाता है।

शामली में एक लाख का इनामी बदमाश नफीस एनकाउंटर में ढेर, 34 मामले थे दर्ज

शामली (एजेंसी)। यूपी के शामली में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से 1 लाख रुपये के इनामी नफीस की मौत हो गई। नफीस पर हत्या, लूट और जानलेवा हमलों जैसे 34 से अधिक मामले दर्ज थे। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं नफीस के फरार साथी की तलाश के लिए कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। इस मुठभेड़ में घायल बदलमाश को अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने इसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ कांधला थाना क्षेत्र के भाभीसा गांव के पास हुई। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि कुछ बदमाश इलाके में घूम रहे हैं। इस पर कांधला पुलिस ने नाकाबंदी की। जैसे ही पुलिस ने बदमाशों को रुकने का इशारा किया, उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और इसी दौरान नफीस गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान 1 लाख के इनामी व हिस्ट्रीशीटर अपराधी नफीस पुत्र मूदा निवासी मोहल्ला खैल थाना कांधला को गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने मौके से एक .32 बोर पिस्टल, एक 315 बोर तमंचा, दो खोखा कारतूस, पांच जिंदा कारतूस और एक बाइक बरामद की है। बताया जा रहा है कि नफीस के साथ उसका एक साथी भी मौजूद था, जो अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी तलाश में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। नफीस का आपराधिक नेटवर्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में फैला हुआ था। वह कई बार जेल जा चुका था और हाल ही में जमानत पर बाहर आने के बाद फिर से सक्रिय हो गया था। पुलिस को लंबे समय से उसकी तलाश थी। मुठभेड़ के बाद मौके पर पहुंचे एसपी एनपी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। नफीस पर हत्या, लूट, डकैती, रंगदारी और जानलेवा हमलों जैसे गंभीर अपराधों के कुल 34 मामले दर्ज थे। तीन मामलों में वह लंबे समय से वांछित चल रहा था। उस पर पुलिस ने 1 लाख का इनाम घोषित किया था।

सांसद यूसुफ पठान ने प्राचीन मस्जिद का किया दौरा, बीजेपी ने बताया मंदिर

-बंगाल में इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह ने बनवाई थी मस्जिद

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस सांसद और पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान ने बंगाल में एक प्राचीन मस्जिद का दौरा किया, जिसे लेकर विवाद खड़ा हो गया है। उन्होंने एक्स पर पुरातात्विक स्मारक की तस्वीरों के साथ लिखा- मालदा में स्थित अदीना मस्जिद को 14वीं शताब्दी में इलियास शाही वंश के दूसरे शासक सुल्तान सिकंदर शाह ने बनवाया था। इसे 1373-1375 ईस्वी में बनाया था, जो अपने समय में भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे बड़ी मस्जिद थी। यह क्षेत्र की वास्तुशिल्प कला का प्रदर्शन करती है। टीएमसी सांसद के पोस्ट का जवाब देते हुए बीजेपी की बंगाल यूनिट ने दावा किया और इसे आदिनाथ मंदिर कहा। आधिकारिक एएसआई वेबसाइट के मुताबिक अदिना मस्जिद 1369 ईस्वी से मुस्लिम वास्तुकला का शानदार उदाहरण है। इसे बंगाल सल्तनत के इलियास वंश के दूसरे शासक सिकंदर शाह की ओर से बनवाया गया था। इसमें उनकी कब्र भी है। यूजर्स ने भी इस मामले पर प्रतिक्रियाएं दी हैं। उन्होंने सांसद को बताया कि जिस स्मारक की वह बात कर रहे हैं, उसे मंदिर पर बनाया गया था। इसके लिए कई ऐतिहासिक घटनाक्रमों का हवाला दिया जा रहा है। एक पुजारी हिरण्मय गोस्वामी ने हिंदू देवी-देवताओं को देखने का दावा किया और कहा था कि मस्जिद एक मंदिर पर बनाई गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक हिरण्मय गोस्वामी और दूसरे पुजारियों ने प्रार्थना सभा भी आयोजित की थी। हालांकि स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और उन्हें रोक दिया। बाद में, पुरातत्व सर्वेक्षण ऑफ इंडिया ने गोस्वामी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। इस घटना के कारण मस्जिद को बंद कर दिया गया।

पीएम मोदी के आरोप पर भड़के प्रमोद तिवारी, कहा- कांग्रेस ने माओवादियों से हमेशा लड़ाई लड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी माओवादी और नक्सली खतरों सहित सभी प्रकार की हिंसा और उग्रवाद के खिलाफ लगातार मजबूती से खड़ी रही है। समिट को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस पार्टी ने संविधान के प्रति सार्वजनिक रूप से निष्ठा प्रदर्शित करते हुए, माओवादी उग्रवाद को पनाह दी है। उन्होंने कहा, 'जो लोग संविधान की प्रतियों का दिखावा करते हैं, वे माओवादी आतंक को पनाह देते रहते हैं।'

प्रधानमंत्री के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए, तिवारी ने एएनआई को बताया कि कांग्रेस पार्टी हिंसा के सामने पीछे नहीं हटी है। उन्होंने माओवादी हमलों में छत्तीसगढ़ के लगभग पूरे नेतृत्व को खोने की याद दिलाई। कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और कई बलिदान दिए। आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी की शहादत देखी और अनगिनत कांग्रेस नेताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी। माओवादियों और नक्सलवादियों के कारण हमने छत्तीसगढ़ का लगभग पूरा नेतृत्व खो दिया... हमने उनके सामने आत्मसमर्पण नहीं किया और न ही झुके। हम उनके खिलाफ लड़ते हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'हम यह स्पष्ट रूप से कहना चाहते थे कि देश में जो भी हिंसा का इस्तेमाल करेगा, हम हमेशा उसके खिलाफ खड़े रहेंगे।' शुक्रवार को, पिछले 75 घंटों में 303 नक्सलियों के आत्मसमर्पण का उल्लेख करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश पूरी तरह से नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा और माओवादी आतंकवाद से मुक्त क्षेत्रों में दिवाली का उत्सव वाकई खास होने वाला है।

एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2025 को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कुछ लोगों ने नक्सलवाद का इस्तेमाल लापरवाही से किया है, लेकिन वास्तव में, यह माओवादी आतंकवाद है। उन्होंने कहा कि माओवादी आतंकवाद 'हमारे देश के युवाओं के साथ एक बड़ा अन्याय, एक गंभीर पाप' है और वह इस देश के युवाओं को ऐसी स्थिति में नहीं छोड़ सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें अंदर से गहरी बेचैनी महसूस होती थी, लेकिन वह लंबे समय तक चुप रहे। उन्होंने कहा, 'आज पहली बार मैं अपना दर्द आपके साथ साझा कर रहा हूँ।'

बिहार चुनाव: कांग्रेस के स्टार प्रचारकों की सूची जारी, राहुल-प्रियंका करेंगे तूफानी दौरे

-प्रथम चरण के लिए 40 स्टार प्रचारक, कई दिग्गज नेताओं के नाम शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। कांग्रेस ने बिहार चुनाव के प्रथम चरण के मतदान के लिए अपने 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी इसमें शामिल हैं। इनके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री समेत कई राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भी बिहार में प्रचार करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को भी इस चुनाव प्रचार सूची में जगह दी है। इनके अलावा कन्हैया कुमार, अखिलेश प्रसाद सिंह, रंजीता रंजन, राजेश राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, कृष्णा अल्लावरु के भी नाम शामिल हैं। वहीं केसी वेणुगोपाल, सुखविंदर सिंह सुखु, अशोक गहलोत, भूपेश बघेल, दिग्विजय सिंह, अधीर रंजन चौधरी, मीरा कुमार, सचिन पायलट, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सैयद नासिर हुसैन, चरणजीत सिंह चन्नी, गौरव गगोई, तारिक अनवर, मोहम्मद जावेद, मनोज राम, अलका लांबा, पवन खेड़ा, इमरान प्रतापगढ़ी, शकील अहमद, जीतू पटवारी, सुखदेव भगत, राजेश कुमार राम, शकील अहमद खान, मदन मोहन झा, अजय राय, जिग्नेश मेवानी, अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, फुरकान अंसारी, उदय भानु चिब, सुबोध कांत सहाय का नाम भी स्टार प्रचारकों में है।

बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। 6 नवंबर को पहला चरण जबकि दूसरे चरण में 11 नवंबर को मतदान होगा। इसमें महागठबंधन के किस पार्टी के कितने उम्मीदवार मैदान में उतरेंगे इस पर पिक्चर अभी तक साफ नहीं हो पाई है। कई सीटों पर दोस्ताना संघर्ष है। दरअसल महागठबंध में सीट का पेंच फंसा है। शनिवार को पटना में कांग्रेस की अहम बैठक होना है। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा के बाद बिहार में कांग्रेस की ताकत बढ़ी है। इसके मद्देनजर पार्टी ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है। लेकिन आरजेडी कांग्रेस की मांग पर सहमत नहीं है। वैशाली की दो सीटों पर कांग्रेस और राजद ने अपने उम्मीदवारों को टिकट देकर नामांकन भी करवा दिया है।

अवैध धर्मांतरण मामला : कुलपति पर चल रहे 5 मामले सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किए

लखनऊ (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि आपराधिक कानून का उपयोग निर्दोष लोगों को परेशान करने के लिए नहीं किया जा सकता है। अदालत ने उत्तर प्रदेश के सम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज के कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और अन्य के खिलाफ जबरन धर्म परिवर्तन के आरोप में दर्ज की गई पांच एफआईआर को रद्द कर दिया है।बता दें कि कुलपति राजेंद्र बिहारी लाल और विनोद लाल पर विदेश से अवैध चंदा लेकर भारत में धर्म परिवर्तन का रैकेट चलाने, गरीब और कम आय वाले लोगों को लालच देकर या डरा कर उनका धर्म परिवर्तन करने, मारपीट, गैर इरादतन हत्या, गैंगरेप समेत कई आरोप हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध धर्मांतरण से जुड़े 5 मामलों में उन्हें राहत दी है। लेकिन आईपीसी की धारा 304, 306 और 504 के तहत दर्ज एक केस को जारी रखने के लिए कहा है।

न्यायमूर्ति जे बी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने साफ किया है कि फिलहाल इस मामले में भी उनकी गिरफ्तारी नहीं होगी। न्यायमूर्ति जेबी पारडीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि जांच के दौरान ऐसे कोई ठोस सबूत नहीं मिले जिनसे पता चले कि धर्मांतरण दबाव या प्रलोभन के माध्यम से कराया गया था। अदालत ने विशेष रूप से यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश धर्मांतरण निषेध अधिनियम, 2021 की धारा 4 के अनुसार, शिकायत केवल पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्य की ओर से ही दर्ज की जा सकती है, न कि किसी बाहरी या तीसरे व्यक्ति के जरिए। दरअसल, इनमें से एक एफआईआर विश्व हिंदू परिषद के नेता की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जिसमें अप्रैल 2022 में फतेहपुर में हुए कथित सामूहिक धर्मांतरण कार्यक्रम का आरोप था। अदालत ने कहा कि अगर बाहरी लोगों को शिकायत दर्ज कराने की छूट दी जाती है तो यह संबंधित व्यक्ति के अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप होगा। सुप्रीम कोर्ट ने आगे स्पष्ट किया कि धार्मिक स्वतंत्रता संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार है और राज्य सरकारों को चाहिए कि वे ऐसे मामलों में शिकायतों की निष्पक्ष और संवैधानिक रूप से जांच करें, ताकि किसी निर्दोष व्यक्ति को झूठे मामलों में न फँसाया जाए।

टूटेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड: 26 लाख दीपक से सजेगी अयोध्या और 2100 लोग करेंगे महाआरती

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में दीपोत्सव की भव्य तैयारियां जोरों पर हैं। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम लगभग 150 सदस्यों के साथ अयोध्या पहुंच चुकी है और इस बार इतिहास दोहराने से आगे बढ़कर, नया इतिहास रचने का लक्ष्य है। इस बार अयोध्या में एक साथ तीन वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए जाएंगे। 26 लाख,11 हजार 101 दीपक जलाकर कीर्तिमान स्थापित करने की तैयारी में अवध विश्वविद्यालय के 35,000 वालंटियर जुटे हैं। वहीं, 2,100 लोगों द्वारा सामूहिक आरती का रिकॉर्ड भी बनाने की योजना है, जिसके लिए गिनीज बुक की टीम मौजूद है। अब सवाल उठता है कि गिनीज टीम एक-एक दीपक की गिनती कैसे करती है और क्या इसमें तकनीक का इस्तेमाल होता है।

गिनीज टीम के एडवाइजर निश्चल बारूल के मुताबिक, इस बार काउंटिंग के लिए तीन अलग-अलग पद्धतियों का इस्तेमाल किया जाएगा। हाई-टेक सॉफ्टवेयर, ड्रोन और डिजिटल अकाउंटिंग के ज़रिए दीपों की गिनती की जाएगी, ताकि हर एक दीये का सटीक आंकड़ा सामने आ सके गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि पिछले वर्ष लगभग 25 लाख 12000 दीपक जलाए गए थे इस वर्ष लक्ष्य 26,11,101 दीपक जलने का है और राम की पैड़ी के तटों पर 29 लाख दीपक बिछाए जाएंगे।

2100 लोग करेंगे सरयू की महाआरती

इस भव्य आयोजन के लिए 190 लोगों की टीम दिन-रात काम में जुटी है और सिर्फ दीप ही नहीं, बल्कि सरयू की महाआरती भी इस साल इतिहास रचने वाली है। 2100 लोग एक साथ सरयू की महाआरती करेंगे और इसका भी रिकॉर्ड दर्ज कराने की तैयारी हो रही है। ड्राई रन के लिए विशेष सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है, जो हर मूवमेंट और संख्या पर पैनी नजर रखेगा। गिनीज बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीम के सदस्य निश्चल ने बताया कि हम तीन तरह की टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं- ड्राई रन, ड्रोन, और डिजिटल अकाउंटिंग, ताकि रिकॉर्ड एकदम पारदर्शी और प्रामाणिक हो।

ट्रांसपोर्टर की नाक पर हाथ लगने से विवाद, ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के तिलपता गांव में एक ट्रांसपोर्टर ने ट्रैफिक पुलिसकर्मी पर अभद्रता का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत पुलिस से की है। मामला सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद डीसीपी ट्रैफिक प्रवीण रंजन सिंह की ओर से संज्ञान लिया गया है। मामले की जांच एसीपी ट्रैफिक को सौंपी गई है। इस पूरे मामले में ट्रैफिक पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक भागवत नामक एक ट्रांसपोर्टर अपने (पिकअप) से तिलपता की ओर जा रहा था। नागर डेयरी के समीप यातायात अधिक होने पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से एक तरफ के यातायात को रोका गया था। इसी दौरान पीछे से ट्रांसपोर्टर अपने वाहन के साथ आगे आ गया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी का यातायात को रोकने के दौरान किया गया हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया। अचानक से हाथ लगने से ट्रांसपोर्टर की नाक से खून निकलने लगा। आरोप है कि ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ओर से गलती मानने के बजाए ट्रांसपोर्टर से अभद्रता की गई है। इस बात से नाराज ट्रांसपोर्टर अपने साथियों के साथ चौकी पहुंच गया। ट्रांसपोर्टर के अपने साथियों के साथ सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के अधीन तिलपता चौकी पहुंचने का वीडियो सोशल मीडिया सामने आया है। वहीं ट्रैफिक इंस्पेक्टर अरविंद कुमार का कहना है कि यातायात संचालन के दौरान गलती से यातायात सिपाही का हाथ ट्रांसपोर्टर को लग गया था। पिटाई के आरोप निराधार है।

साइबर ठग ने खाते में पैसे डालने के नाम पर 25 हजार रुपये ठग

साहिबाबाद। साइबर ठग ने बृजविहार निवासी भूपेश शर्मा से एक ऑनलाइन एप पर सामान खरीदने के बहाने उनके खाते में पैसे ट्रांसफर किए। फिर झांसे में लेकर 25 हजार रुपये ठग लिए। ठगी होने पर व्यक्ति ने लिंक रोड थाना पुलिस से मामले की शिकायत की है। भूपेश ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कुछ घरेलू सामान बेचना चाहते थे। उन्होंने एक ऑनलाइन एप पर उसका विज्ञापन डाला। इसके बाद उनको एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने उनका सामान खरीदने के लिए कहा। कॉलर ने भूपेश शर्मा के खाते में पहले पांच रुपये भेजे। बाकी पैसे उनके खाते में ट्रांसफर नहीं होने की बात कही। भूपेश ने अपनी बेटी का नंबर भेजा और उसमें पैसे डालने के लिए कहा। कॉलर ने बेटी को डराया और कहा कि उसके खाते में बहुत पैसे हैं, वह सब निकाल लेगा। कॉलर ने झांसे में लिया और बेटी को धमकाना शुरू किया।

दिवाली के चलते हर जगह घर जाने वाले लोगों का रेला, बस-ट्रेनों में भारी भीड़

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन के चलते दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में घर जाने वाले यात्रियों की भीड़ देखने को मिल रही है। लोग परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने के लिए अपने घरों की ओर रवाना हो रहे हैं, जिससे प्रमुख बस अड्डों और मेट्रो स्टेशनों पर काफी व्यस्तता है। वहीं, आज धनतेरस की खरीदारी को लेकर बाजारों में काफी भीड़ है। दिल्ली, गाजियाबाद और नोएडा के प्रमुख बस स्टैंड और मेट्रो स्टेशन भी यात्रियों की भारी भीड़ हैं। लोग परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार मनाने के लिए घर की ओर बढ़ रहे हैं। यातायात पुलिस और स्टाफ ने सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष इंतजाम किए हैं, ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। यातायात और सुरक्षा विभाग ने भीड़ नियंत्रण और यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे समय से पहले यात्रा की योजना बनाएं और सुरक्षा नियमों का पालन करें। बता दें कि त्योहार के इस सीजन में यात्रियों की बढ़ती संख्या आम है, लेकिन प्रशासन लगातार निगरानी रख रहा है ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो। दिवाली पर घर जाने के लिए परी चौक पर यात्रियों को शुक्रवार को कई घंटों तक इंतजार करना पड़ा। नॉलेज पार्क में पढ़ने वाले छात्रों की छुट्टियों के कारण काफी भीड़ रही। शुक्रवार को सड़कों पर केवल छात्र ही छात्र दिखाई दिए। वहीं, दादरी में भी यात्री बसों का इंतजार करते रहे। त्योहारी सीजन में घर जाने वालों की भीड़ से नोएडा बस डिपो और रेलवे स्टेशन खचाखच भर गए हैं। शुक्रवार शाम से यात्रियों की भारी भीड़ जुटनी शुरू हो गई, जो शनिवार को और बढ़ने की उम्मीद

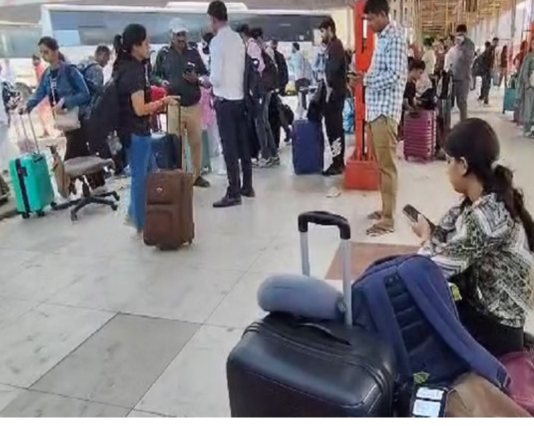

है। इस बीच परिवहन निगम ने यात्रियों की सुविधा के लिए अतिरिक्त बस फेरे लगाने की घोषणा की है। क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार सिंह ने बताया कि फिलहाल नोएडा-ग्रेनो क्षेत्र की 305 बसें 30 से अधिक रूटों पर संचालित हो रही हैं। इनमें सिकंदराबाद, खैर, अलीगढ़, हाथरस, मुरादाबाद, मेरठ, बरेली, मथुरा और रामपुर समेत कई प्रमुख रूट शामिल हैं। त्योहार को देखते हुए अब इन रूटों पर अतिरिक्त बसें चलाई जा रही हैं ताकि अधिकतम यात्रियों को सुरक्षित घर पहुंचाया जा सके। बसें नोएडा डिपो, बॉटेनिकल गार्डन, परी चौक और जीरो प्वाइंट से होकर गुजरेंगी। यात्री अपनी सीट यूपीएसआरटीसी की वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भी बुक कर सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि भीड़ को देखते हुए सभी डिपो पर निरीक्षण और निगरानी बढ़ा दी गई है। गाजियाबाद के कौशांबी बस अड्डा यात्रियों से गुलजार है। बड़ी संख्या में लोग टिकट लेकर बसों में सफर कर रहे हैं, जिससे बस अड्डे पर सामान्य से अधिक भीड़ देखने को मिली। वहीं, गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर भी भारी भीड़ देखने को मिल रही है।

गैंगस्टर पत्नी के हत्यारोपी ने मुजफ्फरनगर कोर्ट में किया आत्मसमर्पण

गाजियाबाद। पत्नी की हत्या के आरोपी गैंगस्टर विकास अहलावत को नंदग्राम पुलिस पकड़ने में असफल साबित हुई। पुलिस की लापरवाही के चलते वर्ष 2011 में हुए एक सड़क हादसे के मामले में विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया है। उसकी पत्नी पर भी गैंगस्टर एक्ट लगाया गया था। जिले की टीम उसके पैतृक गांव और ठिकानों का पता भी नहीं लगा सकी। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसायटी में पत्नी रूबी की हत्या करने वाले गैंगस्टर विकास अहलावत ने बृहस्पतिवार को मुजफ्फरनगर कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर एक वर्ष पूर्व ही हत्या के मामले में जेल से छूटा था। घरेलू कलह के चलते पत्नी रूबी की मंगलवार की सुबह साढ़े सात बजे गोली मारकर हत्या कर दी थी। सीसीटीवी फुटेज में हत्यारोपी सोसायटी से निकलता दिखा। इसके बाद वह संपर्क मार्गों से होता हुआ मोदीनगर पहुंचा। लोकेशन ट्रेस की गई तो मोदीनगर में एक रात रुकने के बाद उसकी लोकेशन मुजफ्फरनगर में मिली थी। इसके बाद उसने मोबाइल फेंक दिया था। बृहस्पतिवार को सूचना मिली कि उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। गैंगस्टर का सही पता भी मालूम नहीं कर पाई पुलिस ~ गैंगस्टर विकास अहलावत के खिलाफ हत्या, साजिश रचने और जानलेवा हमले सहित अन्य गंभीर धाराओं में तीन मुकदमे दर्ज हैं। सभी मामलों में विकास अहलावत को मोदीनगर के तिबड़ा गांव निवासी दर्शाया गया है, जबकि तिबड़ा में उसकी ससुराल है और मृतक रूबी उसी गांव की रहने वाली है। गैंगस्टर के एक करीबी ने बताया कि विकास अहलावत मूल रूप से गांव मछरी थाना दौराला जनपद मेरठ का रहने वाला है। विकास की मां की मौत के बाद पिता ने इसकी मौसी से शादी कर ली। उससे तीन संतान हैं, परिवार जनपद मुजफ्फरनगर की जाट कॉलोनी में रहता है। अलमासपुर में हुआ था सड़क हादसा जनपद मुजफ्फरनगर के थाना मंडी क्षेत्र के गांव अलमासपुर में एक सड़क हादसा हुआ था। इसमें विकास को आरोपी बनाया गया। इस मामले में उसके वारंट हो चुके थे। पत्नी रूबी की हत्या करने के बाद गैंगस्टर विकास अहलावत ने वर्ष 2011 में हुए सड़क हादसे के मामले में मुजफ्फरनगर कोर्ट में आत्मसमर्पण किया है। इसमें गैंगस्टर के रिश्तेदार ने उसकी मदद की।

मदरसे में छिपाए दस्तावेज.. दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोड़ने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली।

विकास यादव पर शादी की झूठी तारीख बताने का आरोप

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नीतीश कटारा हत्याकांड के दोषी विकास यादव के खिलाफ कथित तौर पर अपनी शादी की तारीख के बारे में झूठ बोलने के लिए झूठी गवाही (पर्जरी) की कार्यवाही शुरू करने की मांग पर सुनवाई की। कटारा की मां नीलम कटारा ने आरोप लगाया कि विकास ने अपनी शादी 5 सितंबर को होने का दावा किया, जबकि शादी जुलाई में हुई थी और उसने जमानत का लाभ लेने के लिए अदालत में झूठे सबूत पेश किए। न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा ने विकास यादव, जो हत्या के लिए 25 साल की सजा काट रहा है, से जवाब मांगा। अदालत ने दिल्ली पुलिस को नीलम के आवेदन और उनके द्वारा पेश की गई तस्वीरों की सामग्री की जांच कर स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 9 दिसंबर को होगी। नीलम की ओर से वकील ने दलील दी कि विकास ने झूठी और मनगढ़ंत जानकारी दी और दो तस्वीरें पेश कीं, जो दर्शाती है कि उनकी शादी जुलाई में नोएडा के सेक्टर 74 में हुई थी। विकास के वकील ने दावा किया कि जुलाई की तस्वीरें उनकी सगाई समारोह की थीं और इसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को भी दी गई थी। 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका खारिज कर दी थी। विकास को अपनी बीमार मां की देखभाल के लिए सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। उन्होंने हाल ही में शादी होने के आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की मांग की थी।

मोबाइल कार्यालय विधानसभा में घूमेगा और आमजन की समस्याओं का समाधान करेगा: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद ने मोबाइल कार्यालय की परिकल्पना की है। उन्होंने बताया कि इस मोबाइल कार्यालय के माध्यम से अब क्षेत्र की जनता को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। गाड़ी पूरे विधानसभा क्षेत्र में जाकर सीधे लोगों तक पहुंचेगी और उनकी शिकायतों को दर्ज करके संबंधित विभाग तक भेजेगी। इसमें एक लैपटॉप, स्टेनो और क्लर्क की व्यवस्था की गई है, ताकि लोगों की समस्याएं सही ढंग से संकलित होकर तत्काल कार्रवाई के लिए विधायक तक पहुंच सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोबाइल कार्यालय का सबसे बड़ा लाभ उन माताओं-बहनों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों को होगा जिन्हें आने-जाने में कठिनाई होती है। अब यह गाड़ी उनके घर तक पहुंचकर उनसे संवाद करेगी और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एमएलए ऑन व्हील्स- रेखा सरकार आपके द्वार' पहल दिल्ली में शासन और जनता के बीच की दूरी को पाटते हुए सेवा को सीधे लोगों के द्वार तक पहुंचाने का ऐतिहासिक कदम साबित होगी और निश्चित रूप से देशभर में एक मिसाल बनेगा। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री श्री आशीष सूद ने कहा कि मुख्यमंत्री जी द्वारा दिल्ली की पहली मोबाइल ऑफिस की शुरुआत वास्तव में जनता को सरकार आपके द्वार की भावना से जोड़ने वाला अभिनव प्रयोग है। उन्होंने उल्लेख किया कि इस पहल के लिए काफी रिसर्च की गई और पाया गया कि पूरे देश में इस तरह की कोई मोबाइल ऑफिस व्यवस्था अभी तक नहीं है। इस मोबाइल ऑफिस में कंप्यूटर ऑपरेटर, वाई-फाई और माइक की सुविधाओं के साथ 10 लोगों को बैठाकर कहीं भी जाकर जनता की समस्याएं सुनी जा सकती हैं। श्री आशीष सूद ने कहा कि कई महिलाएं और बुजुर्ग अपनी समस्याओं को लेकर विधायक कार्यालय तक नहीं पहुंच पाते थे, लेकिन अब यह मोबाइल कार्यालय सीधे उनके द्वार तक जाकर उनकी समस्याएं सुनेगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार निरंतर लोगो को सुलभ और बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए कार्यरत है।

दिल्ली में महिला कामगारों की हिस्सेदारी बढ़ी पर मजदूरी पुरुषों से कम

दिल्ली। दिल्ली में बीते कई साल के मुकाबले महिला कामगारों की आबादी में इजाफा हुआ है लेकिन मजदूरी पुरुषों से कम है। दिल्ली सरकार की दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट के मुताबिक, महिलाओं की श्रम बल भागीदारी बढ़ी है लेकिन उनकी दैनिक मजदूरी पुरुषों से कम बनी हुई है। यह रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) की प्रगति पर नजर रखने के लिए डायरेक्टोरेट ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्टैटिस्टिक्स ने जारी की है। दिल्ली राज्य फ्रेमवर्क इंडिकेटर रिपोर्ट सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स की स्थिति पर आधारित है और हाल ही में अर्थशास्त्र और सांख्यिकी निदेशालय ने इसे जारी किया है। रिपोर्ट दिखाती है कि 2017-18 में महिलाओं और पुरुषों की श्रम बल भागीदारी दर का अनुपात 0.19 था। यह आंकड़ा 2023-24 में बढ़कर 0.28 हो गया। यह वृद्धि सकारात्मक है लेकिन 0.28 का अनुपात यह भी दिखाता है कि लैंगिक असमानता अभी बनी हुई है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट दिखाती है कि महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 11.2 फीसदी थी, 2023-24 में बढ़कर 14.5 फीसदी हो गई। यह 2018-19 में 13.7 फीसदी, 2019-20 में 12.8 फीसदी, 2020-21 में 10.7 फीसदी, 2021-22 में 9.4 फीसदी और 2022-23 में 11.3 फीसदी थी। गैर-सार्वजनिक कामों में 2017-18 की जुलाई-सितंबर तिमाही में पुरुषों को 403 रुपये हर दिन और महिलाओं को 300 रुपये मिल रहे थे। 2017-18 की अप्रैल-जून तिमाही में पुरुषों को 376 रुपये हर दिन व महिलाओं को 400 हर दिन, 2023-24 में पुरुषों को 556 रुपये हर दिन व महिलाओं को 500 रुपये हर दिन मिल रहे थे। 2023-24 में यह 548 और 500 रुपये मिल रहा था। इसमें दिखता है कि महिलाओं की मजदूरी बढ़ी लेकिन मजदूरी का अंतर 48 से 100 रुपये का बरकरार है। पेशेवर और तकनीकी क्षेत्र में महिला कामगारों की संख्या घटी है। इस क्षेत्र में 2020-21 में महिलाओं का अनुपात 28.5 फीसदी था, जोकि 2022-23 में 21.3 फीसदी रह गया है। रिपोर्ट में महिलाओं के आर्थिक संसाधनों में हिस्सेदारी का मूल्यांकन किया गया है। इसमें जमीन, संपत्ति, बैंक सेवाएं, उत्तराधिकार और प्राकृतिक संसाधनों पर नियंत्रण को शामिल किया है। लेकिन इसमें ये भी कहा गया है कि महिला कामगारों के लिए दिल्ली सरकार कानूनों में सुधार कर रही है।

पिता ने दो बेटों के साथ मिलकर तीसरे को पीटकर मार डाला

फरीदाबाद। आदर्श नगर थाना क्षेत्र के हरी विहार में धनीराम हलवाई ने अपने दो बेटों सुदामा और सूरज के साथ मिलकर तीसरे बेटे कृष्ण की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को फंदे से लटकाकर पुलिस को आत्महत्या की सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद बीके अस्पताल में रखवा दिया। वहीं, जांच के दौरान पड़ोसियों ने बताया कि पिता और दोनों भाइयों ने ही युवक की हत्या की है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया। जांच अधिकारी तुषाकांत शर्मा ने बताया कि धनीराम के तीनों बेटे मेहनत मजदूरी करते हैं। इनमें से कृष्ण शराब का आदी था। 15 सितंबर को कृष्ण ने शराब पी रखी थी। इसी बात का लेकर पिता धनीराम और दोनों बेटे सुदामा और सूरज ने उसके साथ मारपीट की। इसी दौरान कृष्ण की मौत हो गई।

ठगी करने वाले गिरोह का मास्टरमाइंड प्रेमिका सहित गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तरी जिले की साइबर थाना पुलिस ने विदेश में नौकरी दिलाने के बहाने ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर मास्टरमाइंड व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह व्हाट्सएप के जरिए संपर्क कर लोगों को ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करता था। जालसाज ठगी के लिए मलयेशिया और वियतनाम के मोबाइल नंबरों का इस्तेमाल कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त राजा बांठिया ने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तर प्रदेश के एटा स्थित गांव नंगला गालू निवासी सहदेव सिंह और एटा के गांव पिलुआ उसकी प्रेमिका के रूप में हुई है। पुलिस ने इनसे 2 मोबाइल, 3 पासबुक, 3 चेकबुक, 2 डेबिट कार्ड, 5 भारतीय और 3 वियतनाम के सिम कार्ड्स बरामद किए हैं। पुलिस ने इनके बैंक खाते फ्रीज करा दिए और पीड़ित के 78,920 रुपये भी होल्ड करा दिए हैं। बुराड़ी निवासी धर्मेंद्र ने 6 सितंबर को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने सिंगापुर से टूरिज्म मैनेजमेंट का कोर्स किया था। इसके बाद धर्मेंद्र ने एक व्हाट्सएप ग्रुप वर्क इंफॉर्मेशन के जरिए नौकरी की तलाश शुरू की। इसी ग्रुप में मयंक पांडे नाम के व्यक्ति ने उन्हें वियतनाम के रास्ते ऑस्ट्रेलिया में नौकरी दिलाने के लिए कहा। आरोपी ने पीड़ित से वियतनाम के वीजा के लिए 10 हजार रुपये ले लिए। पीड़ित वीजा मिलने पर वियतनाम पहुंचा। इसके बाद आरोपियों ने ऑस्ट्रेलियाई वीजा के लिए बैंक बैलेंस दिखाने का बहाना बनाकर पीड़ित से 3 हजार डालर यानि (करीब 3.12 लाख रुपये) की मांग की। पैसे ट्रांसफर होते ही आरोपियों ने धर्मेंद्र को ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने केस दर्ज कर व्हाट्सएप चैट, जीपीएस लोकेशन और बैंक खातों की जांच की। पुलिस को जांच में आरोपियों की लोकेशन एटा की मिली। इसके बाद सहदेव सिंह व उसकी प्रेमिका को गिरफ्तार किया।

कभी मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो?ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हकेवि में दस दिवसीय 'ज्ञान' पाठ्यक्रम विधिवत संपन्न

एजेंसी

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) महेंद्रगढ़ के पोषण जीव विज्ञान विभाग द्वारा 'खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं नवाचार' विषय पर आयोजित 10 दिवसीय 'ज्ञान' (ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अकादमिक नेटवर्क्स) पाठ्यक्रम विधिवत संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम स्कूल ऑफ इंटरडिसिप्लिनरी एंड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो टंकेशवर कुमार ने की। इस मौके पर समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा, कुल सचिव प्रो. सुनील कुमार, शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान तथा पुर्तगाल के लुसोफोन यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड टेक्नोलॉजीज, लिस्बन के डॉ एंटोनियो रापोसो भी मौजूद रहे। डॉ तेजपाल ढेवा ने दस दिवसीय कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि दस दिवसीय इस आयोजन में देशभर से आए 57 प्रतिभागियों ने 24 व्याख्यान, आठ ट्यूटोरियल और दो प्रायोगिक सत्रों में प्रतिभागिता की। आयोजन में प्रतिभागियों ने एक खाद्य उद्योग इकाई का भी भ्रमण किया। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ डॉ रापोसो ने वैश्विक स्तर पर खाद्य सुरक्षा एवं पोषण से जुड़ी नीतियों एवं चुनौतियों पर मूल्यवान जानकारी साझा की। प्रतिभागियों ने कार्यक्रम की शैक्षणिक गुणवत्ता और व्यावहारिक प्रासंगिकता की सराहना की।

दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत 23 हजार महिलाएं पंजीकृत

नारनौल। दीनदयाल लाडो लक्ष्मी योजना के तहत जिले में अब तक करीब 23 हजार महिलाओं ने इस योजना के लिए स्वयं को पंजीकृत किया है। जिले में लगभग 72 हजार पात्र महिलाओं का रजिस्ट्रेशन इस योजना के तहत होना है। अतिरिक्त उपायुक्त एवं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उदय सिंह ने अपने कार्यालय में आयोजित बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि पात्र महिलाओं का पंजीकरण युद्धस्तर पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आदेश दिया कि बीडीपीओ और सरपंचों के माध्यम से गांव-गांव में पात्र महिलाओं तक व्यक्तिगत रूप से पंजीकरण करवाने की सूचना भिजवाई जाए। उन्होंने कहा कि जिन महिलाओं के पास सूचना पहुंच जाती है, उनका पंजीकरण ग्राम स्तर पर बैठे सीपीएलओ के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यालय से प्राप्त पात्र महिलाओं की सूची को तत्काल गांवों में सरपंचों तक पहुंचाकर उनके पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की जाए। कोई भी पात्र महिला इस योजना के लाभ से वंचित नहीं रहनी चाहिए। सभी अधिकारी निर्धारित समय सीमा में शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करें। इस मौके पर बीडीपीओ नवनीत कुमार, बीडीपीओ रेनू लता, बीडीपीओ सचिन, अटेली नगरपालिका के सचिव व महेंद्रगढ़ नगर पालिका के सचिव सहित अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

गरीबों, किसानों और युवाओं के उत्थान को समर्पित भाजपा सरकार : मंत्री महिपाल

सोनीपत। तीसरी बार बनी भाजपा सरकार के एकवर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर जिला परिषद हॉल सोनीपत में जन विश्वास जन विकास समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल कौशिक विशेष अतिथि रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना 2.0 के अंतर्गत 13 ग्राम पंचायतों के 630 पात्र लाभार्थियों को लक्की ड्रा के माध्यम से प्लॉट आवंटितकिए गए। शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने कहा कि हरियाणा सरकार ने विकास की रफ्तार तीन गुना बढ़ाई है और 2047 तक विकसित हरियाणा का लक्ष्य साकार करने का संकल्प लिया है। सरकार ने संकल्प पत्र के 217 में से 46 संकल्प एक वर्ष में पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला और विद्यार्थी वर्ग के उत्थान के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि किसानों की आय दोगुनी करने के लिए 24 फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है और भुगतान 48 घंटों में सीधे खाते में किया जाता है। गरीब परिवारों को आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पाँच लाख रुपये तक का निःशुल्क उपचार मिल रहा है। महिलाओं के सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए लाड़ो लक्ष्मी योजना शुरू की गई है।

नायब सरकार का एक साल घणा कमाल अर 11 साल तरक्की बेमिसाल : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि नायब सरकार का एक साल घणा कमाल अर 11 साल तरक्की बेमिसाल के रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सशक्त एवं दूरदर्शी नेतृत्व में हरियाणा प्रदेश विकास की नॉन स्टॉप रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। सरकार द्वारा जन कल्याण, सामाजिक न्याय और समग्र विकास के निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। प्रदेश सरकार ने एससी वर्ग को कोटे के भीतर कोटा देकर हरियाणा सरकार ने सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्र एवं राज्य सरकार ने किसानए गरीब एवं कमरे वर्ग के हितों में अनेकों कल्याणकारी योजनाएं लागू की है। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिड्ढा लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित जनविश्वास-जन विकास गौरवमयी एक वर्ष के जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे।

केंद्र व राज्य सरकार के कार्यकाल में हर क्षेत्र में हुई बेमिसाल तरक्की : कृष्णपाल गुर्जर

एजेंसी

पलवल। हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जिला सचिवालय स्थित सभागार में जिला स्तरीय 'जन विश्वास-जन विकास' समारोह का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह की अध्यक्षता उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने की। मुख्य अतिथि केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ जिला स्तरीय 'जन विश्वास-जन विकास' समारोह का विधिवत रूप से शुभारंभ किया। जिला स्तरीय समारोह में पंचकूला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यातिथि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का शुभ सन्देश भी वर्चुअल रूप से सुना व देखा गया। समारोह में उपस्थित नागरिकों ने मुख्यमंत्री हरियाणा के संबोधन को बड़े उत्साह के साथ देखा और सुना। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह ने हरियाणा सरकार की उपलब्धियों पर

आधारित फिल्म और गीत का प्रदर्शन देखा, जिसमें राज्य में हुए जनकल्याणकारी कार्यों, विकास योजनाओं और सार्वजनिक हित के निर्णयों की झलक प्रस्तुत की गई। केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों का विकसित भारत चार अमृत स्तंभों पर टिका है। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा हरियाणा सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के एक वर्ष में विकास और सुशासन के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए योजनाओं को धरातल पर लागू किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि विकास का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। जिला प्रशासन द्वारा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य निरंतर किया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व विधायक दीपक मंगला, पूर्व विधायक केहर सिंह रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बैंसला, सह प्रवक्ता यशपाल बत्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष चरण सिंह तेवतिया, हरेंद्रपाल राणा, भगत सिंह घुघेरा, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ, पुलिस अधीक्षक वरुण सिंगला, अतिरिक्त उपायुक्त जयदीप कुमार, एसडीएम ज्योति, सीईओ जिला परिषद जितेंद्र कुमार, जिला नगर आयुक्त मनीषा शर्मा, एमडी शुगर मिल द्विजा, नगराधीश अप्रतिम सिंह व्यक्ति उपस्थित रहे।

सफाई कर्मचारी समाज की नींवः प्रो गणेशी लाल

एजेंसी

सिरसा। सिरसा जिला जेल में लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस लोक अदालत में चार मामले रखे गए और दो मामलों का निपटारा करते हुए संबंधित कैदियों को रिहा किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि जेल लोक अदालत हर माह दो बार आयोजित की जाती है। माह के प्रथम और तीसरे बुधवार को, इन लोक अदालतों में मुख्य रूप से छोटे मामलों में लंबे समय से बंद कैदियों को राहत प्रदान की जाती है। इसके साथ ही डीएलएसए सिरसा द्वारा 'हार्वेस्टिंग

सद्भाव प्रदूषण मुक्त खेतों के लिए कानूनी जागरूकता योजना' के अंतर्गत एडीआर सेंटर के कॉन्फ्रेंस हॉल में किसानों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित किसानों को पराली जलाने के नुकसान, पर्यावरणीय प्रभावों और कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई तथा किसानों को बीज और खाद भी वितरित की गई।

एकता, अखंडता, भाव और व्यक्तित्व के जीवंत तीर्थ थे सरदार वल्लभ भाई पटेल : धनखड़

एजेंसी

झज्जर, 17 अक्टूबर (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि भारत की एकता, अखंडता और दृढ़ संकल्प के प्रतीक सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर से संविधान दिवस 26 नवंबर तक देशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें रन फॉर यूनिटी सहित कई आयोजन शामिल होंगे। झज्जर में भी इन कार्यक्रमों की जोरदार तैयारियां की जा रही हैं। धनखड़ झज्जर स्थित नहरू कॉलेज के सभागार में आयोजित जन विश्वास-जन विकास कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों बातचीत कर रहे थे।

भाजपा नेता धनखड़ ने कहा, सरकार का उद्देश्य है कि सरदार पटेल की जीवनी और विचार देश के हर बच्चे तक पहुंचे। उन्होंने पटेल को ईगो मैनेजमेंट का प्रतीक बताते हुए कहा कि वह लोह पुरुष केवल नाम से नहीं, अपने व्यवहार और फैसलों में भी थे। इस अवसर पर उन्होंने कांग्रेस पर अप्रत्यक्ष निशाना साधते हुए कहा कि पटेल जैसा व्यक्तित्व

उस समय की कांग्रेस को पच नहीं पाया। उस समय कांग्रेस के अधिकतर नेता पटेल को प्रधानमंत्री देखना चाहते थे, लेकिन गांधी जी के हस्तक्षेप के चलते उन्हें सरकार में दूसरा स्थान मिला। लेकिन दूसरे नंबर पर रहते हुए भी सरदार वल्ल्भ भाई पटेल ने देश के लिए बहुत काम किए। उनका मूल मंत्र था ताकत के लिए एकता सर्वोपरि। इससे पहले ओमप्रकाश धनखड़ ने यहां नेहरू कॉलेज के सभागार में जन विश्वास-जन विकास के जिला स्तरीय कार्यक्रम में भी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वर्चुअल माध्यम से संबोधन किया। बाद में धनखड़ ने मीडिया से बातचीत करते हुए सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखते हुए बताया कि हरियाणा सरकार ने बीते एक वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

किनाला में करंट लगने से भैंस की मौत, किसान को आर्थिक नुकसान

एजेंसी

हिसार। क्षेत्र के गांव किनाला में बिजली का करंट लगन से एक भैंस की मौत हो गई। हादसे में भैंस का मालिक बाल-बाल बच गया। ग्रामीणों ने बिजली मनिगम पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई और पीड़ित किसान को मुआवजा देने की मांग की है। गांव किनाला निवासी किसान रामचंद्र ने बताया कि वह अपनी भैंस को पानी पिलाने के लिए गांव के तालाब की ओर ले जा रहा था। रास्ते में बिजली के खंभों के पास से गुजरते समय भैंस को अचानक करंट लग गया। भैंस ने मौके पर ही तड़प-तड़प कर दम तोड़ दिया।रामचंद्र ने बताया कि भैंस जैसे ही बिजली के पोल के पास से गुजरी, नंगे तार ने उसे छू लिया। बिजली के तेज झटके से भैंस वहीं गिर गई। किसान रामचंद्र ने बताया कि उसने यह भैंस सिर्फ एक महीने पहले ही 1 लाख 5 हजार रुपए में खरीदी थी। अब इस हादसे से उसे बड़ा आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि वह एक गरीब किसान हैं और इसी भैंस के दूध से

अपने परिवार का गुजारा करते थे। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कई जगहों पर बिजली के तार नंगे पड़े हुए हैं और यह समस्या लंबे समय से बनी हुई है। ग्रामीण कई बार बिजली निगम को इसकी शिकायत कर चुके हैं, लेकिन आज तक इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। गांववासियों धर्मपाल आदि ने प्रशासन और बिजली निगम से मांग की है कि गांव में लगे खुले और जर्जर तारों को तुरंत बदला जाए ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाओं से बचा जा सके। साथ ही मृत भैंस के मालिक रामचंद्र को उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाए।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना में 8029 लाभार्थियों को दिए आवंटन प्रमाण पत्र

डेवलपमेंट ग्रांट के रूप में 2,697 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के तीसरे कार्यकाल के एक गौरवशाली वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गरीब परिवारों को बड़ी सौगात मिली। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के दूसरे चरण के तहत प्रदेशभर में लाभार्थियों को 141 ग्राम व 2 महाग्राम पंचायतों में 8029 प्लॉटों का आवंटन प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इसके अलावा, मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के दूसरे चरण में पिंजौर शहर में 518 प्लॉटों का भी आवंटन किया गया। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के कुछ लाभार्थियों को मंच पर आवंटन पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि 100 गज के जिन लाभार्थियों को आज अधिकार पत्र प्रदान किए गए हैं, उनको

रजिस्ट्री कराने की सुविधा के लिए धनतेरस के दिन भी तहसील खुली रहेंगी। नायब सिंह सैनी ने कहा कि विगत 26-27 जुलाई को ग्रुप सी पदों की भर्ती के लिए सीईटी परीक्षा का सफल संचालन किया गया। आज हरियाणा कर्मचारी आयोग द्वारा इस करेक्शन पोर्टल को खोल दिया गया है। यह पोर्टल 17 अक्तूबर, 2025 से लेकर 24 अक्तूबर, 2025 रात 11:59 बजे मिनट तक खुला रहेगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने पंचायतों को विकास कार्यों के लिए स्टैम्प ड्यूटी और बिजली की खपत पर पंचायत सेस की 1,044 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि जारी की। प्रदेश के 322 गांवों में फिरनियों के निर्माण के लिए 169 करोड़ रुपये की राशि भी दी। इसके अलावा, शहरों में भी विकास कार्यों के लिए नगर निकायों को 1,483 करोड़ 77 लाख रुपये की राशि जारी की गई। कुल मिलाकर आज पंचायतों और नगर निकायों को डेवलपमेंट ग्रांट के रूप में 2,697 करोड़ 34 लाख रुपये की राशि वितरित की गई। मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के पहले चरण में 4,002 प्लॉटों का आवंटन किया गया था और आज 8,029 प्लॉटों का आवंटन किया गया है। कुल मिलकर इस योजना में अब तक 12 हजार 31 प्लॉटों का आवंटन किया गया है।

अनुशासनहीनता पर कांग्रेस अध्यक्ष ने महिला नेत्री को जारी किया नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र ने अनुशासनहीनता पर कार्रवाई की है। चरखी दादरी से कांग्रेस की पूर्व प्रत्याशी डॉ.मनीषा सांगवान को प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। यह नोटिस दादरी में 13 अक्टूबर को हुए 'वोट चोर, गद्दी छोड़' कार्यक्रम के दौरान मचे भारी हंगामे के बाद जारी किया गया है, जिसमें पार्टी की छवि को गंभीर क्षति पहुंची। राव नरेंद्र के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद यह पहली कार्रवाई है। दादरी में हुए इस कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र और एआईसीसी सचिव जितेंद्र बघेल मौजूद थे। इस कार्यक्रम में मनीषा सांगवान के समर्थकों ने नारों और नोकझोंक से माहौल बिगाड़ दिया। पूरा कार्यक्रम अव्यवस्थित हो गया और कांग्रेस की एकजुटता की तस्वीर बिखर गई। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के असिस्टेंट ऑफिस सेक्रेटरी नीरज कुमार द्वारा हस्ताक्षरित बुधवार की रात जारी नोटिस में पार्टी ने साफ लिखा है कि दादरी कार्यक्रम के दौरान आपके समर्थकों ने अनुशासनहीनता की हद पार कर दी, जिससे पार्टी की साख पर बट्टा लगा। यह भी कहा गया है कि पूरे कार्यक्रम

राव नरेंद्र के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद यह पहली कार्रवाई है। दादरी में हुए इस कार्यक्रम में प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र और एआईसीसी सचिव जितेंद्र बघेल मौजूद थे।

का संदेश और प्रभाव जमीनी स्तर पर खत्म हो गया। मनीषा सांगवान से दस दिन के भीतर जवाब मांगा गया है कि आखिर उनके समर्थकों का ऐसा आचरण क्यों हुआ और इसके लिए जिम्मेदारी कौन लेगा।

सबका साथ-सबका विकास की सोच के साथ हर वायदे को पूरा कर रही सरकारः कृष्ण बेदी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश सरकार संकल्प पत्र में शामिल हर वायदे को सबका साथ-सबका विकास के मूल मंत्र के साथ पूरा कर रही है। एक साल में संकल्प पत्र में शामिल 46 संकल्प को सरकार पूरा कर चुकी है। जनहित में जो वायदे किए गए हैं उन्हें भी पूरा किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार की दूसरी पारी का एक साल का कार्यकाल नायाब रहा है।

मंत्री बेदी सिरसा के पंचायत भवन में प्रदेश सरकार के एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने पर जन विश्वास-जन विकास समारोह में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर मुख्यातिथि द्वारा मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना-2.0 (फेज-द्वितीय) के लाभपात्रों को अलॉटमेंट लेटर वितरित किए गए तथा सरकार की एक साल की उपलब्धियों पर आधारित बुकलेट का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री व सरकार ने इस अवधि के दौरान सबका साथ-सबका विकास की सोच के साथ काम किया है। सभी जिलों का समान

रूप से विकास हो, गांवों-ढाणियों तक समान रूप से विकास किया जाए, पर लगातार काम कर रहे हैं। पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति तक के उत्थान की सोच के साथ विकास की गति को आगे बढा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वायदे के अनुसार शपथ से पहले 24 हजार युवाओं को 17 अक्टूबर 2024 को नियुक्ति पत्र पहले दिए और शपथ बाद में ली। इस अवसर पर उपायुक्त शांतनु शर्मा, जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र, जिलाध्यक्ष भाजपा सिरसा यतींद्र सिंह एडवोकेट, जिला अध्यक्ष भाजपा डबवाली रेणू शर्मा, नगर परिषद सिरसा चेयरमैन शांति स्वरूप, मुख्यमंत्री के पूर्व राजनीतिक सलाहकार जगदीश चोपड़ा, पूर्व विधायक रामचंद कंबोज, गोविंद कांडा, पूर्व चेयरमैन गुरदेव सिंह राही, वरिष्ठ भाजपा नेता अमीरचंद मेहता, हनुमान कुंडू, राजेंद्र सिंह देसूजोधा, चंद्र प्रकाश बोस्ती, रोहताश जांगड़ा, बलवान जांगड़ा, बलदेव सिंह मांगेआना, पार्षद सुमन शर्मा, नक्षत्र सिंह सहित गणमान्य लोग व लाभार्थी मौजूद रहे।

मांगों के समाधान के लिए सीएम से मिला प्राइवेट स्कूल संघ का प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

चंडीगढ़। प्राइवेट स्कूल संघ का एक प्रतिनिधिमंडल संघ के प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से सी एम हाउस चंडीगढ़ में मिला। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें प्राईवेट स्कूलों से संबंधित मांगो का ज्ञापन सौंपते हुए जल्द से जल्द समाधान की मांग की।संघ के प्रदेश सचिव प्रदीप पूनिया व पैटर्न महावीर यादव ने बताया कि ज्ञापन में मुख्य रूप से

2808 स्कूलों का एमआईएस पोर्टल खोलने, स्कूल सोसाइटियों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने, अस्थाई स्कूलों का एक्सटेंशन लेटर जारी करने, चिराग योजना, 134 ए व आरटीई की राशि समय पर जारी करने,प्लेजमनी को कम करने, स्कुली बसों का टैक्स समाप्त करने व बसों की आयु सीमा बढ़ाने, स्कूलों में सोलर लगवाने पर सब्सिडी देने, स्कूलों का बिजली बिल एनडीएस की बजाए डीएस की तर्ज पर करने ,महापुरुषों की जयंती पर बच्चों की छुट्टी करने या छुट्टी न करने का अधिकार स्कूलों को देने आदि मांगों को रखा। जिस पर सीएम ने स्कूल सोसायटियों पर लगाए गए जुर्माने को माफ करने व अस्थाई स्कूलों का एक्सटेंशन लेटर जारी करने के लिए अधिकारियों को कहा और प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि प्राईवेट स्कूलों की अन्य मांगों पर विचार कर जल्द ही पूरा करने की कोशिश करेंगे। प्रतिनिधिमंडल मे प्रदेश अध्यक्ष सत्यवान कुंडू , प्रदेश सचिव प्रदीप पूनिया, पैटर्न महावीर यादव सहित अन्य प्रतिनिधि शामिल रहे।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर प्रदेश में निकलेगा यूनिटी मार्चः कृष्ण कुमार बेदी

एजेंसी

सिरसा। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। संविधान दिवस के अवसर पर 26 नवंबर को इस अभियान का सबसे बड़ा चरण आयोजित होगा। इस दिन देश के हर जिले में पदयात्रा निकाली जाएगी। बेदी सिरसा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल केवल 'लौह पुरुष' ही नहीं थे, बल्कि वे भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक थे। उन्होंने बिखरी हुई रियासतों को जोडकर अखंड भारत का निर्माण किया। उसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए यह 'यूनिटी मार्च' आयोजित किया जा रहा है, ताकि युवा पीढ़ी सरदार पटेल के विचारों से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सके। उन्होंने बताया कि यह अभियान 6 अक्टूबर से देशभर में प्रारंभ किया जा चुका है, जिसमें युवा सोशल मीडिया रील प्रतियोगिता, निबंध लेखन, और 'यूथ लिडरर्स प्रोग्राम' जैसी प्रतियोगिताओं के माध्यम से सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। हरियाणा में भी सभी जिलों में

युवाओं, विद्यालयों और कॉलेजों के सहयोग से यह कार्यक्रम चलाया जाएगा।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि इस अभियान के दूसरे चरण के तहत 31 अक्टूबर से 25 नवंबर तक प्रदेश के सभी जिलों में 'एकता पदयात्राएं' निकाली जाएंगी। इन पदयात्राओं में योग और स्वास्थ्य शिविर, व्याख्यान, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, और 'नशा मुक्त भारत अभियान' जैसी गतिविधियां भी शामिल रहेंगी। हर गांव, गली और नगर में यह पदयात्रा एक जन-जागरण का रूप लेगी, जिससे लोगों के दिलों को जोडने का कार्य होगा। उन्होंने बताया कि पदयात्राओं में 'एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस वॉलेंटियरर्स' और 'माई भारत' संगठन के सदस्य सक्रिय रूप से भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य युवाओं में आत्मनिर्भर भारत और 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को प्रोत्साहित करना है।

सीएम फ्लाइंग ने छापा मारकर पकड़ा झोलाछाप डॉक्टर

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां खेडक़ीदौला क्षेत्र में सीएम फ्लाइंग ने छापेमारी करके एक झोलाछाप डॉक्टर को काबू किया। वह मरीजों का उपचार करने के नाम पर उनकी जान से खिलवाड़ कर रहा था। सीएम फ्लाइंग ने उसे मौके से ही काबू कर लिया। निरीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि खेडक़ीदौला पुलिस थाना में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार पीएचसी मांकड़ोला गांव के मेडिकल ऑफिसर को सीएम फ्लाइंग से सूचना मिली थी कि गांव खेडक़ीदौला में एक व्यक्ति बिना डिग्री के ही क्लीनिक चला रहा है। चिराग क्लीनिक नाम से वह क्लीनिक चलाते हुए लोगों का इलाज करता है। इलाज के नाम पर वह लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर रहा है। इस गुप्त सूचना पर निरीक्षक राजेश कुमार, सब इंस्पेक्टर नरेंद्र सिंह के साथ मिलकर छापेमारी के लिए टीम गठित की गई। टीम ने वहां छापेमारी की। वहां पर एक व्यक्ति मिला। उसने अपना नाम ओमपाल सिंह बताया। वह उत्तर प्रदेश के हाथरस का रहने वाला है। वह गढ़ी हरसरू स्थित शिवा एनक्लेव में किराये के घर में रहता है। छापेमारी टीम ने आरोपी ओमपाल से क्लीनिक चलाने का प्रमाण पत्र मांगा तो वहां मौजूद जीएनएम स्टाफ ने प्रमाण पत्र दिखाया। छापेमारी टीम ने क्लीनिक के सामने एक दुकान में जाकर देखा तो वहां मरीजों को दाखिल किया गया था। चार बेड पर मरीजों का उपचार किया जा रहा था। एक मरीज को ड्रिप लगा रखी थी। छापेमारी टीम ने मौके पर कई तरह की दवाइयां भी बरामद की। टीम ने दवाइयां सील कर दी। क्लीनिक के काउंटर पर जीसीएस पैथ लैब की बनाई गई रिपोर्ट भी थी। टीम ने लैब का लाइसेंस जांचा तो तो पता चला कि लैब संचालित करने का कोई वैध दस्तावेज नहीं है। क्लीनिक में छापेमारी टीम ने डॉक्टर के काउंटर पर जीसीएस पैथ लैब की बनाई रिपोर्ट भी हासिल की।

चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे पर जयराम रमेश ने केंद्र सरकार को आगाह किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर केंद्र सरकार को आगाह किया है। रमेश ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि अप्रैल से सितंबर 2025 के दौरान चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा बढ़कर 54.4 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में 49.6 अरब डॉलर था। जयराम रमेश ने कहा कि चीन से आयात लगातार बढ़ रहा है, जिसपर सरकार को ध्यान देना चाहिए।

सीतारमण ने बल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कर्नाटक के बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केएजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने केएजीबी को अर्थव्यवस्था के उभरते क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देते हुए जमीनी स्तर पर कृषि ऋण वितरण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की सलाह दी। सीतारमण ने सभी हितधारकों को क्षेत्र में संबद्ध कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। डीएफएस सचिव एम नागराजू, नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी केवी, केनरा बैंक के कार्यकारी निदेशक और वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में वित्त मंत्री ने समीक्षा के दौरान ऋण वितरण वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और केएजीबी की सरकार की प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और संबद्ध क्षेत्र को ऋण वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया। सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ एफपीओ की पूंजीगत ज़रूरतें विकास वित्तीय संस्थानों और सरकारी विभागों द्वारा पूरी की जाती हैं।

निसान मैग्नाइट एएमटी सीएनजी के साथ लॉन्च, इंटीग्रेटेड फ्यूल लिड डिजाइन पेश

नई दिल्ली। निसान मोटर इंडिया ने दिवाली से पहले भारतीय ग्राहकों को एक बड़ी खुशखबरी दी है। कंपनी ने अपनी पॉपुलर कॉम्पैक्ट एसयूवी निसान मैग्नाइट के ऑटोमैटिक (श्रं-शिफ्ट) वेरिएंट के लिए अब सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा शुरु कर दी है। पहले ये सुविधा सिर्फ मैनुअल वेरिएंट के लिए उपलब्ध थी, लेकिन ग्राहकों की शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए कंपनी ने इसे ऑटोमैटिक मॉडल के लिए भी लॉन्च कर दिया है। निसान मोटर इंडिया ने अपने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट प्रोग्राम के विस्तार करने का ऐलान किया। जीएसटी परिषद के हालिया फैसले वस?तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर 28 से घटाकर 18 फीसदी करने के बाद कंपनी ने सीएनजी रेट्रोफिटमेंट किट की कीमत को घटाकर 71,999 रुपये कर दिया है। नई कीमतें 22 सितंबर से पूरे भारत में सभी अधिकृत निसान सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सेंटर पर प्रभावी हो गई हैं। कंपनी ने कहा कि सीएनजी रेट्रोफिटमेंट सुविधा अपग्रेड के बाद भी कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई है। कंपनी ने कहा कि अब नई निसान मैग्नाइट BR10 श्रं-शिफ्ट (एएमटी) के लिए सरकार से प्रमाणित सीएनजी रेट्रोफिटमेंट की पेशकश की गई है। नई निसान मैग्नाइट क्क्र10 मैनुअल ट्रांसमिशन में रेट्रोफिटमेंट को लेकर ग्राहकों की मिली शानदार प्रतिक्रिया को देखते हुए उठाया गया है। निशान इंडिया मोटर ने कहा कि यह कदम सुगम, दक्ष और ग्राहकों को केंद्र में रखने वाले मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने की निसान की प्रतिबद्धता की दिशा में एक और उल्लेखनीय पड़ाव है।

यूको बैंक का दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये

नई दिल०ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूको बैंक ने चालू वित?त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप?त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 2.82 फीसदी बढ़कर 620 करोड़ रुपये रहा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में यूको बैंक को 603 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। यूको बैंक ने एक बयान में बताया कि 30 सितंबर को समाप्त चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक का कुल कारोबार 5.36 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 13.23 फीसदी अधिक है। बैंक ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान सकल अग्रिम 16.56 फीसदी बढ़कर 2.31 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि कुल जमा 10.85 फीसदी बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये रहा। यूको बैंक ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनपीए) 0.62 फीसदी घटकर 2.56 फीसदी रही। यूको बैंक देश का एक प्रमुख बैंक है। इसका मुख्यालय कोलकाता में स्थित है।

यूको बैंक UCO BANK

व्यापारियों की दीपावली मनेगी भव्य, 738 करोड़ जीएसटी रिफंड जारी : रेखा गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की ओर से राजधानी के कारोबारियों की दीपावली को भव्य और वैभवपूर्ण बनाने के प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कहा कि दीपावली से पूर्व तक दिल्ली के व्यापारियों को उनका जीएसटी रिफंड लगातार दिया जा रहा है। इस मद में उन तक 738 करोड़ की राशि पहुंचा दी गई है। यह प्रकिया जारी है और आधुनिक तकनीक के जरिए व्यापारियों को लगातार उनका जीएसटी रिफंड निपटाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार आम जन तक भी खुशियां पहुचांने का लगातार प्रयास कर रही है। इसके तहत हम पानी के लंबित बिलों व अनधिकृत पेयजल व सीवर के कनेक्शनों पर भारी राहत दे रहे हैं, इसके लिए पेमेंट चार्ज व पेनल्टी पर 100 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

हमारी सरकार की यह योजना भी आम जन के लिए दीपावली का उपहार है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि हमारी सरकार व्यापारियों का जीएसटी रिफंड करने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास कर रही है। इसे निपटाने के लिए नई तकनीक का भी प्रयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के परिणामस्वरूप व्यापार व कर विभाग ने अभी तक 1002 करोड़ रुपये के लंबित जीएसटी रिफंड मामलों को सफलतापूर्वक निपटा दिया गया है। इनमें से 738 करोड़ रुपये की राशि दिल्ली के व्यावसायिक संस्थानों और व्यापारियों को रिफंड के रूप में भेज दी गई है। विभाग की यह अब तक की उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसने रिफंड प्रक्रिया को नई गति दी है। मुख्यमंत्री ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि रिफंड निपटान प्रक्रिया को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए जीएसटी विभाग ने आईआईटी-हैदराबाद के सहयोग से एक उन्नत आईटी मॉड्यूल विकसित किया है। यह मॉड्यूल डेटा एनालिटिक्स, डेटा ऑटोमेशन और त्वरित जांच प्रक्रिया पर आधारित है, जिससे रिफंड आवेदन शीघ्रता से निपटाए जा रहे हैं। अभी तक विभाग द्वारा कुल 8259 रिफंड आवेदनों का निपटारा किया गया है, जो एक रिकॉर्ड संख्या है। इन आवेदनों में से 7409 आवेदन 10 लाख रुपये से कम के रिफंड दावों से जुड़े थे। इन छोटे दावों के शीघ्र निपटारे से दिल्ली के छोटे व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ी राहत मिली है। मुख्यमंत्री के मुताबिक यह प्रयास न केवल करदाताओं के विश्वास को मजबूत करता है, बल्कि दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करेगा।

इंडिगो एयरलाइन 30 चौड़े आकार वाले ए350 विमान खरीदेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिगो ने एयरबस के साथ 30 अतिरिक्त ए350-900 विमान खरीदने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही चौड़े आकार वाले विमानों के लिए उसके कुल ऑर्डर 60 हो गए हैं। एयरलाइन ने जारी एक बयान में कहा कि उसने एयरबस के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे एयरबस ए350-900 विमानों के उसके 70 खरीद अधिकारों में 30 को निश्चित ऑर्डर में बदलने की पुष्टि हुई है। कंपनी के मुताबिक,इंडिगो ने अपने चौड़े आकार के विमानों के ऑर्डर को अब 30 से बढ़ाकर 60 एयरबस ए350-900 विमान कर दिया है। दोनों पक्षों ने जून में इन अतिरिक्त 30 विमानों के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इस समय इंडिगो के पास 400 से अधिक विमानों का बेड़ा है। गौरतलब है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन अपने अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का विस्तार कर रही है। उसके पास अब 40 और ए350 श्रेणी के विमानों के खरीद अधिकार हैं।

सोलापुर में बाढ़ से 867 करोड़ रुपए का नुकसान

एजेंसी

सोलापुर। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले में हाल ही में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर जनजीवन और कृषि क्षेत्र को प्रभावित किया है। जिले में बाढ़ से हुए नुकसान का विस्तृत आकलन पूरा कर लिया गया है। प्रशासन ने 867 करोड़ रुपए के नुकसान की रिपोर्ट सरकार को भेज दी है।इस आपदा से जिले की अर्थव्यवस्था को भारी धक्का लगा है, क्योंकि अधिकांश किसान अपनी फसलें और आजीविका दोनों गंवा चुके हैं। जिला कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने जानकारी दी कि बाढ़ से लगभग छह लाख चार हजार हेक्टेयर कृषि भूमि प्रभावित हुई है, जिसमें विभिन्न प्रकार की फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। करीब 7.60 लाख किसान बाढ़ की चपेट में आए हैं। उन्होंने बताया कि सरकार की ओर से राहत पैकेज तैयार किया गया है और अगले एक-दो दिनों में किसानों के खातों में सहायता राशि जमा होनी शुरू हो जाएगी। प्रशासन का प्रयास है कि यह आर्थिक सहायता शीघ्र ही सभी पात्र किसानों तक पहुंचे ताकि वे अपने खेतों को दोबारा तैयार कर सकें और दीपावली से पहले कुछ राहत महसूस कर सकें। जिला योजना समिति की ओर से भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए विशेष कदम उठाए जा रहे हैं। कल से जिले के लगभग 15,000 सबसे अधिक प्रभावित

परिवारों को दीपावली के लिए राशन किट उपलब्ध कराई जाएगी। किट में अठारह प्रकार की आवश्यक वस्तुएं शामिल की गई हैं, जिनमें चावल, दाल, तेल, मसाले, चीनी, नमक और अन्य दैनिक जरूरत की चीजें होंगी। इन राहत सामग्रियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाने के लिए बड़े ट्रक और छोटे टेंपो की व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इन किटों का वितरण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाएगा ताकि हर जरूरतमंद तक यह सहायता समय पर पहुंचे। इसके अलावा, मंत्री जयकुमार गोरे ने भी दिवाली के अवसर पर एक विशेष पहल की है। उन्होंने बताया कि 15,000 बाढ़ पीड़ित परिवारों को सरकारी राहत किट के साथ कपड़ों का उपहार भी दिया जाएगा। इसमें पुरुषों के लिए शर्ट-पैंट और महिलाओं के लिए साड़ियां शामिल हैं। जिला कलेक्टर आशीर्वाद ने कहा कि यह पहल बाढ़ पीड़ितों को न केवल आर्थिक बल्कि मानसिक रूप से भी सहारा देगी।

पीएलआई योजना के तहत एसी, एलईडी लाइट के लिए आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने एसी और एलईडी लाइट (व्हाइट गुड्स) के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत आवेदन की तिथि 10 नवंबर तक बढ़ा दी है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने व्हाइट गुड्स (एयर कंडीशनर और एलईडी लाइट) के लिए पीएलआई योजना के चौथे चरण के लिए आवेदन अवधि 10 नवंबर, 2025 तक बढ़ा दी है। मंत्रालय के मुताबिक पात्र आवेदक 10 नवंबर, 2025 तक व्हाइट गुड्स श्रेणी के अंतर्गत पीएलआई पोर्टल https://pliwg.dpiit.gov.in पर अपना आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत कर सकते हैं। चौथे चरण के लिए आवेदन की अवधि पहले 15 सितंबर, 2025 से 14 अक्टूबर, 2025 तक थी। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि उद्योग जगत की अत्यधिक रुचि और योजना के प्रति बढ़ते निवेश रुझान को देखते हुए इसे बढ़ाया गया है। यह व्हाइट गुड्स के उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत देश में एयरकंडीशनर और एलईडी लाइटों

के बढ़ते घरेलू विनिर्माण के प्रति विश्वास को दर्शाता है। इस योजना के पहले के चरणों में काफी निवेश प्रतिबद्धताएं प्राप्त हुई हैं, जिससे संपूर्ण मूल्य श्रंखला में विनिर्माण क्षमता में वृद्धि व रोजगार सृजन में योगदान मिला है। उल्लेखनीय है कि व्हाइट गुड्स के लिए अप्रैल 2021 में 6 हजार 238 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ आरंभ की गई पीएलआई योजना का उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना था। इस योजना का मकसद स्थानीय स्तर पर इसके प्रमुख घटक के उत्पादन प्रेरित करना और एयर कंडीशनर और एलईडी प्रकाश वस्तुओं के क्षेत्रों में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत को मजबूत बनाना है।

कृषि के क्षेत्र में मध्य प्रदेश स्थापित कर रहा नये कीर्तिमान

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में कृषि विकास और किसान कल्याण में मध्य प्रदेश सरकार प्राण-प्रण से जुटी हुई है। उत्पादक गतिविधियों में मध्य प्रदेश नवाचार कर रहा है। सरकार किसानों के हर सुख-दुख में उनके साथ खड़ी है। प्रदेश ने कृषि क्षेत्र में नये कीर्तिमान स्थापित किए हैं। उत्पादन में रिकॉर्ड दर्ज कर प्रदेश को अनेक अवार्ड हासिल हुए हैं। मप्र दालों के उत्पादन में देश भर में प्रथम स्थान पर, खाद्यान उत्पादन में द्वितीय स्थान पर और तिलहन उत्पादन में तृतीय स्थान पर है। प्रदेश में त्रि-फसली क्षेत्र में भी तेजी से वृद्धि हो रही है। प्रदेश में नरवाई जलाने की घटनाओं में कमी (हतोत्साहित) करने के लिए प्रदेश में प्रभावी कार्यवाही की गई है। जनसम्पर्क अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा रबी 2024-25 में उपार्जित गेहूं पर 175 रुपये प्रति क्विंटल प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा फरवरी 2025 में लगभग 83.50 लाख से अधिक किसानों को करीब 1770 करोड़ रुपये किसान सम्मान निधि सिंगल क्लिक से अंतरित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के अंतर्गत 81 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1624 करोड़ रुपये सिंगल क्लिक के माध्यम से जमा की गई।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार भारत सरकार की प्राईस सर्पोट स्कीम अंतर्गत सोयाबीन का उपार्जन किया गया, जिसमें 2,12,568 कृषकों से कुल 6.22 लाख मीट्रिक टन मात्रा का उपार्जन किया गया है, जिसके न्यूनतम समर्थन मूल्य की राशि 3043.04 करोड़ है। श्रीअन्न के उत्पादन को बढावा देने के लिए रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की है, जिसके तहत किसानों को 3900 रुपये प्रति हेक्टेयर डीबीटी के माध्यम से प्रदान किया जाएगा।

किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के साथ फसल बीमा योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वाईल हेल्थ कार्ड और सिंचाई सुविधाओं में वृद्धि का लाभ भी मिल रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल के नुकसान का समय पर आकलन एवं राहत राशि का वितरण किसानों को मिल रहा है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में नामांकन एवं दावा प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, एनसीआईपी पोर्टल के साथ भूमि रिकॉर्ड को सफलता पूर्वक एकीकृत करने और पोर्टल को किसान अनुकूल बनाने के लिए मध्य प्रदेश को 'उत्कृष्टता प्रमाण पत्र' प्रदान किया गया है। नमो ड्रोन दीदी योजनांतर्गत मध्य प्रदेश में 89 दीदियों को स्वाबलंबी बनाया गया है। नमो ड्रोन से 4200 हेक्टेयर क्षेत्र में तरल उर्वरक का छिड़काव कर दीदियों ने 21.22 लाख रूपये की शुद्ध आय प्राप्त की है। वर्ष 2025-26 में 1066 दीदिओं को योजनांर्तगत लाभान्वित किया जा रहा है। [[जनसम्पर्क अधिकारी ने बताया कि कृषकों द्वारा फसल अवशेष (पराली) जलाने से रोकने के लिये शासन द्वारा कई कदम उठाये गये है, जिसमें प्रदेश स्तर पर 46,800 से अधिक नरवाई प्रबंधन से संबंधित कृषि यंत्र अनुदान पर वितरित करते हुए 412 करोड़ रुपये की अनुदान राशि जारी की गई है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन रही तेजी, सेंसेक्स 485 अंक उछला

एजेंसी

नई दिल्ली। इस हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। प्रमुख बैंकों एवं पेट्रोलियम शेयरों में खरीदारी और विदेशी कोषों की लिवाली के दम पर लगातार तीसरे दिन बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 485 अंक उछल गया, जबकि निफ्टी 25,700 के ऊपर बंद हुआ। बॉम्बे स?टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 484.53 अंक यानी 0.58 फीसदी उछलकर 83,952.19 अंक पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान एक समय यह 704.58 अंक बढ़कर 84,172.24 अंक पर पहुंच गया था। नेशनल स?टॉक एक?सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 124.55 अंक यानी 0.49 फीसदी की बढ़त के साथ 25,709.85 के स्तर पर बंद हुआ है। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एशियन पेंट्स में सबसे ज्यादा 4.18 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर बढ़त में सफल रहे। वहीं, इंफोसिस, एचसीएल टेक, इटर्नल, टेक महिंद्रा और टाटा स्टील के शेयर पिछड़ने वालों में शामिल रहे। इसके अलावा एशियाई बाजारों में शामिल दक्षिण कोरिया का कोस्पी सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि यूरोप के बाजार तेजी से नीचे कारोबार कर रहे थे।

बड़े उद्यमी कर रहे एमएसएमई नीति का दुरुपयोग, सरकार कसे शिकंजा

एजेंसी

नई दिल्ली। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स का मामला पकड़ में आने के बाद यह सामने आया कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए सार्वजनिक खरीद नीति (2012) में छोटे व्यवसायों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के लिए बनाए गए नियमों का उल्लंघन बड़े कॉरपोरेट घराने कर रहे हैं। लघु एवं सूक्ष्म उद्यमियों ने धोखाधड़ी करने वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का सरकार से आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि 2012 में घोषित नीति के तहत यह प्रावधान किया गया था सभी प्रकार की सरकारी खरीद में कम से कम 25 फीसदी एमएसमई के लिए आरक्षित रखा जाए। ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग नामक कंपनी ने इस योजना का बेजा लाभ उठाया।

इस कंपनी ने कथित तौर पर झूठी घोषणाओं और रणनीतिक कॉरपोरेट पुनर्गठन के माध्यम से एमएसएमई योजना के तहत खूब लाभ उठाए हैं। पहले यह कंपनी एक साझेदारी फर्म के रूप में काम कर रही थी और फिर अप्रैल, 2021 में ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग प्राइवेट लिमिटेड में परिवर्तित हो गई। इस परिवर्तन के दौरान इसने अपने कारोबार और निवेश विवरण के बारे में गलत जानकारी देकर सूक्ष्म उद्यम श्रेणी के अंतर्गत पंजीकरण करा लिया। बाद में जांच में पाया गया कि कंपनी ने जिन वर्षों के वित्तीय आंकड़े बताए थे, उन वर्षों में वह निगमित भी नहीं थी और उसने सूक्ष्म उद्यम होने के लिए जानबूझकर शून्य कारोबार दिखाया था। बैलेंस शीट के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का कुल कारोबार 228 करोड़ रुपये से अधिक था, जो स्पष्ट रूप से मध्यम उद्यम श्रेणी में आता है। एक शिकायत के बाद महाराष्ट्र सरकार के उद्योग निदेशक ने गलत जानकारी की पुष्टि करने के साथ ही इसके पंजीकरण को रद्द करने की सिफ़ारिश भी कर दी। इसके बाद कंपनी ने इसका रिवर्स विलय एक दूसरी कंपनी प्रिसिजन कंटेनर्स लिमिटेड में कर दिया। इस विलय के बाद नई कंपनी ईस्ट इंडिया ड्रम्स एंड बैरल्स मैन्युफैक्चरिंग लिमिटेड का गठन कर लिया गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का जुलाई-सितंबर तिमाही में मुनाफा 1,213 करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 सितंबर को समाप्त जुलाई-सितंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 1,213 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में 913 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। सेंट्रल बैंक ने जारी बयान में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में उसका कुल कारोबार 14.43 प्रतिशत बढ़कर 6.45 लाख करोड़ रुपये से 7.38 लाख करोड़ रुपये हो गया। सरकारी स्वामित्व वाले बैंक के मुताबिक जुलाई-सितंबर तिमाही में कुल जमा राशि 13.40 फीसदी बढ़कर 4.44 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3.92 लाख करोड़ रुपये थी।

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया Central Bank of India

इस दौरान सेंट्रल बैंक की सकल गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 3.01 फीसदी रही, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 4.59 फीसदी थी। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया भारत में सार्वजनिक क्षेत्र का प्रमुख बैंक है, जिसकी स्थापना स्वदेशी आंदोलन से प्रभावित होकर एक पारसी बैंकर सर सोराबजी पोचखानवाला ने 1911 में की थी।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर

एजेंसी

मुंबई। अर्थव्यस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 2.18 अरब डॉलर घटकर 697.78 अरब डॉलर रह गया। इससे पिछले हफ्ते देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 27.6 करोड़ डॉलर घटकर 699.96 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में मुद्रा भंडार का अहम घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 5.60 अरब डॉलर घटकर 572.10 अरब डॉलर रह गईं। आरबीआई के मुताबिक इस दौरान देश का स्वर्ण भंडार 3.59 अरब डॉलर बढ़कर 102.36 अरब डॉलर हो गया।

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 13 करोड़ डॉलर घटकर 18.684 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के मुताबिक 10 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत का आरक्षित भंडार 3.6 करोड़ डॉलर घटकर 4.63 अरब डॉलर रह गया।

दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के लिए कदम उठा रही है सरकार : गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार दुर्लभ मृदा खनिजों की आपूर्ति में सुधार के उपायों पर काम कर रही है, जिसमें चिली और पेरू के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत, घरेलू अन्वेषण को बढ़ावा देना और रीसाइक्लिंग एवं प्रसंस्करण में स्टार्टअप्स को शामिल करना शामिल है। केंद्रीय वणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसोचैम) के सालाना सम्मेलन और 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि व्यापारिक साझेदारियां संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभकारी हों। गोयल ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि हाल के वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि अब वह मजबूत स्थिति में बातचीत करता है, जो देश के बढ़ते आर्थिक आत्मविश्वास और मुक्त व्यापार समझौतों एवं अन्य व्यापारिक व्यवस्थाओं के प्रति भारत के दृष्टिकोण के संदर्भ में वैश्विक स्तर पर उसकी प्रतिष्ठा को दर्शाता है। उन्होंने एमएसएमई को सशक्त बनाने और नवाचार एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में एसोचैम की भूमिका पर भी जोर दिया, जो 2047 के विकासशील भारत के लिए आवश्यक है। गोयल ने कहा कि तांबा, लिथियम, निकल और कोबाल्ट जैसे दुर्लभ खनिज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों से लेकर लड़ाकू विमान तक कई उद्योगों के लिए जरूरी कच्चा माल हैं। ये खनिज तेजी से बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक वाहन और बैटरी विनिर्माण में भी अहम भूमिका निभाते हैं। चिली, पेरू और ऑस्ट्रेलिया में इन खनिजों के भंडार मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि भारत का ऑस्ट्रेलिया के साथ व्यापार समझौता लागू हो चुका है। दक्षिण अमेरिकी देशों चिली एवं पेरू के साथ भी बातचीत जारी है। भारतीय टीम अगले दौर की व्यापार वार्ता के लिए इन देशों का दौरा कर रही है। उन्?होंने कहा कि चिली एवं पेरू जैसे दक्षिण अमेरिकी देशों के साथ व्यापार समझौते की कोशिशों के पीछे दुर्लभ खनिजों की अहम भूमिका है। वाणिज्?य मंत्री ने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ईएफटीए समूह और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए एफटीए भारत के निर्यात को बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार 10,000 करोड़ रुपये की 'कोषों का कोष' योजना के लिए दिशा-निर्देश तैयार कर रही है, जो स्टार्टअप फर्मों के लिए लंबी अवधि की वित्तीय सहायता पर केंद्रित है। गोयल ने कहा कि भारत घरेलू खोज बढ़ाने, अवशिष्ट से खनिज निकालने वाले स्टार्टअप और देश में प्रसंस्करण सुविधाओं के निर्माण पर भी विचार कर रहा है। वाणिज्?य मंत्री ने उद्योग को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने की सलाह देते हुए कहा, ÷हमें अपने आपूर्ति शृंखलाओं का मूल्यांकन करना चाहिए कि क्या वे किसी एक देश पर अधिक निर्भर हैं। यदि निर्भर हैं, तो हम कमजोर हो सकते हैं, खासकर उस समय जब व्यापार को हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है।÷ उनका इशारा चीन की तरफ था जिसने दुर्लभ खनिज तत्वों के निर्यात पर बंदिशें लगा दी हैं, जिससे दुनिया भर में इन खनिजों की आपूर्ति बाधित हो रही है। उन्होंने कहा कि यह रणनीतिक दृष्टिकोण भारत को अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करने, निर्यात को बढ़ावा देने और निवेश एवं प्रौद्योगिकी सहयोग के अवसर पैदा करने में सक्षम बनाता है, साथ ही ऐसे समझौतों से बचने में भी मदद करता है जो भारत की कीमत पर दूसरे पक्ष को अत्यधिक लाभ पहुंचा सकते हैं। मंत्री ने बताया कि भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 700 अरब अमेरिकी डॉलर के साथ मज़बूत बना हुआ है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मज़बूत बुनियाद को दर्शाता है।

बिहार विधानसभा चुनाव में बेमेल गठजोड़ पर बवंडर

कांतिलाल मांडोत

बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर ज्यो - ज्यो तिथि नजदीक आती जाएगी,वैसे वैसे सभी मुश्किले कम होती रहेगी। दीपावली के बाद सभा का दौर जोर पकड़ेगा।क्योंकि आगामी दिनों में चुनाव की तिथि निश्चित की गई है।

अगर आप मानते है कि चुनाव ऐसी सरकार चुनने के लिए होते है जो अच्छा प्रशासन दे औ? उसका लक्ष्य राज्य के गरीब तब्बके के लोगो का जीवन स्तर सुधारने में अहम भूमिका अदा करती रहे।राजनैतिक और सामाजिक गठबंधन बनाए है लेकिन उनके मेलमिलाप नही होने से बात बनती नही दिख रही है।बिहार विधानसभा चुनाव का बिगुल बजते ही सभी पक्ष जोड़तोड़ में लग गए है।दीपावली के बाद राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ेगी।लेकिन सीट बंटवारे को लेकर राजद और कांग्रेस के बीच फर्क नजर आ रहा है।कांग्रेस और तेजस्वी की दिल्ली में सीट बंटवारे को लेकर हुई बैठक में भी कोई निष्कर्ष नही निकला है।बिहार में कांग्रेस तीस साल से पराजित होती आ रही है।कांग्रेस ने अपना जनाधार साम्प्रदायिक -जातीय गुटों के साथ गंवाने के बाद अब बिहार में राजद से गठबंधन कर तुरुप का पता निकाला है।क्योंकि बिहार में कांग्रेस की पतली स्थिति में राजद के गठबन्धन से आशावादी अभिगम अपना रही है। विरासत में गांधी नेहरू वाला कार्ड राहुल के नाम से बिहार चुनाव में भुनाने के लिए भेजा गया है।बिहार के धूल घुसरित क्षेत्रो के गांवो में तूफानी दौरा कर अपने, पिता,दादी और परनामा के योगदान की दुहाई देकर चुनाव आयोग पर हमले कर सतारूढ़ भाजपा पर राहुल ने वोट चोरी का आरोप लगाया।इस उम्मीद से की शायद कांग्रेस की खोई हुई जमीन वापस मिल जाएगी।लेकिन यहां जूठे आरोपो का सहारा लेकर कांग्रेस और राहुल दोनो गलत साबित हो रहे है।सबूत और एटम बम की जूठी शान के खिलाफ मतदाताओ को कांग्रेस से दूर करने का काम राहुल बिहार में कर रहे है।उनके पास कोई ठोस मुद्दे नही है।जुठ भी बोलते है ,लेकिन राहुल उसमे सफल नही होते है।उसका मजबूत कारण यह है कि राहुल की मनगढंत बाते अधिक होती है।पिछले 30 साल से बिहार में कांग्रेस के पांव बिलकुल उखड़ चुके है।मंडल और मंदिर का ऐसा श्राप लगा की कांग्रेस का जनाधार खिसकता जा रहा है।इसमें शक नही कि राहुल जहा भी गए भीड़ गांधी खानदान के चिराग को निहारने जरूर जाती है।लेकिन इसमें यह निष्कर्ष नही निकाला जाता है कि उस भीड़ से कांग्रेस का जनाधार बढ़ाने के लिए सहायक होंगे।

कांग्रेस कभी मजबूत मध्यम वर्गीय पार्टी हुआ करती थी लेकिन अब उनका जनाधार नही रह गया है।राहुल के अथक प्रयास भी इतने कारगर साबित नही हो सकते है कि देश मे सबसे पुरानी पार्टी पिछले तीस सालों से बिहार मे खिसक गई है और अब लग नही रहा है कि कांग्रेस बिहार में बेहतर प्रदर्शन कर सके।राजद और कांग्रेस का गठबंधन के जरिये मतदाताओ को खींचने की कोशिश कर रहे है।राजद सुप्रीमो लालू ,तेजस्वी और राबड़ी पर जमीन के बदले नौकरी देने के कथित भ्रष्टाचार में नाम उछलने के बाद बिहार में राजद की स्थिति नाजुक बन गई है।कांग्रेस और राजद दोनो दागदार पार्टिया रही है।उधर,मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की साफ सुथरी छवि और बिहार में विकास की झड़ी की वजह से दोनो पार्टियो पर एनडीए गठबंधन का पलड़ा भारी है।बिहार में लालू के कथित भ्रष्टाचार के आरोपों के चलते बिहार में राजद की राह आसान नही है।बिहार में सामाजिक वर्चस्व रखने वाले सवर्णों को कभी मान सम्मान नही दिया।यादव और मुस्लिम समाज को लेकर चलने वाली तेजस्वी की पार्टी ने समाज के उत्थान के कोई कार्य किए है,ऐसा नही लगता है।लालू के जंगलराज में बिहार में चारो तरफ अराजकता फैली हुई थी।भाजपा विकास के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही है औ? नीतीश कुमार कोई कसर नही छोड़ना चाहते है।तेजस्वी यादव दलितों,मुस्लिमो और यादवों के वोटो की गिनती को लेकर आगे बढ़ रहे है।जैसे मायावती और मुलायम सिंह यूपी में चले थे।लेकिन उनके उत्थान की बात नागवार गुजरी है।जातीय समीकरण को देखते हुए जिस तरह से कांग्रेस ने मुस्लिम समाज को गुमराह किया है,वैसे ही दलित और पिछड़ों को लालू ने गुमराह किया है।वोटबैंक की राजनीति में बिहार में विकास तो नही हुआ लेकिन लोगो की दिनप्रतिदिन बेरोजगारी बढ़ती गई।बीस साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री है तो जनता सोच समझ कर ही वोट करती आ रही है।कथनी और करनी की समानता होनी ही चाहिए।जो नेता मतदाताओ के साथ दुर्व्यवहार करते है।उन्हें गुमराह करने की कोशिश करते है।उनका भरोसा जनता कभी नही करती है।इसलिए राजनीति मंच पर जो भी कहा जाए,वह सत्य और सच्चाई के साथ कहा जाए।कांग्रेस की हालत दोगलीनीति के कारण ही रही है।हिंदुत्ववादी को कांग्रेस गालिया देती है और तुष्टिकरण की राजनीति करके भी उस समाज के विकास के लिए कांग्रेस आजादी के बाद भी कुछ नही कर पाती है तो यह तो सरासर विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह है।

गौरतलब है कि बिहार में महागठबंधन में सीटो के बंटवारे को लेकर नाटक चल रहा है।सीट शेयरिंग पर राजद और कांग्रेस की बात बनती नही दिख रही है।बिहार में उठापठक चालू है।राहुल गांधी के परनाना भले ही द डिस्कवरी ऑफ इंडिया नामक विख्यात पुस्तक के लेखक रहे हो,लेकिन राहुल अपना ही अध्याय लिखने को तत्पर है।बिहार की खोई हुई विरासत पुनः पाने के मिशन पर निकल पड़े है।उनके किसी भी हालत में सता हासिल करनी है।बीस वर्षों के विकास कर रहे नीतीश कुमार और गठबंधन सरकार के खिलाफ विदेश में जाकर लोकतांत्रिक व्यवस्था पर निशाना साधने वाले राहुल के पास भाजपा को शिकस्त देने के लिए क्या यही मुद्दे बचे है? यात्रा में लोगो से हाथ मिलाना और जातिविहीन समाज सरीखे मुद्दे उठाना यही क्रम है।लेकिन उनको पता लग पाता इससे पहले ही वे कुछ कुछ ऐसा बोल देते है,जो मुद्दा बन जाता है।राहुल और प्रियंका नाम का ब्रांड बिहार की धूल घुसरित गलियों में अब उतारा जाएगा।गांधी परिवार के भाई बहन होने के बावजूद कांग्रेस को उम्मीदे बेहिसाब है।खानदान राहुल का बेहतरीन कार्ड है।गांधी परिवार के राहुल और बहन प्रियंका के पास बिहार को देने के लिए यही सब कुछ है।अब कांग्रेस कोई ताकत नही रही है।इनके पुरखो ने आजादी के बाद देश पर सबसे ज्यादा शासन किया है।यह एक ऐसी विरासत रही है,जिसका लोकतंत्र के इतिहास में कोई सानी नही था।लेकिन कांग्रेस अपनी ही करनी की शिकार हुई है।राजीव गांधी ने 1989 में चुनाव अभियान की शुरूआत अयोध्या से की थी।1980 में संजय गांधी को उत्तरप्रदेश का मुख्यमंत्री चुने गए थे तो उन्होंने यह पद ठुकरा दिया था।बिहार चुनाव तक राहुल बिहार को कर्मभूमि बनाने के लिए सोच रहे है।लेकिन अभी भी अपने भाषण के पुरखो को याद करते है।गणतंत्र को आधुनिक रूप देने वाले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू आदर्शवादी नेता रहे थे।उसकी पुत्री प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी सिंडिकेट के घाघ बूढो को मात देकर वे उनके साये से निकल आई और उन्होंने देश मे महान नेत्री के पथ का मंच तैयार किया,लेकिन सोनिया और राहुल ऐसा कुछ नही कर सके,जिसको लोग लम्बे समय तक याद रखे।वे अपने पुरखों की याद ताजी करके जीते जागते इंसानों में उम्मीद जगा रहे है।वैसा ही प्रियंका वाड्रा अपनी दादी को याद कर उनके जीवन को देश के सामने साझा कर वोट मांगने की प्रक्रिया हर चुनाव में हम देख रहे है।बिहार में कांग्रेस और राजद के बीच सीट शेयरिंग को लेकर मन एक नही हुआ है।तेजस्वी अपनी पार्टी के रुख पर अड़े है तो राहुल ने कांग्रेस कार्यकताओं को मोलभाव करने के निर्देश दिए है।अब गठबंधन की चुनावी तैयारियों की बाधा बनता दिखाई दे रहा है।बिहार में राजद और कांग्रेस के लिए सीट बंटवारे को अंतिम रूप नही दिया गया है।चुनाव आयोग ने अधिसूचना जारी कर नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।राजद ने कांग्रेस को 61 सीटे देने का प्रस्ताव दिया।बिहार चुनाव में सीट शेयरिंग के लिए जेडीयू में भी बगावत देखने को मिली है।बिहार में विधानसभा चुनाव को लेकर ज्यो - ज्यो तिथि नजदीक आती जाएगी,वैसे वैसे सभी मुश्किले कम होती रहेगी।दीपावली के बाद सभा का दौर जोर पकड़ेगा।क्योंकि आगामी दिनों में चुनाव की तिथि निश्चित की गई है।

(वरीष्ठ पत्रकार साहित्यकार, लेखक)

संपादकीय

ट्रंप के झूठे दावे

आखिर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप लगातार झूठ बोलने के आदी क्यों हैं? ह्यऑपरेशन सिंदूरह्न के बाद भी वह पचासियों बार झूठे दावे करते रहे हैं कि उन्होंने अमुक देशों के बीच युद्धविराम करा दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों में भी युद्धविराम के झूठ बोले, जिनके बीच या तो युद्ध ही नहीं हुआ अथवा ट्रंप की कोई भूमिका ही नहीं थी। नोबेल पुरस्कार पाने की ऐसी छटपटाहट है कि राष्ट्रपति के पद पर होने के बावजूद ट्रंप झूठ बोलने के आदी हो गए हैं। बहरहाल ऐसे देश उनके झूठ का खुद जवाब देंगे, वह हमारा सरोकार नहीं है, लेकिन जब संदर्भ प्रधानमंत्री मोदी और भारत के राष्ट्रीय हितों का है, तो हम निरपेक्ष और खामोश नहीं रह सकते। यह अनिवार्य नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ऐसे अनाप-शनाप बयानों का जवाब दें। वह अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और परस्पर सम्मान की विदेश नीति से बंधे हैं, लेकिन विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच फोन कॉल से अनभिज्ञता जाहिर की है, तो तय है कि दोनों नेताओं के बीच बीते बुधवार को कोई संवाद नहीं हुआ। यदि संवाद नहीं हुआ, तो भारत रूसी तेल और ऊर्जा उत्पाद खरीदना बंद कर देगा, यह निष्कर्ष कैसे संभव है? कमाल है कि राष्ट्रपति ट्रंप ह्यव्हाइट हाउसह्न में पत्रकारों से रू-ब-रू बात कर रहे थे। उसी दौरान उन्होंने खुलासा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने आज (बुधवार) आश्वासन दिया है कि भारत रूस से तेल खरीद बंद कर देगा। यह तुरंत नहीं हो सकता, थोड़ा समय लगेगा। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। राष्ट्रपति ट्रंप ने इसे रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने का दबाव बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम बताया। गुरुवार को भारत ने यह झूठा दावा खारिज कर दिया और स्पष्ट किया कि दोनों नेताओं के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। ऐसे ही करीब 50 झूठे दावे ट्रंप ने भारत-पाक संघर्षविराम के मद्देनजर किए थे, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संसद में एक विशेष चर्चा के दौरान, परोक्ष रूप से, खारिज कर दिया था। भारतीय प्रधानमंत्री इस भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते कि ट्रंप ने झूठ बोला है या ट्रंप झूठा है।

चिंतन-मनन

दान और परोपकार से घटता नहीं है धन

सभी धर्मों में कहा गया है कि दान करो। दान करने से धन घटता नहीं है बल्कि आपका धन बढ़ता है। लेकिन समस्या यह है कि लोग धन बढ़ने का तात्पर्य यह समझते हैं कि आज आप सौ रुपए कमाते हैं तो कल हजार रुपए कमाने लगेंगे। शास्त्रों में मुद्रा को धन कभी कहा ही नहीं गया है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति जो पुण्य अर्जित करता है वही धन है। पुण्य रूपी धन परोपकार और जनहित से बढ़ता है। मुद्रा रूपी धन तो आपको उतना ही मिलेगा जितना आपकी किस्मत में होगा। अगर आप दान भी कर दें तो आपके पास उतना ही रहेगा जितना आपके भाग्य में है। अगर आप संचित करके भी रखेंगे तब भी उतना ही बचेगा जितना आपकी किस्मत में विधाता ने लिख दिया है।

दक्षिण भारत की एक कथा है इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। एक गरीब ब्राह्मण था। दिन भर अपना काम करता इसके बाद जो भी समय बचता उसे भगवान की सेवा में लगा देता। ब्राह्मण की पत्नी अक्सर ब्राह्मण से कहती पूजा-पाठ से क्या लाभ है भगवान तो हमारी सुनते ही नहीं, पता नहीं हमारी गरीबी कब दूर होगी। एक दिन ब्राह्मणी की बात सुनकर ब्रह्मण बहुत दुःखी था। पूजा करने बैठा तो भगवान प्रकट हो गये। भगवान को देखते ही ब्रह्मण अपनी गरीबी दूर करने के लिए प्रार्थना करने लगा। भगवान ने कहा तुमने पूर्व जन्म दान नहीं किया है इसलिए तुम्हारे भाग्य में अन्न धन की मात्रा कम है। अगर तुम चाहो तो तुम्हें तुम्हारे भाग्य का अन्न धन एक साथ मिल सकता है। लेकिन एक बार अन्न धन खत्म होने के बाद तुम क्या करोगे। अच्छा होगा कि तुम धीरे-धीरे अपने हिस्से का अन्न धन प्राप्त करो। ब्रह्मण ने कुछ देर सोचा फिर बोला प्रभु मेरे भाग्य का सारा अन्न धन एक साथ दे दीजिए। कुछ दिन तो सुखी से जी लूंगा। भगवान ने तथास्तु कह दिया। ब्राह्मण का घर अन्न से भर गया। ब्राह्मणी अन्न का भंडार देखकर खुश हो गयी। ब्राह्मण ने कहा कि इसे हम एक साथ खर्च नहीं करेंगे। हमारा जीवन जैसे चल रहा था हम वैसे ही जिएंगे। अगले दिन से ब्राह्मण गरीबों को अन्न-धन बांटने लगा। ब्राह्मण की किस्मत में जितना अन्न धन का सुख था वह उसे मिलता रहा। लेकिन दान के प्रभाव से उसके पुण्य में वृद्धि होती गयी और ब्राह्मण का नाम एवं यश चारों ओर फैलने लगा। पुण्य की वृद्धि और उदारत से प्रसन्न होकर भगवान ने ब्राह्मण की गरीबी दूर कर दी।

नरक चतुर्दशी : यमराज के लिए दीपदान करने का पर्व

योगेश कुमार गोयल

कार्तिक कृष्ण पक्ष में पांच पर्वों का जो विराट महोत्सव मनाया जाता है, महापर्व की उस श्रृंखला में सबसे पहले पर्व धनतेरस के बाद दूसरा पर्व आता है 'नरक चतुर्दशी'। कार्तिक कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को मनाए जाने वाले पर्व 'नरक चतुर्दशी' नाम में 'नरक' शब्द से ही आभास होता है कि इस पर्व का संबंध भी किसी न किसी रूप में मृत्यु अथवा यमराज से है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन यमराज का पूजन करने तथा व्रत रखने से नरक की प्राप्ति नहीं होती। दीवाली से ठीक एक दिन पहले मनाए जाने वाले इस पर्व की तिथि को लेकर लोगों के मन में भ्रम की स्थिति है कि यह पर्व 19 अक्तूबर को मनाया जाएगा या 20 अक्तूबर को।

इस साल चतुर्दशी तिथि का आरंभ 19 अक्टूबर, रविवार को दोपहर 1 बजकर 51 मिनट पर हो रहा है और इसका समापन 20 अक्टूबर, सोमवार को दोपहर 3 बजकर 44 मिनट पर होगा। यूं तो उदया तिथि के अनुसार, छोटी दिवाली 20 तारीख को मनाई जानी चाहिए लेकिन यम चतुर्दशी की पूजा चूंकि प्रदोष काल यानी शाम के समय ही की जाती है, इसीलिए नरक चतुर्दशी यानी छोटी दीवाली 19 अक्तूबर को मनाई जाएगी। 20 अक्तूबर को सुबह 5 बजकर 13 मिनट से सुबह 6 बजकर 25 मिनट तक का शुभ समय अभ्यंग स्नान के लिए श्रेष्ठ है क्योंकि इस मुहूर्त में किया गया स्नान सौंदर्य को बढ़ता है और तेजमय शरीर की प्राप्ति होती है। छोटी दीवाली पर यम का दीपक जलाने का शुभ मुहूर्त 19 अक्टूबर की शाम को है। नरक चतुर्दशी के दिन यम का दीपक शाम 6 बजकर 58 मिनट से लेकर शाम 7 बजकर 28 मिनट तक के बीच में जला सकते हैं।

'नरक चतुर्दशी' पर्व को 'नरक चौदस', 'रूप चतुर्दशी', 'काल चतुर्दशी' तथा 'छोटी दीवाली' के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज और धर्मराज चित्रगुप्त का पूजन किया जाता है और यमराज से प्रार्थना की जाती है कि उनकी कृपा से हमें नरक के भय से मुक्ति मिले। इसी दिन रामभक्त हनुमान का भी जन्म हुआ था और इसी दिन वामन अवतार में भगवान विष्णु ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगते हुए तीनों लोकों सहित बलि के शरीर को भी अपने तीन पगों में नाप लिया था। हनुमान जयंती वैसे तो चैत्र मास की पूर्णिमा को मनाई जाती है, लेकिन उत्तर भारत के कई भागों में यह दीवाली से एक दिन पहले भी मनाई जाती है।

यम को मृत्यु का देवता और संयम के अधिष्ठाता देव माना गया है। नरक चतुर्दशी के दिन सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना शुभ माना गया है और सायंकाल के समय यम के लिए दीपदान किया जाता है। आशय यही है कि संयम-नियम से रहने वालों को मृत्यु से जरा भी भयभीत नहीं होना चाहिए। इस दिन सूर्योदय से पहले स्नान करने का आशय ही आलस्य का त्याग करने से है और इसका सीधा संदेश यही है कि संयम और नियम से रहने से उनका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा और उनकी अपनी साधना ही उनकी रक्षा करेगी।

नरक चतुर्दशी मनाए जाने के संबंध में एक मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्रीकृष्ण ने प्रागज्योतिषपुर के राजा 'नरकासुर' नामक अधर्मी राक्षस का वध किया था और ऐसा करके उन्होंने न केवल पृथ्वीवासियों को बल्कि देवताओं को भी उसके अत्याचारों से मुक्ति दिलाई थी। उसके आतंक से पृथ्वी के समस्त शूरवीर और सम्राट भी थर-थर कांपते थे। अपनी शक्ति के घमंड में चूर नरकासुर शक्ति का दुरूपयोग करते हुए स्त्रियों पर भी अत्याचार करता था। उसने 16000 मानव, देव एवं गंधर्व कन्याओं को बंदी बना रखा था। देवों और ऋषि-मुनियों के अनुरोध पर भगवान श्रीकृष्ण ने सत्यभामा के सहयोग से नरकासुर का संहार किया था और उसके बंदीगृह से 16000 कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। नरकासुर से मुक्ति पाने की खुशी में देवगण व पृथ्वीवासी बहुत आनंदित हुए और उन्होंने यह पर्व मनाया गया। माना जाता है कि तभी से इस पर्व को मनाए जाने की परम्परा शुरू हुई।

धनतेरस, नरक चतुर्दशी तथा दीवाली के दिन दीपक जलाए जाने के संबंध में एक मान्यता यह भी है कि इन दिनों में वामन भगवान ने अपने तीन पगों में सम्पूर्ण पृथ्वी, पाताल लोक, ब्रह्माण्ड व महादानवीर दैत्यराज बलि के शरीर को नाप लिया था और इन तीन पगों की महत्ता के कारण ही लोग यम यातना से मुक्ति पाने के उद्देश्य से तीन दिनों तक दीपक जलाते हैं तथा सुख, समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति हेतु मां लक्ष्मी का पूजन करते हैं। यह भी कहा जाता है कि बलि की दानवीरता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने बाद में पाताल लोक का शासन बलि को ही सौंपते हुए उसे आशीर्वाद दिया था कि उसकी याद में पृथ्वीवासी लगातार तीन दिन तक हर वर्ष उनके लिए दीपदान करेंगे। नरक चतुर्दशी का संबंध स्वच्छता से भी है। इस दिन लोग अपने घरों का कूड़ा-कचरा बाहर निकालते हैं। इसके अलावा यह भी मान्यता है कि इस दिन प्रातःकाल सूर्योदय से पूर्व तेल एवं उबटन लगाकर स्नान करने से पुण्य मिलता है।

(लेखक 35 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

नक्सलवाद के खिलाफ बड़ी जीत की ओर अग्रसर भारत- लेकिन अब जिम्मेदारी और बढ़ गई है

संतोष कुमार पाठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारत की जनता से यह वादा किया है कि देश 31 मार्च 2026 तक पूरी तरह से नक्सलियों से मुक्त हो जाएगा। हमारे सुरक्षा बलों के अथक प्रयासों के बाद भारत तेजी से उस लक्ष्य को हासिल करने की तरफ बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक निजी टीवी चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह दावा किया कि सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों में किसी पर 1 करोड़ का इनाम था,किसी पर 15 लाख का इनाम था तो किसी पर 5 लाख का इनाम था। इन नक्सलियों से बहुत बड़ी मात्रा में हथियार भी पकड़े गए हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी कार्यक्रम में बोलते हुए आगे यह भी दावा किया कि 11 वर्ष पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले, माओवादी आतंक से प्रभावित थे लेकिन आज देश में ऐसे जिलों की संख्या घटकर सिर्फ 11 रह गई है। यानी मोदी सरकार का यह दावा है कि वर्तमान में देश में सिर्फ 11 जिलों में नक्सलियों का प्रभाव बचा हुआ है और आने वाले कुछ महीनों में (मार्च 2026) तक यह भी पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी सरकार को लगातार मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह दावा किया कि, छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर, जो कभी आतंकवादियों के गढ़ थे, आज नक्सली आतंक से मुक्त घोषित किए गए हैं। अब दक्षिणी बस्तर में नक्सलवाद का नामोनिशान बचा है, जिसे हमारे सुरक्षा बल जल्द ही मिटा देंगे।

शाह ने नक्सलवाद के खिलाफ जारी लड़ाई में मिल रही कामयाबी का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि, जनवरी 2024 में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद से अब तक 2100 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, 1785 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 477 नक्सली मारे गए हैं और ये आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सरकारी आंकड़ों की माने तो, वर्ष 2025 में अभी तक सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 312 नक्सली मारे जा चुके हैं जबकि 836 नक्सलियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सिर्फ 75 घंटे के दौरान 303 नक्सलियों ने डर कर आत्मसमर्पण कर दिया। इसमें से 258 आत्मसमर्पण तो सिर्फ दो दिनों के दौरान ही हो गया। दरअसल, सुरक्षाबलों द्वारा माओवादी नेता नरसिम्हा उर्फ नम्बाला केशव राव सहित उनके पोलित ब्यूरो में शामिल कई बड़े नेताओं को मौत के घाट उतारने के बाद से ही नक्सल आंदोलन की पूरी कमर ही टूट गई है। एक तरफ जहां नक्सली संगठन नेतृत्वविहीन होते चले गए हैं वहीं दूसरी तरफ सुरक्षाबलों ने लगातार अभियान चला कर उन्हें पूरी तरह से घेर दिया था। सरकार की सख्त नीतियों के कारण भी नक्सलियों पर चौतरफा दबाव बढ़ता ही जा रहा था और यही वजह है कि जान बचाने के लिए नक्सली लगातार हथियार डाल कर सरेंडर कर रहे हैं।

यह बात सही है कि नक्सली आंदोलन के कारण देश के 100 से ज्यादा जिलों में विकास के कार्य प्रभावित हुए हैं। नक्सलियों के कारण इस देश की बड़ी आबादी खासकर आदिवासियों को पिछले कई दशकों से भयावह पीड़ा का सामना करना पड़ा है। ऐसे में नक्सलवाद का खात्मा निश्चित तौर पर उनके लिए राहत भरी खबर है। लेकिन सही मायनों में कहा जाए तो नक्सलवाद के खात्मे के साथ ही इस देश में लोकतंत्र की एक बड़ी लड़ाई की शुरूआत भी हो जाती है। सरेंडर करने वाले नक्सलियों में से कई निश्चित तौर पर आगे जाकर चुनावी राजनीति का हिस्सा बनेंगे। लेकिन सत्ता में बैठे लोगों को अब इस बात का ध्यान रखना होगा कि , छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और झारखंड सहित उन तमाम राज्यों में जहां-

जहां नक्सलियों ने अब तक कहर ढाया है, वहां-वहां सही मायनों में विकास पहुंचे। इन राज्यों में रहने वाले आदिवासियों के जल, जंगल और जमीन पर उनके बुनियादी हकों से कोई छेड़छाड़ ना की जाए। विकास के किसी भी मॉडल के तहत इनके इलाकों के लिए योजना बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाए कि इनसे कुछ भी जबरदस्ती ना छीना जाए। सरकार और प्रशासन में बैठे हर व्यक्ति को हर कीमत पर यह सुनिश्चित करना होगा कि इनके इलाके में तेजी से विकास के कार्य तो हो लेकिन इसके साथ ही जल-जीवन और जंगल पर इनके बुनियादी अधिकारों की रक्षा को भी सुनिश्चित किया जाए। देश के 100 से ज्यादा जिलों में स्थायी शांति बनाए रखने के लिए यह बहुत ही जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

उरुग्वे : इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित?, क्या है बदलाव, 31 में से 20 सीनेटर ने किया पक्ष में मतदान

उरुग्वे , एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है जिससे यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ अन्य देशों में शामिल हो गया है जहां गंभीर रूप से बीमार मरीज अपना जीवन समाप्त करने के लिए कानूनी रूप से सहायता प्राप्त कर सकते हैं। बुधवार को उठाए गए इस कदम से उरुग्वे कैथोलिक बहुल लैटिन अमेरिका में कानून के तहत इच्छामृत्यु की अनुमति देने वाला पहला देश बन गया है। उरुग्वे में सत्तारूढ़ वामपंथी गठबंधन की सीनेटर पेट्रीसिया क्रेमर ने देश की राजधानी मोंटेवीडियो में सांसदों से कहा, ''जनमत हमें इस पर विचार करने के लिए कह रहा है।'' पिछले पांच साल से रुक-रुक कर आगे बढ़ते रहे इस कानून ने बुधवार को उस समय आखिरी बाधा पार कर ली जब संसद के उच्च सदन में 31 में से 20 सीनेटर ने इसके पक्ष में मतदान किया। निचले सदन ने अगस्त में इस विधेयक को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी थी। चर्चा के दौरान सत्तारूढ़ 'ब्रॉड फ्रंट' गठबंधन के सांसदों ने इच्छामृत्यु के अधिकार का जोरदार बचाव किया। इसके लिए चलाए गए अभियान की तुलना तलाक एवं समलैंगिक विवाह की वैधता से की। अमेरिकी राज्यों, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन करने का अधिकार केवल उन लोगों को दिया जाता है जिनके जीने की संभावना छह महीने या एक साल से अधिक नहीं है, लेकिन उरुग्वे में ऐसा नहीं है। ''असहनीय पीड़ा'' झेल रहे किसी भी लाइलाज बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को इसके लिए आवेदन करने का अधिकार होगा। उरुग्वे में इच्छामृत्यु चाहने वालों के लिए मानसिक रूप से सक्षम होना आवश्यक है। बेल्जियम, कोलंबिया और नीदरलैंड के विपरीत उरुग्वे में नाबालिगों के लिए इच्छामृत्यु की अनुमति नहीं है।

फ्रांस : अविश्वास प्रस्ताव से बचे पीएम सेबेस्टियन लेकोर्नू

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के प्रधानमंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू बृहस्पतिवार को अविश्वास प्रस्ताव से बच गए। यह उनकी कमजोर नई सरकार को गिराकर फ्रांस को राजनीतिक अराजकता में और भी ज्यादा डुबो सकता था। इसी के साथ नेशनल असेंबली में लेकोर्नू की बड़ी चुनौती दूर हो गई।

भूकंप से दहला इंडोनेशिया का पापुआ, 6.7 तीव्रता दर्ज

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के पापुआ प्रांत में बृहस्पतिवार को 6.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। इसका केंद्र सतह से 70 किलोमीटर की गहराई में था। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अबेपुरा शहर से लगभग 200 किलोमीटर दूर था, जिसकी आबादी 62,000 से ज्यादा है। प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने बताया कि भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई।

बांग्लादेश के विशेष दूत ने अमेरिका के भारत राजदूत सर्जियो गोर से की महत्वपूर्ण बैठक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश के अंतरिम नेता मुहम्मद यूनुस के विशेष दूत लुत्फे सिद्दीकी ने बुधवार को व्हाइट हाउस के वेस्ट विंग में अमेरिका के दक्षिण और मध्य एशिया के विशेष दूत और भारत के लिए राजदूत-नामांकित सर्जियो गोर से उच्चस्तरीय बैठक की। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के प्रेस विंग ने गुरुवार को बयान में कहा कि सिद्दीकी ने बैठक में उत्कृष्ट स्वागत और सार्थक चर्चा के लिए आभार व्यक्त किया। बैठक में दोनों पक्षों ने वाणिज्य और निवेश सहयोग, आर्थिक और प्रशासनिक सुधार, और श्रम बाजार विकास सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर विचार-विमर्श किया। साल 1953 में एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नोर्गे के साथ एवरेस्ट अभियान में शामिल अंतिम सदस्य कांचा शेरपा का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

उरुग्वे में पारित हुआ इच्छामृत्यु को मंजूरी देने वाला कानून

मोंटेवीडियो, एजेंसी। उरुग्वे की सीनेट ने इच्छामृत्यु को अपराधमुक्त करने वाला कानून पारित कर दिया है। इस कानून के लागू होने से यह दक्षिण अमेरिकी देश उन कुछ देशों में शामिल हो गया, जहां गंभीर रोगी अपना जीवन खत्म करने को कानूनी मदद ले सकते हैं। इस कदम से उरुग्वे इच्छामृत्यु की मंजूरी देने वाला पहला देश बन गया है। बिल पास होने के बाद उरुग्वे में जश्न का माहौल रहा। ह्यूस्टन के मेयर बोले-दिवाली उत्सव में आकर गर्व हुआ ह्यूस्टन, एजेंसी। अमेरिका में सर्वाधिक भारतवंशी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक ह्यूस्टन में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने दिवाली के मौके पर शहर से साझेदारी में एक कार्यक्रम किया। इसमें समुदाय के नेता, राजनयिक व भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्य एकत्रित हुए।

फ्रांस में सियासी संकट: बाल-बाल बची मैक्रों की सरकार, सदन में प्रधानमंत्री लेकोर्नू के खिलाफ दो अविश्वास प्रस्ताव गिरे

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस का ताजा सियासी संकट फिलहाल टल गया है, क्योंकि प्रधानमंत्री सेबस्टियन लेकोर्नू गुरुवार को लगातार अविश्वास प्रस्तावों से बच गए। इससे सरकार गिरने का खतरा टल गया और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को कुछ समय के लिए राहत मिल गई। हालांकि, अब भी देश का बजट पारित कराना असली चुनौती है।

हालात में थोड़ी स्थिरता जरूर आई है। लेकिन संकट पूरी तरह टला नहीं है। यूरोप की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अब भी एक अल्पमत वाली सरकार चला रही है। संसद में कोई एक पार्टी या गठबंधन बहुमत में नहीं है। अब हर बड़ा कानून आखिरी समय पर होने वाली सौदेबाजी पर निर्भर हो गया है और अगली बड़ी परीक्षा सालाना बजट पारित कराना है, जिसे साल खत्म होने से पहले पास करना जरूरी है।

संसद में ड्रामा : गुरुवार को 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सांसदों ने वामपंथी पार्टी फ्रांस अनबोउड की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को खारिज कर दिया। प्रस्ताव के पक्ष में 271 वोट पड़े, जो सरकार गिराने के लिए जरूरी 289 वोटों से 18 कम थे। दूसरा अविश्वास प्रस्ताव दक्षिणपंथी पार्टी नेशनल रैली की ओर से लाया गया, जो विफल हो गया। अगर लेकोर्नू यह वोट हार जाते, तो राष्ट्रपति मैक्रों के सामने नए संसदीय चुनाव कराने, एक और नया प्रधानमंत्री खोजने (जो एक साल में फ्रांस का पांचवां प्रधानमंत्री होता) या खुद इस्तीफा देने जैसे कुछ ही

कठिन और अप्रिय विकल्प बचते, जिससे वह पहले ही इनकार कर चुके हैं।

फ्रांस इस स्थिति तक कैसे पहुंचा : जून 2024 में राष्ट्रपति मैक्रों द्वारा नेशनल असेंबली को भंग करने का फैसला उनके लिए उल्टा साबित हुआ। इसके बाद जो संसदीय चुनाव हुए, उसमें निचले सदन में मैक्रों के विरोधी नेता तो बड़ी संख्या में चुनकर आ गए, लेकिन किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तबसे मैक्रों की अल्पमत सरकार एक-एक विधेयक के लिए समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है और लगातार गिर जा रही है। यह स्थिति फ्रांस की पांचवीं गणराज्य की राजनीतिक व्यवस्था से मेल नहीं खाती है, जिसकी नींव 1958 में शार्ल द गॉल के नेतृत्व में रखी गई थी। यह व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति और स्थिर संसद के बहुमत के लिए बनाई गई थी, न कि गठबंधन की सौदेबाजी या बिखरी हुई संसद के लिए। अब जब कोई भी एक दल या गठबंधन 289 सीटों के पूर्ण बहुमत के करीब भी नहीं है, तो यह पूरी राजनीतिक व्यवस्था अपनी मूल संरचना के खिलाफ जाकर काम कर रही है। हर बड़ा वोट एक तनावपूर्ण मुकाबला बना रहा है और फ्रांस की शासन व्यवस्था को लेकर बुनियादी सवाल उठ रहे हैं। फ्रांसीसी मतदाताओं और पर्यवेक्षकों के लिए यह स्थिति चौंकाने वाली है। जो देश कभी यूरोप की स्थिरता का मॉडल माना जाता था, वह अब एक संकट से दूसरे संकट में फंसते चला जा रहा है।

पेंशन कानून बना अहम मुद्दा : विपक्षी दलों के कुछ सांसदों का समर्थन पाने के लिए प्रधानमंत्री लेकोर्नू ने राष्ट्रपति मैक्रों के 2023 के प्रमुख पेंशन कानून को धीरे-धीरे लागू करने का प्रस्ताव रखा। इस कानून के तहत सेवानिवृत्ति की उम्र 62 से बढ़ाकर 64 की जानी है। इस देरी से कानून के पूरी तरह लागू होने की समयसीमा लगभग दो साल आगे खिसक सकती है। इससे उन लोगों पर तुरंत असर नहीं पड़ेगा, जो अभी सेवानिवृत्ति के करीब हैं। सरकार का कहना है कि इस देरी से अगले साल करीब 400 मिलियन यूरो (430 मिलियन डॉलर) का अतिरिक्त खर्च आएगा और 2027 तक यह लागत बढ़कर 1.8 बिलियन यूरो (1.9 बिलियन डॉलर) हो सकती है। हालांकि, उन्होंने कहा है कि इन खर्चों की भरपाई के लिए अलग से प्रबंध किया जाएगा। फ्रांस में कई लोगों के लिए पेंशन का मुद्दा बहुत संवेदनशील है। 2023 के इस पेंशन कानून ने बड़े विरोध प्रदर्शनों और हड़तालों को जन्म दिया, जिससे पेरिस की सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए। इसके बाद सरकार ने अनुच्छेद 49.3 का सहारा लिया, जो प्रधानमंत्री को बिना संसद के वोट के कानून पारित कराने का विशेष सांविधानिक अधिकार देता है। लेकिन इस कदम के खिलाफ विरोध और तेज हो गया। अगली बजट की चुनौती गुरुवार को अविश्वास प्रस्तावों के विफल होने के साथ ही मैक्रों की सरकार को थोड़ा वक्त मिल गया है। अब लड़ाई 2026 के बजट पर केंद्रित हो गई है, जिस पर चर्चा 24 अक्तूबर से शुरू होगी। लेकोर्नू ने वादा किया है कि वह बजट पारित कराने के लिए अनुच्छेद 49.3 का उपयोग नहीं करेंगे। यानी बिना वोट के कोई शॉर्टकट नहीं होगा। हर एक प्रावधान को संसद में समर्थन हासिल करना होगा, जबकि संसद अब विभाजित और कमजोर स्थिति में है। सरकार और उसके सहयोगी के पास 200 से भी कम सीटें हैं। बहुमत के लिए उन्हें विपक्ष का समर्थन चाहिए। इस गणित में सोशलिस्ट पार्टी (जिसके पास 69 सांसद हैं) और कंजरवेटिव रिपब्लिकन्स (जिनके पास 50 सांसद हैं) दोनों संभावित निर्णायक समूह बन जाते हैं।

पापुआ क्षेत्र में इंडोनेशियाई सेना और अलगाववादी समूह के बीच संघर्ष, एक गांव में 14 लोगों की मौत

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया की सेना ने गुरुवार को कहा कि उसने पापुआ क्षेत्र के इंटान जाया जिले के सोआंगगामा गांव को फिर से अपने कब्जे में ले लिया। सेना का दावा है कि इस संघर्ष में 14 अलगाववादी मारे गए। हालांकि, अलगाववादियों ने यह दावा खारिज किया है और कहा कि मारे गए में केवल तीन ही लड़ाके थे, जबकि नौ आम नागरिकों की हत्या की गई। सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल इवान द्वि प्रिहरतोनो ने बताया कि बुधवार सुबह दर्जनों अलगाववादी, जो हथियार और धनुष-बाण लेकर आए थे, ने सैनिकों पर हमला किया। सैनिक उस समय एक अलगाववादी पोस्ट पर कार्रवाई करने की तैयारी कर रहे थे। छह घंटे से अधिक समय तक चला संघर्ष प्रिहरतोनो के अनुसार, सैनिकों ने छह घंटे और 30 मिनट तक चली लड़ाई के बाद अलगाववादियों को खदेड़ दिया और गांव पर नियंत्रण कर लिया। उन्होंने बताया कि सैनिकों को किसी भी तरह के नुकसान का सामना नहीं करना पड़ा। सेना ने इस दौरान एक घरेलू राइफल, चार एयर राइफल, गोलियां, दूरबीन, संचार उपकरण और अलगाववादी संगठन का मॉर्निंग स्टार झंडा बरामद किया। उन्होंने कहा, बाकी अलगाववादी जंगल की ओर भाग गए और हमने उनका बेस कब्जे में ले लिया। अलगाववादियों ने सेना का दावा किया खारिज पश्चिम पापुआ लिबरेशन आर्मी (फ्री पापुआ ऑर्गेनाइजेशन का सैन्य हिस्सा) के प्रवक्ता सेबी सांबॉम ने सेना के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि गांव में कोई अलगाववादी बेस नहीं था और मारे गए 14 लोगों में से नौ आम नागरिक थे। उनका कहना था कि केवल तीन ही अलगाववादी थे। सांबॉम ने बताया कि सेना ने एक घर को घेर लिया और उसे अलगाववादी पोस्ट समझकर आठ लोगों की हत्या कर दी। उन्होंने कहा, हमारे पास युद्ध के नियम हैं, हम कभी भी किसी आवासीय इलाके में बेस नहीं बनाएंगे। पापुआ में हिंसा का इतिहास पापुआ में अलगाववादी आंदोलन 1960 के दशक से चल रहा है।

नेपाल सरकार ने भारत के साथ पारस्परिक कानूनी सहायता संधि को दी मंजूरी; सोनल मधेश के नए सीएम

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार ने गुरुवार को भारत के साथ आपसी कानूनी सहायता संधि को मंजूरी दे दी। इस संधि का उद्देश्य दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में सहयोग को मजबूत बनाना है। यह फैसला प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिया गया। सूचना एवं प्रसारण मंत्री जगदीश खरेल ने बताया कि इस संधि के जरिए नेपाल न केवल भारत के साथ बल्कि अन्य देशों के साथ भी कानूनी मामलों में सहयोग बढ़ा सकेगा। प्रस्तावों को राजनयिक चैनलों के जरिए आगे भेजा जाएगा। कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, यह संधि ड्रग्स तस्करी, मानव तस्करी, नकली मुद्रा और अन्य सीमा पार अपराधों पर रोक लगाने में मदद करेगी। इसके अलावा अपराधियों के लिए भारत या नेपाल को सेफ जोन की तरह इस्तेमाल करना भी मुश्किल हो जाएगा। 11 नेपाली राजदूतों को वापस बुलाया गया नेपाल सरकार ने इस बैठक में एक और अहम निर्णय लिया; 11 देशों में तैनात अपने राजदूतों को वापस बुलाने का। इन देशों में चीन, जर्मनी, इस्राइल, मलेशिया, कतर, रूस, सऊदी अरब, स्पेन, ब्रिटेन, अमेरिका और जापान शामिल हैं। राजदूतों को 6 नवंबर तक नेपाल लौटने के निर्देश दिए गए हैं। इस कदम को नेपाल की विदेश नीति में बड़े फेरबदल के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। नेपाल के मधेश प्रांत में जितेंद्र प्रसाद सोनल ने गुरुवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वे लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के नेता हैं। सोनल को 107 में से 56 प्रांतीय विधानसभा सदस्यों का समर्थन मिला। जनकपुरधाम में आयोजित समारोह में प्रांत की प्रमुख सुमित्रा सुभेदी भंडारी ने उन्हें शपथ दिलाई। सोनल की सरकार को जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, जनमत पार्टी, सीपीएन (माओवादी सेंटर) और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) का समर्थन हासिल हुआ है। संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत सरकार का गठन किया गया। दो अन्य नेताओं, जनमत पार्टी के महेश प्रसाद यादव और सीपीएन (यूनिफाइड सोशलिस्ट) के कनीश पटेल, ने भी मंत्री पद की शपथ ली। फिलहाल उन्हें कोई विभाग नहीं दिया गया है।

राष्ट्रपति के खिलाफ भड़का जेन-जेड आंदोलन, एक की मौत और 100 घायल; इस्तीफे से जेरी ने किया इनकार

लीमा, एजेंसी। पेरू के नए राष्ट्रपति जोस जेरी ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है, जबकि देश में उनके खिलाफ चल रहे हिंसक विरोध प्रदर्शनों में एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और करीब 100 लोग घायल हो गए हैं। यह प्रदर्शन मुख्य रूप से जेन-जेड युवाओं के नेतृत्व में हुआ, जिन्होंने राष्ट्रपति से पद छोड़ने की मांग की थी।

अधिकारियों के अनुसार, घायलों में 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। जांच एजेंसियां उस गोलीबारी की जांच कर रही हैं, जिसमें एक प्रदर्शनकारी की मौत हुई। राष्ट्रपति जेरी ने संसद का दौरा करने के बाद स्थानीय मीडिया से कहा मेरा दायित्व देश की स्थिरता बनाए रखना है। यही मेरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।

कैसे शुरू हुआ आंदोलन : लगभग एक महीने पहले शुरू हुआ यह विरोध बेहतर पेंशन और युवाओं के लिए नौकरी के अवसरों की मांग से शुरू हुआ था। धीरे-धीरे यह भ्रष्टाचार, अपराध और सरकार की विफलताओं के खिलाफ एक बड़े जनांदोलन में बदल गया। जेरी, जो पिछले 10 वर्षों में पेरू के सातवें राष्ट्रपति हैं, ने 10 अक्टूबर को शपथ ली थी। उनके पद संभालने के तुरंत बाद प्रदर्शन और तेज़ हो गए और युवाओं ने उनके साथ-साथ सांसदों से भी इस्तीफे की मांग शुरू कर दी।

प्रदर्शन में हिंसा और मौत : प्रदर्शन के दौरान 32 वर्षीय हिप-हॉप गायक एडुआर्डो रुइज की गोली लगने से मौत हो गई। अभियोजकों ने बताया कि उन्हें सिर में गोली मारी गई थी। सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में रुइज को लीमा की सड़कों पर गिरते हुए देखा गया। गवाहों का कहना है कि गोली चलाने वाला व्यक्ति प्रदर्शनकारियों से बचने की कोशिश कर रहा था, क्योंकि उसे सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी होने का संदेह था।

राष्ट्रीय लोकपाल कार्यालय के अनुसार, हिंसक झड़पों में 24 प्रदर्शनकारी और 80 पुलिसकर्मी घायल हुए। पत्रकारों पर भी हमला हुआ, जिनमें से छह को पैलेट्स से चोट लगी और चार अन्य पर पुलिस ने हमला किया।

विवादों में घिरे राष्ट्रपति जेरी : जोस जेरी ने हाल ही में अपदस्थ राष्ट्रपति डिना बोलुआर्ते की जगह ली थी, जो विरोध प्रदर्शनों को कुचलने और अपराध पर नियंत्रण में विफल रहने के कारण बेहद अलोकप्रिय थीं। 38 वर्षीय जेरी पहले संसद के अध्यक्ष थे। उनके प्रधानमंत्री एर्नेस्टो अल्वारेज एक अति-दक्षिणपंथी पूर्व न्यायाधीश हैं, जिन्होंने पहले जेन-जेड आंदोलन को अराजकता फैलाने वाला गिरोह बताया था। जेरी पर पहले भी विवाद रहे हैं, उन पर एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाया था, हालांकि मामला अगस्त में खारिज कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने इस मुद्दे को भी उठाया और सड़कों पर ÷द रेपिस्ट इज जेरी÷ जैसे नारे लगाए। जनता का गुस्सा क्यों फूटा विशेषज्ञों का कहना है कि पेरू में लोगों का आक्रोश लंबे समय से बढ़ रहा है। लगातार बदलती सरकारें, भ्रष्टाचार के मामले और अपराध ने जनता के धैर्य को खत्म कर दिया है। समाजशास्त्री ओमार कोरोनेल का कहना है कि युवाओं में असुरक्षा और भ्रष्टाचार के खिलाफ गुस्सा पिछले दशकों की विफलताओं का नतीजा है। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां उठाकर कहा प्रदर्शन करना अधिकार है, मारना अपराध। एक महिला ने पोस्टर पर लिखा हत्यारी से बलात्कारी तक, बस चेहरा बदला है।

पेरिस की तरह वॉशिंगटन में विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं ट्रंप, अमीर कारोबारियों के डिनर में सामने रखी मंशा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राजधानी वॉशिंगटन में अपनी एक खास पहचान छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए वह लिंकन स्मारक के पास एक पेरिस की तरह एक विशाल दरवाजा बनवाना चाहते हैं। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक रात्रिभोज के दौरान बुधवार को इस योजना का खुलासा किया। यह रात्रिभोज उन अमीर व्यापारियों के लिए था, जिन्होंने व्हाइट हाउस में 250 मिलियन डॉलर की लागत से एक भव्य हॉल (बॉलरूम) बनवाने के लिए पैसा दान किया है। हालांकि,ट्रंप ने दरवाजा बनाने की लागत का कोई जिक्र नहीं किया। ट्रंप ने कहा, यह वाकई बहुत खूबसूरत होने वाला है। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि यह शानदार होगा। कई राष्ट्रपति और उनके परिवार अपने कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस में कोई खास बदलाव करके अपनी पहचान छोड़ने की कोशिश करते रहे हैं। ट्रंप भी ऐसा ही कर रहे हैं। उन्होंने पहले ही कुछ डिजाइन और निर्माण से जुड़े कार्यों में बदलाव किए हैं। इनमें सबसे बड़ा बदलाव रोज गार्डन को पक्के पत्थर से ढका हुआ आंगन बनाना है।

लेकिन यह दरवाजा केवल व्हाइट हाउस तक सीमित नहीं है। यह ट्रंप को वॉशिंगटन में एक और स्थायी स्मारक बनवाने का मौका देगा, जो स्मारकों के लिए मशहूर शहर है। यह योजना ट्रंप के उस पुराने विचार से जुड़ी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह शहर की पुरानी चीजों जैसे घास, टूटे-फूटे साइन बोर्ड और सड़कों के बीच की जगहों को नया बनाना चाहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप को फ्रांस से मिलती है।

ट्रंप ने जो विशाल दरवाजा बनाने का प्रस्ताव रखा है, वह पेरिसके मशहूर आर्क डी ट्रायंफ से काफी हद तक मिलता-जुलता होगा। आर्क डी ट्रायंफ पेरिस की प्रसिद्ध सड़क चैंप्स-एलीसीज के अंत में स्थित है। यह स्मारक उन सैनिकों की याद में बनाया गया था, जिन्होंने फ्रांस की क्रांति और नेपोलियन के युद्ध में लड़ाई लड़ी थी।

इस साल की शुरुआत में वॉशिंगटन में अमेरिकी सेना के 250वें स्थापना दिवस के मौके पर एक सैन्य परेड का आयोजन किया गया था। ट्रंप को इस परेड की प्रेरणा तब मिली थी, जब करीब आठ साल पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर पेरिस में ऐसी ही एक भव्य परेड देखी थी।

व्हाइट हाउस को जब इस दरवाजे के बारे में जानकारी के लिए ईमेल भेजा गया, जिसमें पूछा गया था कि यह कब तक बनकर तैयार हो सकता है, तो व्हाइट हाउस ने इस पर तत्काल कोई जवाब नहीं दिया। बाद में ट्रंपने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि इस परियोजना पर हैरिसन डिजाइन नाम की एक स्थानीय कंपनी काम कर रही है। हालांकि, इस कंपनी ने भी गुरुवार को भेजे ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया।

पूर्व अमेरिकी एनएसए बोल्टन पर 18 मामलों में आरोप तय:आजीवन जेल हो सकती है; ट्रम्प के खिलाफ जाकर भारत का समर्थन किया था

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) रहे जॉन बोल्टन पर गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल और लीक करने के आरोप में केस दर्ज हुआ है। बोल्टन पर राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी शेयर करने के 8 और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप लगाए गए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जॉन बोल्टन ने ट्रम्प प्रशासन में काम करते वक्त अपनी गतिविधियों के नोट्स और डायरी एंट्रीज एओएल ईमेल अकाउंट में सेव की थीं। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी संवेदनशील बातें शामिल थीं, जिन्हें उन्होंने खुद को और परिवार को मेल किया था। 76 साल के बोल्टन अगर दोषी पाए गए तो उन्हें आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है। 2021 में बोल्टन का ईमेल अकाउंट ईरानी हैकर्स ने हैक कर लिया था। हैकर्स ने धमकी दी थी कि अगर बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई तो वे यह जानकारी लीक कर देंगे, जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक हुए थे। बोल्टन ने ट्रम्प के खिलाफ भारत का समर्थ किया था बोल्टन ने अगस्त में सीएनएन को दिए एक इंटरव्यू में भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के फैसले को भारी भूल बताया था। उन्होंने ने आशंका जाहिर की है कि रूस को कमजोर करने के लिए भारत पर लगाया गया एक्स्ट्रा टैरिफ कहीं उल्टा न पड़ जाए। उन्होंने कहा था कि अमेरिका, भारत को रूस और चीन से दूर रखने के लिए कई साल

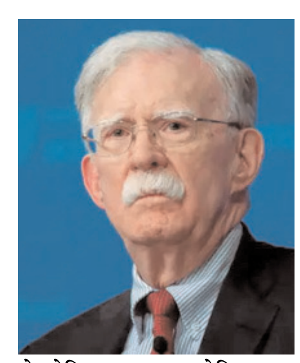

से कोशिश कर रहा था लेकिन अब वह कोशिश कमजोर पड़ चुकी है। इसके अलावा बोल्टन ने पिछले महीने कहा था कि ट्रम्प और पीएम मोदी के बीच पहले की खास दोस्ती अब खत्म हो चुकी है। ब्रिटिश मीडिया एलबीसी को दिए इंटरव्यू में बोल्टन ने ट्रम्प की नीति की आलोचना करते हुए कहा, व्हाइट हाउस ने अमेरिका-भारत संबंधों को दशकों पीछे धकेल दिया है, जिससे मोदी रूस और चीन के करीब आ गए हैं। चीन ने खुद को अमेरिका और ट्रम्प के विकल्प के रूप में पेश किया है।

ट्रम्प ने बोल्टन को बुरा आदमी बताया : अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने बोल्टन पर आरोप तय होने के बाद प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वो बुरा आदमी, जैसा करोगे वैसा भरोगे। बोल्टन ट्रम्प प्रशासन में 2018 से 2019 तक राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे। दोनों के बीच कई मतभेद रहे। बोल्टन ने इस्तीफा देने के बाद ट्रम्प पर तीखे आरोप लगाए और किताब लिखी, जिसे ट्रम्प ने चुनाव से पहले रोकने की कोशिश की थी। पहली जांच 2021 में बंद हुई थी, लेकिन अब मामला फिर से खोला गया है। केस अब फेडरल कोर्ट में चलेगा।

आईवीएफ को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए ट्रंप की नई पहल; बीमा कवरेज और दवा मूल्य में भारी कटौती का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए दो बड़े कदमों की घोषणा की। ये कदम उनके चुनावी वादों में से एक थे, जिन्हें उन्होंने अब अमल में लाने की शुरुआत कर दी है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस से घोषणा करते हुए बताया कि उनकी प्रशासन जल्द ही ऐसा दिशा-निर्देश जारी करेगी जिससे कंपनियां अपने कर्मचारियों के हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में आईवीएफ कवरेज शामिल कर सकेंगी। इसके साथ ही उन्होंने एक फार्मा कंपनी के साथ समझौते की भी घोषणा की है, जिसके तहत फर्टिलिटी दवाएं अब 84% तक सस्ते दामों पर उपलब्ध होंगी।

फर्टिलिटी दवाओं पर 84% तक छूट: ट्रंप ने बताया कि ईएमडी सेरोनो, जो दुनिया की सबसे बड़ी फर्टिलिटी ड्रग निर्माता कंपनी है, अब अमेरिका में अपनी सभी फर्टिलिटी दवाएं भारी डिस्काउंट पर बेचेगी। कंपनी की उपाध्यक्ष लिब्बी हॉर्न ने पुष्टि की कि वे गोनल-एफ समेत कई दवाओं पर 84% तक की छूट दे रही हैं। इसके अलावा कंपनी की दूसरी आईवीएफ दवा पेर्गोवेरिस को भी एफडीए के राष्ट्रीय प्राथमिकता कार्यक्रम के तहत मंजूरी के लिए भेजा गया है। यह दवा पहले से ही कनाडा, यूरोप और एशिया के कई देशों में उपलब्ध है।

ट्रंप बोले- मैं हूं फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट: ट्रंप ने खुद को फर्टिलाइजेशन प्रेसिडेंट कहा और बताया कि यह पहल उन लाखों दंपतियों के लिए है जो संतान प्राप्ति के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास में अब तक किसी भी राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया सबसे बड़ा आईवीएफ समर्थन कदम है। अलबामा की सीनेटर केटी ब्रिट ने भी इस योजना की सराहना की और कहा कि यह कदम उन सभी परिवारों को उम्मीद देगा जो आईवीएफ इलाज को लेकर आर्थिक रूप से जूझ रहे हैं।

बीमा में शामिल होगा आईवीएफ इलाज

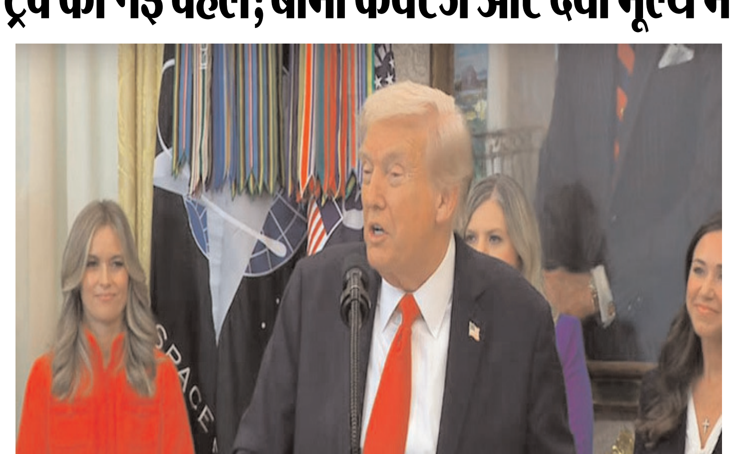

ट्रंप प्रशासन द्वारा जारी होने वाले नए दिशा-निर्देश के तहत श्रम मंत्रालय, ट्रेजरी और स्वास्थ्य विभाग मिलकर ऐसा मॉडल तैयार कर रहे हैं, जिससे आईवीएफ कवरेज को डेंटल या विजन इंश्योरेंस की तरह आसानी से जोड़ा जा सके। हालांकि, यह कवरेज पूरी तरह वैकल्पिक होगा यानी कंपनियों पर इसे लागू करने का कोई दबाव नहीं होगा। प्रीमियम की राशि हर कंपनी की बीमा योजना के ढांचे पर निर्भर करेगी।

आईवीएफ की ऊंची लागत पर चिंता : ट्रंप ने कहा कि आईवीएफ इलाज की लागत फिलहाल 15,000 से 20,000 डॉलर (करीब 12 से 16 लाख रुपये) प्रति चक्र है, जो आम परिवारों के लिए काफी महंगा है। इसलिए सरकार का लक्ष्य है कि बीमा कवरेज और दवाओं की कीमत घटाकर इसे अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके। यह पहल ट्रंप द्वारा फरवरी में जारी किए गए एक एक्जीक्यूटिव ऑर्डर का ही हिस्सा है, जिसमें आईवीएफ लागत कम करने के उपाय खोजने के निर्देश दिए गए थे।

अलबामा के विवाद के बाद बढ़ी जागरूकता : पिछले साल अलबामा सुप्रीम कोर्ट ने एक विवादास्पद फैसले में कहा था कि जमे हुए भ्रूण को बच्चा माना जा सकता है। इस फैसले से आईवीएफ क्लीनिकों में कानूनी अनिश्चितता पैदा हो गई थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने आईवीएफ प्रदाताओं के लिए सुरक्षा कानून पारित किया।

जानकारी

स्ट्रेच मार्क्स से पाना है छुटकारा तो यूं करें कॉफी का इस्तेमाल

शरीर में पड़े स्ट्रेच मार्क्स के निशान देखने में गंदे लगते हैं। अक्सर ऐसे निशान गर्भावस्था के दौरान, वजन घटाने से या वजन बढ़ने के कारण पड़ते हैं। इन निशानों की वजह से कई बार हम अपने मन पसंदीदा कपड़े भी नहीं पहन पाते। इन निशानों को मिटाने के लिए महंगी-महंगी क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं। कई बार इन कैमिक्ल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल करने से कई बार साइड-इफैक्ट हो जाते हैं। ऐसे में कुछ घरेलू चीजों को अपनाकर आसानी से ही स्ट्रेच मार्क्स के निशानों को दूर किया जा सकता है।

कोको बटर और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को दूर करने के लिए कोको बटर और कॉफी का इस्तेमाल करें। 1 चम्मच कॉफी लें। अब इसमें 1 चम्मच पिघला हुआ कोको बटर मिलाएं। जब यह अच्छे से मिल जाए तो इस पेस्ट को प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 10 मिनट के लिए इसको ऐसा ही रहने दें। फिर हल्के गर्म पानी से इसको धो लें। हफ्ते में कम से कम 4 बार इस प्रक्रिया को दोहराएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

बादाम पाउडर, नारियल तेल और कॉफी

1 चम्मच कॉफी ले इसको अच्छे से पीस लें। फिर इसमें आधा चम्मच बदाम पाउडर और 3 चम्मच नारियल तेल मिलाकर मिक्स करें। इस पेस्ट से 10 मिनट के लिए स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह पर लगाएं। हफ्ते में 2 बार ऐसा करें। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

जैतून तेल, नींबू और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को साफ करने के लिए जैतून तेल, नींबू और कॉफी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच पीसी हुई कॉफी में, 1 चम्मच जैतून का तेल, आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस पेस्ट 20 मिनट के लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। लगातार ऐसा करने से कुछ ही महीनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

छोटे-छोटे बच्चों और युवाओं को इसलिए लग जाता है चश्मा

आंखें हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा होती हैं। इसकी मदद से हम पूरी दुनिया को देखते हैं। इनका स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है, लेकिन आजकल लोगों की गलत आदतों का प्रभाव उनकी आंखों पर पड़ा है। जिसके कारण छोटे-छोटे बच्चों को चश्मा लगाने से लेकर समय से पहले अंधेपन या कम दिखाई देना जैसी समस्याएं होती हैं, लेकिन आपको ऐसी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

आहार का ख्याल: आपके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि आपका आहार पौष्टिक एवं संतुलित हो। फिर चाहे बात आंखों की ही क्यों न हो। आहार आपकी आई हेल्थ पर भी अपना प्रभाव डालता है। बहुत से अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि एंटी-ऑक्सीडेंट युक्त आहार का सेवन करने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इसलिए आप अपने आहार में मौसमी फल एवं सब्जियां अवश्य शामिल करें। इसके अतिरिक्त खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और मछली आपकी आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

नजर रखें स्क्रीन टाइम: आजकल चाहे बच्चे हों या बड़े, अपना अधिकतर समय टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने ही बिताते हैं, जिसके कारण उनकी आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए अपनी आंखों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए आप अपने स्क्रीन टाइम पर भी पैनी नजर रखें। कोशिश करें कि आप घंटों टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने न रहें। वहीं अगर आपका काम ऐसा है कि आपको घंटों कंप्यूटर के सामने बैठना होता है तो एकटक स्क्रीन को न देखें, बल्कि बीच-बीच में अपनी पलकें झपकाते रहें।

आई वियर भी है जरूरी: जिस तरह आप घर से बाहर निकलते समय अपनी स्किन की रक्षा करने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसकी तरह, आंखों की रक्षा करने के लिए आई वियर यानी सनग्लासेज भी अवश्य पहनें। बहुत लंबे समय तक आपकी आंखों के सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक बच जाती है। इसलिए आप एक अच्छे सनग्लासेज पहनकर अपनी आंखों की रक्षा तो कर ही सकते हैं।

व्यायाम का सहारा

आपकी लाइफ चाहे कितनी भी बिजी क्यों न हो, लेकिन अपनी दिनचर्या में कुछ वक्त व्यायाम को अवश्य दें। दरअसल, जब आप व्यायाम नहीं करते तो आपका वजन बढ़ने लगता है। साथ ही इससे आपको टाइप 2 डायबिटीज और कार्डियोवेस्कुलर बीमारी होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। यह बीमारियां आगे चलकर अंधेपन का कारण बनती हैं। इसलिए आप प्रतिदिन व्यायाम के जरिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। इसके अतिरिक्त आप कुछ विशेष प्रकार की आई एक्सरसाइज भी कर सकते हैं और अपनी आंखों को तंदुरूस्त रख सकते हैं।

आंखों के बचाव के तरीके

- लगातार रोजाना दो से तीन घंटे कंप्यूटर पर कार्य करने से व्यक्ति में कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के लक्षण देखने को मिल सकते है। कुछ सावधानियां बरतकर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम से बचाव किया जा सकता है।
- आंखों को सुरक्षित रखने के लिए कंप्यूटर, आईपैड, स्मार्टफोन से दूरी के साथ ही लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। तभी अधिकतर सीवीएस के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है।
- जिस कमरे में कंप्यूटर हो उसमें उचित प्रकाश होना जरूरी है, ज्यादा तेज रोशनी भी नहीं होनी चाहिए एवं प्रकाश व्यक्ति के पीछे से होना चाहिए, सामने से नहीं।
- जब भी कंप्यूटर के पास बैठें तो हर 20 मिनट के गैप में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से नजरें हटा लें और 20 फुट दूर किसी फिक्स्ड प्वाइंट पर फोकस करें।
- आइज मूवमेंट आंखों को बेहतर करने में लाभकारी है। ऑफिस या घर पर मॉनिटर को कुछ इस तरह सेट करें कि आंखें मॉनिटर के टॉप लेवल पर हों।
- कंप्यूटर डिवाइस का कंट्रास्ट या ब्राइटनेस लेवल को सेट करें या एंटीग्लेयर कवर और कंप्यूटर ग्लास फिट कराएं।
- बेहतर लेंस का प्रयोग करें या एंटी ग्लेयर (चौंध रहित) चश्मा पहने एवं चौंध रहित स्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए।
- जब कभी भी स्क्रीन के सामने घंटे भर से अधिक बैठे हों तो ड्राई आईज से बचने के लिए पलकें, धीरे-धीरे झपकाएं। साथ ही, सीवीएस से बचने के लिए स्मॉल ब्रेक्स और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।
- आंखों के लिए कंप्यूटर विजुअल चैलेंज हो सकता है पर जब परहेज के साथ इस्तेमाल किया जाए तो पर्मानेंट डैमेज कभी नहीं होने देता। आंखों में जब भी अच्छा सा महसूस न हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

सुझाव

गायब हो जाएंगे मस्से

ये करें उपाए

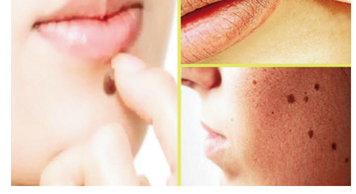

बदसूरती पर दाग की तरह होते हैं मस्से। पर, इन मस्सों से छुटकारा पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्लीनिक के ही चक्कर लगाएं। कुछ बेहद आम बातों को ध्यान मे रखकर भी आप इन मस्सों से छुटकारा पा सकती हैं। कोई खूबसूरत चेहरे की कामना करता है, लेकिन इस खूबसूरत चेहरे पर जब कोई दाग, मुहांसे या मस्से इत्यादि हों तो चेहरा एकदम बिगड़ सा जाता है। मस्सों से निजात पाने के लिए आज युवा हर उपाय अपनाने को तैयार रहते हैं। हालांकि मस्से सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन, हाथ, पीठ, चिन, पैर इत्यादि कहीं पर भी हो सकते है। मस्सों को दूर करने के लिए कई तरह की क्रीम भी बाजार में मिल जाती हैं, लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस तरह की क्रीम्स बहुत ज्यादा असरकारक नहीं होती।

ऐसे होते हैं मस्से

दरअसल, मस्से पिगमेंट कोशिकाओं के समूह होते हैं, जो काले-भूरे रंग के होते हैं। आमतौर पर यह नुकसानदायक नहीं होते, लेकिन समय पर इनका इलाज न कराया जाए तो ये कैंसर का रूप ले सकते हैं। कुछ मस्से आनुवांशिक होते हैं तो कुछ अधिक धूप में रहने के कारण हो जाते हैं। कुछ मस्से ऐसे होते हैं, जो उत्पन्न होकर अपने आप समाप्त हो जाते हैं। मस्से के काटने या फोड़ने पर इनके शरीर के अन्य हिस्सों में होने की आशंका बनी रहती है। कभी-कभी मस्से का वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति की त्वचा पर आकर उसकी त्वचा पर भी मस्से बना देते हैं।

यह है उपचार

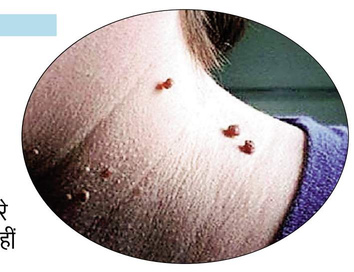

- बी कॉम्पलेक्स, विटामिन ए, सी, ई युक्त आहार के सेवन से मस्सों को दूर किया जा सकता है।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए और किसी दूसरे का तौलिया आदि इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए।
- मस्से पर आलू की फांक रगड़ें या केले के छिलके के भीतरी भाग को रगड़ें।
- मस्सा खत्म करने के लिए एक अगरबत्ती जला लें और अगरबत्ती के जले हुए गुल को मस्से का स्पर्श कर तुरंत हटा लें। ऐसा 8-10 बार करें, इस उपाय से मस्सा सूखकर झड़ जाएगा।
- कुछ खट्टे सेब लेकर उनका जूस निकालें और उसको दिन में कम से कम तीन बार मस्से की जगह पर लगाएं। नियमित रूप से लगाने पर आप पाएंगे कि मस्से धीरे-धीरे झड़ रहे हैं और तीसरे सप्ताह तक यह बिल्कुल खत्म होते दिखेंगे।
- एक प्याज को लेकर उसके रस को दिन में एक बार नियमित रूप से लगाना प्रभावकारी होगा।
- बेकिंग सोडा और अरंडी के तेल को रात में मस्सों पर लगाकर सोने से मस्सों को दूर करने में मदद मिलती है।
- हालांकि मस्सों के इलाज की तकनीक हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होती है, लेकिन आमतौर पर होने वाले मस्सों पर यदि लहसुन का रस हर दिन लगाया जाए तो मस्से दूर हो जाते हैं। आप फूलगोभी के रस को प्रतिदिन मस्सों पर लगा सकती हैं।
- हर सुबह और रात मस्सों पर शहद लगाएं।
- मस्सों से छुटकारा पाने के लिए पोटैशियम बहुत लाभदायक है। पोटैशियम सेब, केला, अंगूर, आलू, मशरूम, टमाटर, पालक आदि में होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2621

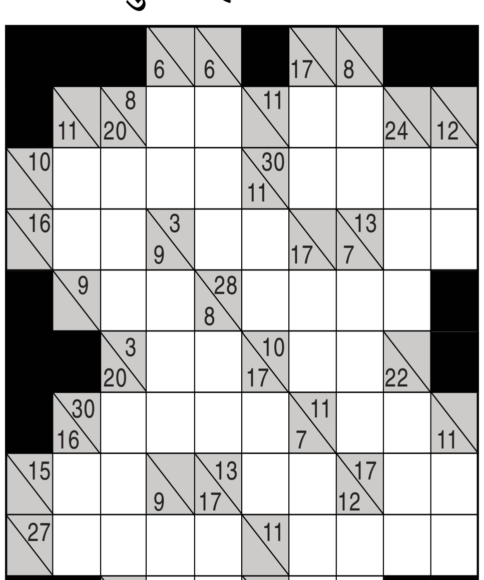

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

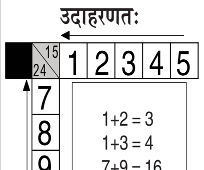

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2620 का हल

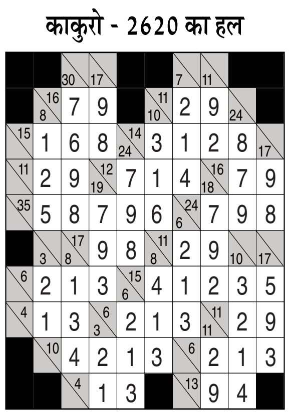

लॉफिंग जोक्स

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2621

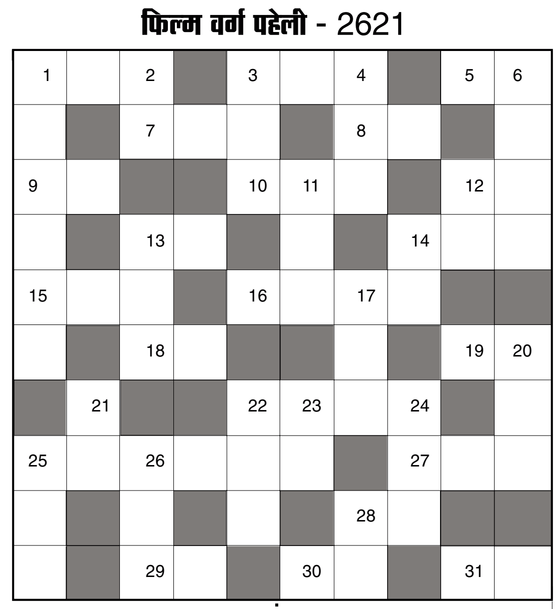

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2620

सूडोकु -2621

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2620 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 2621

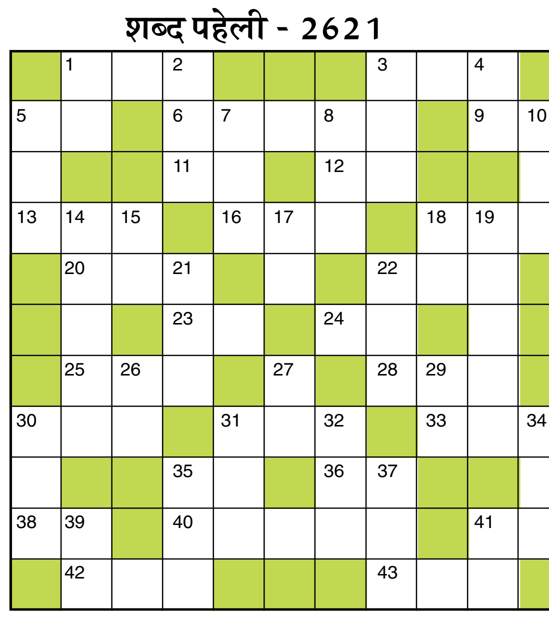

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेंद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2620 का हल

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सहयोग, समन्वय और प्रतिबद्धता जरूरी: भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय क्षरण हमारे सामने वास्तविक चुनौतियां हैं। इन वैश्विक समस्याओं का समाधान सहयोग, सहभागिता और प्रतिबद्धता से ही संभव है। विकास और पर्यावरण साथ-साथ संभव है यह- भारत ने करके दिखाया। शुक्रवार को केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित जी20 जलवायु एवं पर्यावरणीय सततता मंत्रीस्तरीय बैठक के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पेरिस समझौते के 10 वर्ष यह सिद्ध करते हैं कि कुछ भी असंभव नहीं। भारत ने प्रो-प्लानेट और प्रो-पीपल मॉडल अपनाते हुए विकास और पर्यावरण संरक्षण को साथ लेकर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हमेशा कहते हैं कि हम इस ग्रह के मालिक नहीं, बल्कि ट्रस्टी हैं, सत्य स्वीकारना होगा- पर्यावरणीय संकट वास्तविक है। महात्मा गांधी को याद करते हुए उन्होंने कहा, सत्य केवल बोला और सुना ही नहीं, बल्कि स्वीकार भी होना चाहिए। भूपेन्द्र यादव ने याद दिलाया कि जी20 विश्व की 80 प्रतिशत जीडीपी और 80 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में विकासशील देशों की जरूरतों को पूरा करने की जिम्मेदारी सबसे अधिक जी20 पर है। उन्होंने कहा कि हमारा दृष्टिकोण व्यावहारिक होना चाहिए - ताकि हर देश की परिस्थितियों और क्षमताओं समझी जा सकें।

सक्षम व प्रभावशाली तकनीक के उपयोग से विश्व का नेतृत्व कर रहा है नया भारत: जितिन प्रसाद

देहरादून। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि एआई की ओर से कुंभ के प्रबंधन से लेकर शासन और शिक्षा में बदलाव तक, भारत यह दिखा रहा है कि जो कभी अकल्पनीय था, अब वह संभव है। यह नया भारत है, जो आत्मविश्वास से भरा हुआ है। सक्षम है और प्रभावशाली तकनीक के उपयोग से विश्व का नेतृत्व कर रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रसाद चकराता रोड स्थित एक होटल में उत्तराखंड सरकार के आईटी विभाग और भारत एआई मिशन, एमईआईटीवाई के संयुक्त रूप से आयोजित एक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन के बाद संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का एक आधिकारिक प्री-समिट कार्यक्रम है, जो 19-20 फरवरी, 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाला है। केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि पिछली सदी में परमाणु तकनीक जो मायने रखती थी, वह इस सदी के लिए एआई है। लेकिन इस बार भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि यह अवसर सभी को समान रूप से मिले। हम एक डॉलर प्रति घंटे से भी कम की लागत में विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग शक्ति उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे अनुसंधान, इनोवेशन और सकारात्मक परिवर्तन संभव हो सकेंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हमे बायोस्ट नहीं होना चाहिए। पुराने ढर्रे को बदलना है। भारत बदल चुका है और अब यह मानसिकता बदल का जरूरत पर ध्यान केंद्रित करना है। सोच, पत्राचार को आगे को बढ़ाना है।

पिछड़ा वर्ग आरक्षण के समर्थन में कल तेलंगाना बंद, पुलिस ने किये कड़े प्रबंध

हैदराबाद। राज्य पिछड़ा वर्ग संयुक्त कार्यकारिणी समिति (बीसी जेएसी) के पिछड़ा वर्ग आरक्षण के समर्थन में कल के प्रस्तावित बंद के आह्वान को देखते हुए पुलिस ने बड़े पैमाने पर इंतजाम किये हैं। तेलंगाना पुलिस के महानिदेशक शिवधर रेड्डी ने चेतावनी दी है कि शांतिपूर्ण ढंग से बंद का आयोजन करें, अगर बंद के नाम पर शांति और सुरक्षा भंग की गई तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी रेड्डी ने कहा कि पुलिस और खुफिया टीमें समय-समय पर बंद की निगरानी करेंगी ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो। दरअसल, राज्य पिछड़ा वर्ग संयुक्त कार्यकारिणी समिति (बीसी जेएसी) ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण के समर्थन में 18 अक्टूबर यानी कल बंद का आह्वान किया है। इस बंद के समर्थन में कई राजनीतिक दलों ने भी अपना पूर्ण समर्थन दिया है। बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के राज्य सचिव जाजुला लिंगागौड़ ने कहा कि एससी, एसटी और बीसी संघों से स्थानीय निकायों में बीसी के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण देने की उपलब्धि के लिए बंद को सफल बनाने कीको अपील की है। इस मांग के समर्थन में शुक्रवार दोपहर हैदराबाद के बशीर बाग में बाबू जगजीवन राम प्रतिमा से लेकर लोअर टैंक बंड की अंबेडकर प्रतिमा तक सभी दलों ने एक रैली निकाली। इस बीच आज खम्मम में पत्रकारों से वार्ता करते हुए राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि केंद्र सरकार ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण विधेयक को लंबित रखा है, जबकि इसे तेलंगाना विधानसभा में पारित कर भेजा गया है।

कांग्रेस और सपा अपनाए हुए हैं अंग्रेजों की 'फूट डालो, राज करो' नीति : सीएम योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह अभियान को लेकर राजधानी के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यशाला में विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडी गठबंधन अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो नीति अपनाए हुए हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने भारत को कई हिस्सों में बांटने की साजिश रची थी। उनकी कोशिश थी कि भारत कभी एक न हो सके। विपक्षी दलों को लेकर कहा कि ये दल समाज में जाति, पंथ और मजहब के आधार पर फूट डालने का काम कर रहे हैं ताकि देश की एकता और अखंडता कमजोर हो। लेकिन, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपनी अद्भुत दूरदृष्टि और दृढ़ इच्छाशक्ति से 563 रियासतों को भारत गणराज्य में विलय कर राष्ट्रीय एकता को मजबूत किया।

विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं, सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव: द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि विकास किसी भी समुदाय को पीछे छोड़कर नहीं बल्कि सभी समुदायों के साथ मिलकर ही संभव है। विज्ञान भवन में आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान 2025'राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश की आजादी के 75 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बावजूद आदिवासी समाज अपने स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता की परंपरा पर कायम है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों का चरित्र ऐसा है कि वे अपनी जरूरतें स्वयं पूरी करते हैं, मांगना नहीं जानते और अपनी संस्कृति एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य में जीवन जीते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार अब यह सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रही है कि आदिवासी समाज के विकास के लिए योजनाएं सिर्फ बनाई ही न जाएं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ भी

समुदाय तक पहुंचे। उन्होंने कहा, ÷आदिवासी भाई-बहन कभी सरकार से मांग नहीं करते, वे अपने स्वाभिमान के साथ जीते हैं। इसलिए हमें उनके लिए स्वतंत्र रूप से सोचने और उन्हें सिखाने की जरूरत है कि वे खुद के अधिकारों के लिए बोलना और समाज के लिए काम करना सीखें। सम्मेलन में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम, राज्य मंत्री दुर्गादास उइके, विभिन्न मंत्रालयों के केंद्रीय मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, जिला उपायुक्त, आदि कर्मयोगी, आदि साथी एवं राज्यों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री जुएल ओराम ने बताया कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू किया गया आदि कर्मयोगी अभियान अब विश्व का सबसे बड़ा आदिवासी नेतृत्व मिशन बन चुका है। इसके तहत 20 लाख से अधिक अधिकारियों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और आदिवासी युवाओं को 1 लाख से अधिक आदिवासी गांवों में प्रशिक्षित किया गया है। राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने कहा कि यह मिशन सामुदायिक नेतृत्व आधारित परिवर्तन की राष्ट्रव्यापी आंदोलन बन चुका है, जो आत्मनिर्भरता, नवाचार और अभिसरण को बढ़ावा देता है। सचिव विभू नायर ने पांच प्रमुख क्षेत्रों–शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका, अवसंरचना और सुशासन– में अभिसरण आधारित मॉडल की सफलता पर प्रकाश डाला और 'सेवा, समर्पण और संकल्प' की भावना को आगे बढ़ाने की आवश्यकता बताई।

एआईआईए ने अपने 44 स्पेशियलिटी क्लीनिक के माध्यम से 30 लाख से अधिक मरीजों का किया उपचार : प्रो. प्रदीप कुमार प्रजापति

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) के 9वें के स्थापना दिवस के मौके पर निदेशक प्रो. (वैद्य) प्रदीप कुमार प्रजापति ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में 44 स्पेशियलिटी क्लीनिक के माध्यम से 30 लाख से अधिक मरीजों का उपचार किया। इस दौरान देशभर में 7 नए स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों की स्थापना की गई ।

एआईआईए में आयोजित समारोह में प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए 73 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय एमओयू पर हस्ताक्षर कार्यक्रम हुए। उन्होंने मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल के निकट डिवाइडर निर्माण करने और ओनिडा बस स्टैंड का नाम बदलकर एआईआईए बस स्टैंड रखने का प्रस्ताव मुख्य अतिथि के समक्ष रखा। समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और धन्वंतरि वंदना के साथ हुई। इस मौके पर सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने एआईआईए को आयुर्वेदिक शिक्षा, अनुसंधान और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए बधाई दी। उन्होंने अपने एआईआईए से प्रारंभिक जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि वे स्व. सुषमा स्वराज और स्व. भैरव सिंह शेखावत के साथ संस्थान की आधारशिला रखने के समय भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा, 'दिल्ली चारों ओर से बीमारियों से घिरी है, लेकिन एआईआईए प्रतिदिन हजारों रोगियों को राहत और आशा देता है। यहां आने वाले मरीज़ मायूस चेहरे लेकर आते हैं और स्वस्थ होकर मुस्कुराते हुए जाते हैं।

बुंदेलखंड के विकास को नई गति देने के लिए केंद्र सरकार प्रतिबद्ध : अमित शाह

एजेंसी

झांसी। झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा ने भारत के यशस्वी गृह मंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह से नई दिल्ली में सौजन्य भेंट की। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच जनसेवा, विकास योजनाओं और बुंदेलखंड क्षेत्र के सर्वांगीण विकास पर विस्तृत चर्चा हुई। सांसद ने गृह मंत्री को झांसी और ललितपुर में चल रही केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं विकास परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र की अवसंरचना, पर्यटन, जल-संरक्षण, रोजगार सृजन और औद्योगिक निवेश से संबंधित मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया।

भेंट के दौरान सांसद ने झांसी में सड़क व रेल कनेक्टिविटी, पर्यटन विकास, जल जीवन मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन और शिक्षा-खेल से जुड़े नवाचारों की जानकारी भी दी। शाह ने उनके प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सांसद शर्मा की विकासोन्मुख सोच बुंदेलखंड के उज्जवल भविष्य की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है। यह मुलाकात न केवल झांसी-ललितपुर बल्कि पूरे बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास के लिए महत्वपूर्ण और सकारात्मक पहल के रूप में देखी जा रही है। अमित शाह

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार बुंदेलखंड के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सांसद अनुराग शर्मा को आश्वस्त किया कि क्षेत्र में विकास की गति को और तेज करने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग करेगी। उन्होंने क्षेत्र में अवसंरचना, पर्यटन, जल-संरक्षण, रोजगार सृजन एवं औद्योगिक निवेश को और गति देने के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए। गृहमंत्री जी ने सांसद अनुराग शर्मा की जनसेवा और विकासोन्मुख दृष्टि की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास बुंदेलखंड के उज्जवल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैज्ञानिक रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार के स्वर्णिम दौर से गुजर रहा: डॉ. जितेन्द्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैज्ञानिक रचनात्मकता और तकनीकी नवाचार के स्वर्णिम दौर से गुजर रहा है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री के हर बड़े संबोधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को राष्ट्रीय विकास का आधार बताया गया है। नेशनल मीडिया सेंटर में इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल (आईआईएसएफ) 2025 का कर्टन रेज़र लॉन्च करते हुए डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा कि विज्ञान का उत्सव है आईआईएसएफ जिसकी इस बार की थीम 'विज्ञान से समृद्धि - आत्मनिर्भर भारत' होगी। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि फेस्टिवल की थीम भारत के अगले विकास चरण का प्रतिनिधित्व करती है, जहां प्रौद्योगिकी, नवाचार और स्थिरता मुख्य आधार होंगे। भारत की आत्मनिर्भरता के लिए जीवन विज्ञान, कृषि, ईंधन, और ऑटोमोबाइल तकनीक जैसे क्षेत्रों में आयात घटाकर स्वदेशी क्षमता बढ़ाना आवश्यक है। 6 से 9 दिसंबर 2025 तक पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ में आयोजित होने वाले फेस्टिवल के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि जम्मू,

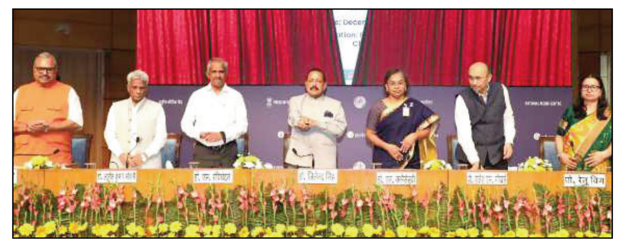

चंडीगढ़ और हिमालयी क्षेत्र की संस्थाएं क्षेत्र-विशिष्ट नवाचार प्रस्तुत करेंगी, जो सतत विकास का मार्ग दिखाएंगी। डॉ. सिंह ने कहा कि अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (ए एनआर एफ) जैसी पहल विश्वविद्यालयों और राज्यों के संस्थानों को फंडिंग देकर शोध को पारंपरिक बड़े केंद्रों से बाहर ले जाएगी। भारत की खासियत पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के संगम में है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले आयोजित एसटिक कॉन्कलेव अध्ययन पर केंद्रित था, जबकि आईआईएसएफ प्रेरणा और उत्सव का प्रतीक है। दोनों आयोजन एक-दूसरे के पूरक हैं। डॉ. सिंह ने छात्रों, स्टार्टअप्स और आम नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस फेस्टिवल में वैज्ञानिक प्रदर्शनियां, बिज़नेस-टू-बिज़नेस मीटिंग, प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में प्रो. रेनू विग (कुलपति, पंजाब विश्वविद्यालय), प्रो. राजेश एस. गोखले (सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग), डॉ. एन. कलईसेल्वी (महानिदेशक, सीएसआईआर) सहित कई प्रमुख वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में मप्र का उत्कृष्ट प्रदर्शन, राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश को आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन में देश में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रथम पांच राज्यों में स्थान मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आदि कर्मयोगी अभियान पर आयोजित राष्ट्रीय कॉन्क्लेव में इस उपलब्धि के लिए मध्य प्रदेश को सम्मानित किया। प्रदेश के जनजातीय कार्य के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने पुरस्कार ग्रहण किया। उन्होंने समारोह में जनजातीय समुदाय के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयासों पर प्रस्तुति दी। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के जनजाति कार्य मंत्रालय द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान जनजाति समुदायों के सामाजिक आर्थिक विकास को गति देने के लिए प्रारंभ किया गया। इसका उद्देश्य जनजाति क्षेत्र में ग्राम स्तर पर नेतृत्व क्षमता का विकास करना,

योजनाओं का प्रभावी अमल सुनिश्चित करना और शासन को और ज्यादा जवाबदेह बनाना है। यह अभियान सेवा, संकल्प और समर्पण जैसे मूल्यों पर आधारित है जो जनजातीय समाज को आत्मनिर्भर जागरूक और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रमुख सचिव गुलशन बामरा ने मध्य प्रदेश में जनजातीय विकास की स्थिति की पर जानकारी देते हुए कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान में 1 लाख 41 हजार आदि सहयोगी काम कर रहे हैं। इसके साथ एक लाख 92 हजार आदि साथी और 1210 अशासकीय संगठन जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इसका लक्ष्य तीन लाख चेंज लीडर्स तैयार करना है जो निचले स्तर पर जनजातीय विकास की योजनाओं के क्रियान्वयन में मदद कर रहे हैं। जनजातीय बंधुओं की मदद के लिए 13,000 आदि सेवा केंद्र बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि जनजाति क्षेत्र में बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शाला छोड़ने वाले बच्चों पर निगरानी रखी जा रही है। वर्तमान में माता शबरी आवासीय बालिका शिक्षा कंपलेक्स, हॉस्टल, आदर्श आवासीय स्कूल, एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल, आश्रम स्कूल, खेल परिसर मिलाकर 2,913 संस्थाएं संचालित है जिनमें 2 लाख 30 हजार विद्यार्थियों के रहने की क्षमता है।

बंगाल में बहुत अच्छी है कानून व्यवस्था, विपक्ष कर रहा बदनाम: ममता बनर्जी

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव के दौरान झूठ फैलाकर लोगों को बांटने की कोशिश करने का आरोप लगाया और कहा कि बंगाल देश के सबसे सुरक्षित राज्यों में से एक है। कोलकाता के जानबाजार में काली पूजा के उद्घाटन समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग केवल चुनाव के समय राज्य में आते हैं और कानून-व्यवस्था को लेकर झूठे दावे कर बंगाल की छवि खराब करने की कोशिश करते हैं। आप कहते हैं बंगाल असुरक्षित है, लेकिन क्या लोग यहां बेखौफ घूमते नहीं हैं? उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि कोलकाता देश का सबसे सुरक्षित महानगर है। ममता ने कहा, अपने अनुभव से पूछिए - क्या लोग यहां शांति और सौहार्द से नहीं रहते? दुर्गापुर में छात्रा से कथित दुष्कर्म मामले का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं नहीं चाहती कि एक भी घटना हो, लेकिन अगर कुछ होता है तो हम तत्काल कार्रवाई करते हैं। अन्य राज्यों में ऐसे कई मामले हैं, जहां पीड़ितों को अब तक न्याय नहीं मिला। बिना नाम लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों पर आरोप लगाया कि वे अदालत का सहारा लेकर योग्य उम्मीदवारों की नौकरियां छीनने की साजिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग अदालत जाकर शिक्षित युवाओं की नौकरी छीनने की कोशिश करते हैं, लेकिन हम जनता के लिए काम करते हैं। वे हमें रोक नहीं सकते। हमें उनके एजेंडे को हराना होगा। मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी उन न्यायालयी आदेशों की पृष्ठभूमि में आई है, जिनमें राज्य के कई शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की भर्ती रद्द की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्य देश के विकास का इंजन बनने की ओर अग्रसर: केंद्रीय राज्यमंत्री

एजेंसी

गंगटोक। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमूबेन जयंतीभाई बांभनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों का समग्र विकास हो रहा है और पूर्वोत्तर राज्यों में विकास के नए द्वार खुल गए हैं। सिक्किम के चार दिवसीय दौरे पर आई केंद्रीय राज्यमंत्री बांभनिया आज राजधानी स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कभी अपेक्षित रहे पूर्वोत्तर राज्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का इंजन बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री ने पूर्वोत्तर राज्यों को अपने दिल और विकास से जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों को पूर्वोत्तर राज्यों का जमीनी स्तर पर दौरा करने और स्थिति का जायजा लेने का निर्देश दिया है।' उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर राज्यों में कनेक्टिविटी के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल हुई हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री बांभनिया ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने के प्रधानमंत्री के नए संकल्प पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के विचारों के आधार पर भारत आज आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा, विकसित भारत के निर्माण के लिए

भारत को आत्मनिर्भर बनना होगा। इस संदर्भ में, उन्होंने यह भी बताया कि हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर ने स्वदेशी शक्ति का परिचय दिया है। सिक्किम की अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए उन्होंने पाकिम जिले में राज्य और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का निरीक्षण करने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिक्किम देश का पहला जैविक राज्य है और सिक्किम ने एक मिसाल कायम की है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आत्मनिर्भर बना जा सकता है। इससे पहले, अपने संबोधन में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डीआर थापा ने केंद्रीय राज्यमंत्री का ध्यान सिक्किम की जीवन रेखा माने जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 10 की वर्तमान गंभीर स्थिति की ओर आकर्षित किया। उन्होंने बताया कि उत्तरी सिक्किम में ल्होनाक झील के फटने से तीस्ता नदी में आई बाढ़ का सिक्किम की अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ा है। उन्होंने केंद्रीय राज्यमंत्री से राष्ट्रीय राजमार्ग 10 की समस्या को प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री के समक्ष उठाने का अनुरोध किया।

जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में महसूस किए गए भूकंप के झटके

श्रीनगर। अफ़ग़ानिस्तान-ताजिकिस्तान सीमा क्षेत्र में रिक्टर पैमाने पर 5.6 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया, जिसके झटके जम्मू-कश्मीर के कई हिस्सों में महसूस किए गए। मौसम विज्ञानियों ने एक बयान में कहा कि

जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार भूकंप शाम लगभग 5:45 बजे आया, जिसका केंद्र अक्षांश 36.62 डिग्री उत्तर और देशांतर 72.72 डिग्री पूर्व पर, 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर स्थित था। कश्मीर के मौसम विभाग के अनुसार घाटी के विभिन्न इलाकों में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई और वे अपने घरों और कार्यालयों से बाहर निकल आए। हालांकि, किसी के हताहत होने या संपत्ति के नुकसान की तत्काल कोई खबर नहीं है।

बिहार में डबल इंजन की सरकार विकसित भारत के सपने को कर रही है साकार : पुष्कर धामी

एजेंसी

पटना। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बिहार में सिवान जिले के गोरियाकोठी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार देवेशकांत सिंह के समर्थन में आयोजित नामांकन सह आशीर्वाद सभा को संबोधित किया।उनके साथ उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी थे। दोनों नेताओं से जनता से बाजपा उम्मीदवार को विजयी बनाने की अपील की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभा को संबोधितकरते हुए कहा कि देवेशकांत सिंह ने विधायक रहते हुए इस क्षेत्र में अनेक विकास कार्यों को आगे बढ़ाया है। जनता के जोश और उत्साह को देखकर यह स्पष्ट है कि इस बार भी देवेशकांत जी पिछली बार की तुलना में और अधिक मतों से जीत दर्ज करेंगे।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की डबल इंजन सरकार ने बिहार में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं। आज बिहार के हर जिले में विकास की गति दिखाई दे रही है। सड़कों से लेकर रेल सेवाओं तक हर क्षेत्र में तेजी से काम हो रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार के लिए करोड़ों की राशि स्वीकृत की है और रेल बजट में भी अभूतपूर्व वृद्धि की है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में गरीब कल्याण और अंत्योदय के लक्ष्य को साकार करने के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। आज बिहार के हर घर में बिजली, पानी और शौचालय की सुविधा पहुंची है। कांग्रेस के समय में सिर्फ 'गरीबी हटाओ' के नारे दिए जाते थे। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारी धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहरों के पुनरुत्थान का कार्य भी निरंतर जारी है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और श्री केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। उन्होंने उत्तराखंड में किए गए सुधारात्मक निर्णयों का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है, जहां समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू की गई है। राज्य में 'लव जिहाद', 'लैंड जिहाद' और अवैध मदरसों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की गई है। इसके अलावा 'ऑपरेशन कालनेमि' चलाकर पाखंडियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए पुष्कर धामी ने कहा कि ऐसी पार्टियां तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार और परिवारवाद की राजनीति में लिप्त हैं। लालू परिवार ने भ्रष्टाचार में कांग्रेस को भी पीछे छोड़ दिया है। चारा घोटाला हो या आईआरसीटीसी घोटाला, पूरा परिवार इसमें संलिप्त पाया गया है। यही वे लोग हैं, जिन्होंने बिहार को जंगलराज में तब्दील कर दिया था, जब अपराध चरम पर था, दिनदहाड़े हत्याएं होती थीं, महिला अपराध होते थे और रंगदारी मांगने वालों का बोलबाला था। उन्होंने कहा कि इन विरोधियों का एकमात्र लक्ष्य प्रधानमंत्री मोदी को रोकना है। इनके पास बिहार के विकास के लिए कोई विजन या एजेंडा नहीं है।

भारत वैश्विक स्तर का अंतरदेशीय जहाज मरम्मत नेटवर्क बना रहा है : शांतनु ठाकुर

एजेंसी

कोलकाता। केंद्र सरकार देश के अंतरदेशीय जलमार्गों को सशक्त बनाने और समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए वैश्विक मानकों वाला जहाज मरम्मत और रखरखाव नेटवर्क तैयार कर रही है। यह जानकारी केंद्रीय पोर्ट, शिपिंग एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर ने कोलकाता में आयोजित पोर्ट ट्रस्ट के कार्यक्रम में दी। उन्होंने बताया कि भारत अब अपनी जलमार्ग प्रणाली को तटीय डॉक या विदेशी सेवाओं पर निर्भर किए बिना पूरी तरह से संचालनक्षम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसके तहत गंगा (राष्ट्रीय जलमार्ग-1) पर पटना और वाराणसी में दो नए शिप रिपेयर फैसिलिटी (एसआरएफ) स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि एक अन्य इकाई पांडु (गुवाहाटी) में ब्रह्मपुत्र (एनडब्ल्यू-2) और बराक (एनडब्ल्यू-16) के लिए तैयार की जा रही है।शांतनु ने कहा कि जहाज मरम्मत सुविधाएं अब केवल तकनीकी निवेश नहीं रह गई हैं, बल्कि यह आर्थिक परिवर्तन के उत्प्रेरक हैं। हमारा लक्ष्य है कि भारत के जलमार्ग पूरी तरह से सक्षम हों और जहाजों की मरम्मत व रखरखाव के लिए किसी तटीय या विदेशी सुविधा पर निर्भरता न रहे। ये नई मरम्मत इकाइयां जहाजों के टर्नअराउंड समय को घटाने के साथ-साथ रोजगार सृजन, तकनीकी कौशल विकास और उत्तर प्रदेश, बिहार तथा पूर्वोत्तर राज्यों में एमएसएमई भागीदारी को भी बढ़ावा देंगी। इन परियोजनाओं को भारतीय अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा लागू किया जा रहा है। पटना और वाराणसी की सुविधाएं अब पूरी तरह चालू हैं और ये मालवाहक जहाजों से लेकर यात्री नौकाओं तक की मरम्मत संभालने में सक्षम हैं। शांतनु ने कहा कि पांडु में तैयार हो रहा एसआरएफ पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए 'रणनीतिक गेम-चेंजर' साबित होगा। इसके शुरू होने के बाद यह क्षेत्रीय व्यापार के साथ-साथ बांग्लादेश और भूटान जैसे पड़ोसी देशों के साथ संपर्क को भी मजबूत करेगा। यह हमारी एक्ट ईस्ट और नेबरहुड फर्स्ट नीतियों के अनुरूप है। बेहतर मरम्मत ढांचा अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पार व्यापारिक संपर्क और क्षेत्रीय व्यापार को मजबूती देगा। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि यह पहल श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट, कोलकाता (एसएमपीके) में भी मजबूत की जा रही है। पोर्ट ने गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) और कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) जैसी प्रमुख कंपनियों के साथ तकनीकी सहयोग बढ़ाया है।

शुभमन गिल की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया से पहली परीक्षा आज

पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय टीम रविवार को पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में उतरने जा रही है, और यह मुकाबला कई मायनों में खास होगा। सात महीने बाद टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी हो रही है, जबकि वनडे प्रारूप में पहली बार शुभमन गिल बतौर पूर्णकालिक कप्तान टीम की अगुवाई करेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद मैदान से दूर रहे कोहली और रोहित भारतीय क्रिकेट के लिए अब नए दौर का हिस्सा बनकर लौट रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में भारत ने टेस्ट और टी20 प्रारूप में इन दोनों दिग्गजों के बिना भी मजबूती से आगे बढ़ना सीखा है। ऐसे में अब सवाल यह है कि वनडे फॉर्मेट में इन दोनों के पास टीम को देने के लिए क्या बाकी है।

हालांकि इसमें कोई शक नहीं कि कोहली और रोहित दोनों वनडे क्रिकेट के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। इस सीरीज से पहले दोनों ने फिटनेस पर कड़ी मेहनत की है। रोहित ने अपना वजन घटाया है जबकि कोहली ने लंदन में अपने निजी ट्रेनर के साथ अभ्यास किया। आईपीएल के बाद से दोनों ने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है, इसलिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यह वापसी आसान नहीं होगी। रोहित शर्मा अब टीम में बतौर सीनियर खिलाड़ी अपनी भूमिका निभाएंगे। उनकी कप्तानी में भारत ने हाल में टी20 एशिया कप और वनडे चैम्पियनशिप जैसे खिताब जीते हैं। वहीं कोहली के लिए यह सीरीज उनके वनडे करियर की दिशा तय कर सकती है। अगर वह एक बार फिर अपने पुराने अंदाज में लंबी पारी खेलते हैं और रोहित ठोस शुरुआत देते हैं, तो दोनों का करियर कुछ और साल आगे बढ़ सकता है।

मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड जैसे ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ रोहित और कोहली की पुरानी प्रतिद्वंद्विता देखने लायक होगी। हालांकि दोनों को पता है कि अब टीम में उनकी जगह स्थायी नहीं है। चयनकर्ता और टीम प्रबंधन 2027 वनडे वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए नए चेहरों पर दांव लगाने को तैयार हैं। शुभमन गिल पर भी नजरें रहेंगी। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर यह जता दिया कि वह कोहली की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। अब कप्तान के तौर पर उन्हें रोहित द्वारा स्थापित मानदंडों पर खरा उतरना होगा।

टीम प्रबंधन रोहित और गिल की ओपनिंग जोड़ी को बरकरार रखेगा। कोहली तीसरे नंबर पर, उनके बाद श्रेयस अय्यर और केएल राहुल खेलेंगे। हार्दिक पांड्या की गैरमौजूदगी में नीतीश कुमार रेड्डी वनडे डेब्यू कर सकते हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में सिराज और अर्शदीप के साथ हर्षित राणा या प्रसिद्ध कृष्णा को मौका मिल सकता है, जबकि स्पिन का जिम्मा कुलदीप यादव और अक्षर पटेल संभालेंगे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कोनोली, मार्नस लाबुशेन और मैथ्यू रेनशॉ पर प्रदर्शन की जिम्मेदारी होगी। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह नौ बजे से शुरू होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल।

ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्लेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कुह्नेमन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवन, जोश फिलीप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

ज्योति शूरेखा ने रचा इतिहास, फाइनल में जीता कांस्य पदक

नानजिंग (चीन) (एजेंसी)। भारत की स्टार तीरंदाज ज्योति शूरेखा वेन्नम ने शनिवार को इतिहास रचते हुए वर्ल्ड कप फाइनल में कांस्य पदक जीत लिया। वह ऐसा करने वाली भारत की पहली महिला कंपाउंड आर्चर बन गई हैं।

एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता ज्योति ने ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर-2 एला गिब्सन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने मुकाबले में 15 में से 15 परफेक्ट तीर साधे और 150-145 से जीत दर्ज की।

29 वर्षीय ज्योति ने क्वार्टर फाइनल में अमेरिका की एलेक्सिस रुइज को 143-140 से हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में उन्हें वर्ल्ड नंबर-1 एंड्रिया बेसेरा (मेक्सिको) से कड़े मुकाबले में 143-145 से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, ज्योति ने वापसी करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन दिखाया। यह ज्योति का वर्ल्ड कप फाइनल में तीसरा प्रदर्शन था – वह इससे पहले ट्लैक्सकाला (2022) और हर्मोसिलो (2023) में पहले ही दौर में बाहर हो गई थीं।

महिला कंपाउंड वर्ग में भारत की एक और खिलाड़ी मधुरा धामनगांवकर पहले दौर में मैक्सिको की मरियाना बर्नाल से 142-145 से हारकर बाहर हो गईं।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में भारत के ऋषभ यादव को मामूली अंतर से ब्रॉन्ज़ मेडल से चूकना पड़ा। उन्होंने नीदरलैंड्स के पूर्व विश्व चैंपियन माइक श्लॉसर के खिलाफ रोमांचक शूट-ऑफ में हार का सामना किया। दोनों ने पांचों राउंड में 147-147 की बराबरी की थी, लेकिन शूट-ऑफ में श्लॉसर का तीर केंद्र के ज्यादा पास था।

भारत के लिए अब तक वर्ल्ड कप फाइनल में अभिषेक वर्मा ही एकमात्र कंपाउंड आर्चर हैं जिन्होंने 2015 (मैक्सिको सिटी) में रजत और 2018 (सैमसुन) में कांस्य पदक जीता था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इतिहास रच सकते हैं किंग कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर क्रिकेट मैदान पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद वह 19 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले हैं। इस मैच में कोहली के निशाने पर वह ऐतिहासिक रिकॉर्ड होगा जो 148 साल के क्रिकेट इतिहास में आज तक कोई भी खिलाड़ी नहीं बना पाया है।

यह रिकॉर्ड है एक फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का। फिलहाल विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर इस रिकॉर्ड पर संयुक्त रूप से बराबरी पर हैं। दोनों के नाम एक फॉर्मेट में 51-51 शतक दर्ज हैं। सचिन ने यह उपलब्धि टेस्ट क्रिकेट में हासिल की थी, जबकि कोहली ने वनडे फॉर्मेट में। अगर विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में सिर्फ एक शतक भी बना देते हैं, तो वह 52 शतक के साथ विश्व क्रिकेट के इतिहास में यह अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। वह पहले ऐसे बल्लेबाज बन जाएंगे जिन्होंने किसी भी एक फॉर्मेट में 52 शतक जड़े हों। सचिन तेंदुलकर ने 2010-11 के दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टेस्ट में 51वां शतक लगाया था और यह रिकॉर्ड लंबे समय तक अटूट रहा। वहीं, कोहली ने हाल ही में चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार शतक जड़कर इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी। अब पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे उनके लिए ऐतिहासिक साबित हो सकता है।

महिला वर्ल्ड कप 2025 : भारत को इंग्लैंड के खिलाफ छठे गेंदबाज का विकल्प अपनाने का दबाव

इंदौर (एजेंसी)। महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में लगातार दो हार झेल चुकी भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ रविवार को विशाखापट्टनम में होने वाले अहम मुकाबले में अपने गेंदबाजी आक्रमण को संतुलित करने के लिए छठे गेंदबाज को आजमाने पर विचार करना होगा। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिली हारों ने भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदों को कमजोर कर दिया है।

इस विश्व कप सत्र में भारत ने पांच बल्लेबाजों, एक विकेटकीपर और पांच गेंदबाजों के संयोजन के साथ खेला, जिनमें तीन हरफनमौले हैं। लेकिन यह संयोजन अब तक कारगर साबित नहीं हुआ। भारत को सेमीफाइनल में बने रहने के लिए तीन में से कम से कम दो मैच जीतने होंगे। दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया ने 251 और 330 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत के गेंदबाजी आक्रमण की कमजोरी उजागर कर दी।

हरफनमौलाओं के कारण टीम ने बल्लेबाजी की गहराई तो बढ़ाई, लेकिन रेणुका सिंह जैसी प्रमुख विकेट लेने वाली गेंदबाज को छोड़ना पड़ा, जिससे गेंदबाजी विविधता कमजोर हुई। अनुभवहीन युवा गौड़ पर भी दबाव बढ़ा है, जबकि बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अरूंधति रेड्डी को भी इस विकल्प में शामिल करने की संभावनाएं हैं।

बल्लेबाजों का फॉर्म भी चिंता का विषय है। विश्व कप से पहले शानदार फॉर्म में दिख रही भारतीय बल्लेबाजें अब खामोश हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने अर्धशतक लगाया, लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स का योगदान नहीं मिला। आखिरी छह विकेट मात्र 36 रन में गिर गए। श्रीलंका और पाकिस्तान के खिलाफ यह कमी निचले क्रम ने ढक दी थी, लेकिन इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ शीर्षक्रम को जिम्मेदारी से खेलना होगा।

इंदौर के होल्कर स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए मददगार मानी जाती है, और अब तक यहां दोनों मैचों में बड़े स्कोर बने हैं। इंग्लैंड ने अब तक अपराजेय प्रदर्शन किया है, लेकिन उसके बल्लेबाज एकजुट नहीं दिखे। पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ टीम जल्दी विकेट खो बैठी थी। इंग्लैंड के गेंदबाज संकटमोचक की भूमिका निभा रहे हैं और टीम को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बस एक जीत की जरूरत है। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर तीन बजे से शुरू होगा और यह भारतीय टीम के लिए 'करो या मरो' मुकाबला साबित होगा।

भारत- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड

इंग्लैंड- नैट साइवर-ब्रंट (कप्तान), एम अर्लट, टैमी ब्यूमोंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, चार्ली डीन, सोफिया डंकले, सोफी एक्लेस्टोन, लॉरेन फाइलर, सारा ग्लेन, एमी जोन्स, हीथर नाइट, एम्मा लैम्ब, लिन्सी स्मिथ, डैनी व्याट-हॉज।

फुटबॉल में भारत का निराशाजनक प्रदर्शन, फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय फुटबॉल टीम लगातार निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। पुरुष सीनियर राष्ट्रीय टीम फीफा विश्व रैंकिंग में 136वें स्थान पर आ गई है। नवंबर 2016 के बाद से भारतीय टीम का यह सबसे निचला स्थान है। जारी नई रैंकिंग ने भारतीय टीम की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। भारतीय टीम 2026 फीफा विश्व कप और 2027 एएफसी एशियाई कप दोनों की दौड़ से बाहर हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इंटरकांटिनेंटल कप, सैफ चैंपियनशिप और ट्राई-नेशन सीरीज में 2023 की जीत के बाद एक उभरती हुई टीम के रूप में देखी जाने वाली भारत की रैंकिंग पिछले एक साल में तेजी से गिरी है। इस साल की शुरुआत में कतर में हुए एएफसी एशियन कप में भारत का प्रदर्शन बहुत ही निराशाजनक रहा। ग्रुप मैच में तीन हार के साथ बिना एक भी गोल किए टीम बाहर हो गई। इसके बाद से टीम संघर्ष करती रही है। दो साल से कम समय में तीन मुख्य कोच बदल चुके हैं। सबसे पहले इगोर स्टिमैक को बाहर का रास्ता दिखाया गया, उनके बाद मनोलो मार्केज आए। इस साल की शुरुआत में खालिद जमील को जगह दी गई। जमील के नेतृत्व में प्रगति की झलकियां दिखाई देने के बावजूद विशेष रूप से सीएएफए नेशंस कप में एक मैत्रीपूर्ण टूर्नामेंट जहां भारत ने रणनीतिक सुधार दिखाया, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में परिणाम निराशाजनक रहे। टीम की किसी प्रतिस्पर्धी मैच में आखिरी जीत करीब एक साल पहले नवंबर 2023 में कुवैत पर 1-0 की जीत के साथ हुई थी। वैश्विक स्तर पर स्पेन ने फीफा पुरुष रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है, जो विश्व कप विजेता अर्जेंटीना और तीसरे स्थान पर मौजूद फ्रांस से आगे है।

महिला टी20 में किरण नवगिरे ने 34 गेंद में लगाया शतक, रचा इतिहास

नागपुर। भारतीय टीम और महाराष्ट्र की सलामी बल्लेबाज किरण नवगिरे ने इतिहास रच दिया है। नवगिरे ने महिला टी20 में सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया है। शुक्रवार को महिला खेले गए टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंद पर शतक ठोका। शुक्रवार को महिला टी20 ट्रॉफी में नवगिरे ने 34 गेंदों में शतक लगाया और 35 गेंदों पर 106 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली। नवगिरे का शतक 300 से ज्यादा स्ट्राइक रेट वाली एकमात्र महिला टी20 शतक है। इस पारी की बदौलत महाराष्ट्र ने

पंजाब को आठ ओवर पहले ही हरा दिया। पूर्व में महिला टी20 का सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन के नाम था। डिवाइन ने जनवरी 2021 में ओटागो के खिलाफ वेलिंगटन के लिए 36 गेंदों पर शतक लगाया था। उस पारी में डिवाइन ने 38 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। नवगिरे के सामने पंजाब की गेंदबाज बेहद साधारण और असहाय नजर आईं। नवगिरे की आक्रामकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दूसरे विकेट के लिए मुक्ता नागरे के साथ उन्होंने 103 रन की नाबाद साझेदारी खेली। इसमें मुक्ता के सिर्फ 6 रन थे। नवगिरे ने अपनी पारी में 14 चौके और सात छक्के लगाए। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के मिरे की रहने वाली नवगिरे ने पहली बार महिला टी20 ट्रॉफी के 2022 संस्करण में सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था, जब उन्होंने नागालैंड के लिए 35 छक्के लगाए थे। वह अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 76 गेंदों में 162 रनों की पारी के दौरान महिला टी20 मैच में 150 से ज्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय भी बनीं। बड़े शॉट लगाने की क्षमता ने नवगिरे को 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ चेस्टर ली-स्ट्रीट में भारत के लिए डेबू करने का मौका दिलाया था। अक्टूबर 2022 में खेले गए महिला एशिया कप के बाद से उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं मिली है। वह भारत के लिए छह मैच खेल चुकी हैं। विमेंस प्रीमियर लीग में वह यूपी वॉरियर्स के लिए खेलती हैं और तीन सीजन की 24 पारियों में 419 रन बना चुकी हैं। नवगिरे भविष्य में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी की तरह बनना चाहती हैं।

हर मैच में विराट और रोहित को आजमाना बेवकूफी: अगरकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया है कि सीनियर भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा का ऑस्ट्रेलिया सीरीज में प्रदर्शन जरूर आंका जाएगा, लेकिन हर मैच में उन्हें आजमाना 'बेवकूफी' होगी। रोहित और कोहली सात महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने वाले हैं और इस बात को लेकर अटकलें लग रही हैं कि 2027 वनडे विश्व कप से पहले उनकी हर सीरीज में समीक्षा होगी।

अगरकर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा, 'जब वे खेलना शुरू करेंगे तो उनका आकलन होगा, लेकिन उनकी जगह खतरे में नहीं है। प्रत्येक मैच में उन्हें आजमाना बेवकूफाना होगा।' उन्होंने यह भी दोहराया कि शुभमन गिल को नया वनडे कप्तान घोषित करने के बाद टीम चयन पर किसी टूर्नामेंट के लिए पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता, जो अभी दो साल दूर है।

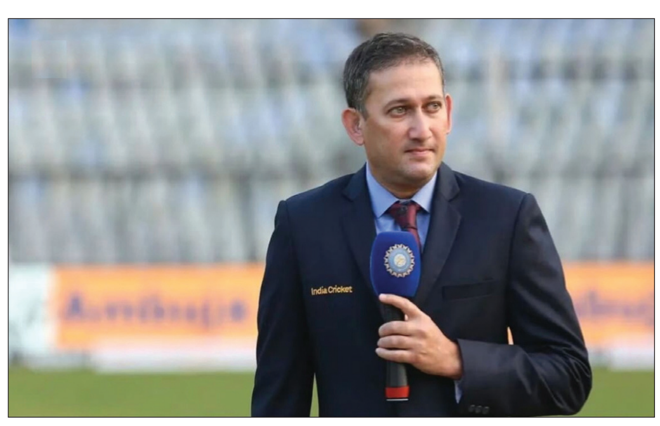

अगरकर ने यह स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि अगर वे ऑस्ट्रेलिया में रन नहीं बनाए तो उन्हें टीम से बाहर किया जाएगा और अगर उन्होंने तीन शतक बनाए तो 2027 विश्व कप के लिए चुना जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि कोहली और रोहित ने स्वयं टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का निर्णय लिया था और चयन समिति उनके अनुभव से संतुष्ट है। 'दोनों दिग्गज खिलाड़ी हैं और उन्होंने हमारे से संपर्क किया था। जब उन्होंने फैसला लिया तो हमें उनका सम्मान करना होगा,' उन्होंने कहा।

इस दौरान अगरकर ने मोहम्मद शमी के चयन को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि शमी इंग्लैंड दौरे के लिए फिट नहीं थे और पिछले छह से आठ महीनों में उनकी सामान्य मैच फिटनेस ठीक नहीं रही। उत्तराखंड के खिलाफ बंगाल के रणजी ट्रॉफी मैच से पहले शमी ने ऑस्ट्रेलिया वनडे टीम में चयन से नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जताई थी।

अगरकर ने कहा, 'अगर शमी यहां होते तो मैं उन्हें जवाब देता। पिछले छह से आठ महीनों में हमें पता चला कि वह फिट नहीं थे। अगर वह फिट होते तो इंग्लैंड दौरे के लिए भी चुने जा सकते थे। फिटनेस और तैयारी के बिना किसी का चयन करना सही नहीं होता।' इस बयान से स्पष्ट है कि चयन समिति अनुभवी खिलाड़ियों के योगदान को महत्व देती है, लेकिन फिटनेस और टीम की रणनीति को ध्यान में रखते हुए ही निर्णय लिया जाएगा। रोहित और कोहली की वापसी भारतीय क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण होगी, लेकिन हर कदम पर उनका मूल्यांकन संतुलित तरीके से किया जाएगा।

डेनमार्क ओपन 2025 : सत्विकसैराज-चिराग सेमीफाइनल में, लक्ष्य सेन हुए बाहर

स्पोर्ट्स डेस्क। डेनमार्क ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के स्टार पुरुष डबल्स खिलाड़ी सत्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जबकि लक्ष्य सेन पुरुष सिंगल्स क्वार्टरफाइनल में सीधे सेटों में हार गए। सत्विक-चिराग की जोड़ी, जिन्होंने इस साल BWF वर्ल्ड चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था, ने इंडोनेशिया की अनसीड जोड़ी मुहम्मद रियान आर्दियांतो और रहमत हिदायत को 21-15, 18-21, 21-16 से हराकर 65 मिनट तक चले कड़े क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी अब अगले क्वार्टरफाइनल के विजेता का सामना करेगी, जिसमें आठवीं सीड चीन की चेन बो यांग और यी लियू या जापान के ताकुरो होकी और युगो कोबायाशी की जोड़ी होगी। सत्विक-चिराग की जोड़ी ने अपनी शुरुआती दो राउंड में स्कॉटलैंड के क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमले और चीनी ताइपे की ली जे-हुई और यांग पो-ह्सुआन की जोड़ी को हराया था। वहीं, लक्ष्य सेन जिन्होंने गुरुवार को विश्व नंबर दो और स्थानीय पसंद एंडर्स एंटोनसेन को सीधे सेटों में हराकर चौंकाया था, शुक्रवार को सातवीं सीड फ्रांसीसी खिलाड़ी एलेक्स लानियर से 9-21, 14-21 से 44 मिनट में हार गए। पहला सेट फ्रांसीसी खिलाड़ी की पूरी पकड़ वाला रहा, जिन्होंने लगातार पांच पॉइंट लेकर 8-2 की बढ़त बनाई, जबकि लक्ष्य नेट पर संघर्ष करते नजर आए और कई अनफोर्स्ड एरर की। दूसरे सेट में लक्ष्य ने 3-1 की शुरुआती बढ़त बनाई, लेकिन फिर लानियर ने नौ लगातार पॉइंट लेकर 10-4 की बढ़त बनाई और आसानी से मैच अपने नाम कर लिया।

पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले में अफगानिस्तान के तीन क्रिकेट खिलाड़ियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान ने फिर अफगानिस्तान पर एयरस्ट्राइक की, जिसमें तीन अफगान खिलाड़ियों की मौत हो गई। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने इसकी पुष्टि करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय सीरीज में हिस्सा न लेने का फैसला किया है। पाकिस्तानी हमले में जान गंवाने वाले तीनों खिलाड़ी क्लब लेवल के क्रिकेटर थे, जो मैच खत्म होने के बाद अरगुन लौट रहे थे। इस बीच बमबारी में उन्हें निशाना बनाया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसीबी ने एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा- अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड, पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के बहादुर क्रिकेटर्स की शहादत पर गहरा दुख व्यक्त करता है, जिन्हें पाकिस्तान की ओर से किए गए कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान गंवानी पड़ी। इस हृदयविदारक घटना में उरगुन जिले के तीन खिलाड़ी कबीर, सिबगतुल्लाह, हारून और उनके साथ पांच अन्य देशवासी शहीद हुए हैं, जबकि सात घायल हुए हैं। ये खिलाड़ी इससे पहले एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में खेलने पक्तिका प्रांत की राजधानी शाराना गए थे। उरगुन लौटने के बाद उन्हें निशाना बनाया गया। पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच 17 नवंबर से त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेली जानी है, लेकिन पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के बीच एसीबी ने इस सीरीज से हटने का फैसला किया है। बोर्ड ने लिखा- एसीबी इसे अफगानिस्तान के खेल समुदाय, उसके एथलीट्स और क्रिकेट परिवार के लिए बड़ी क्षति मानता है। एसीबी शहीदों के शोक संतप्त परिवारों और पक्तिका प्रांत के लोगों के प्रति गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त करता है। इस दुखद घटना के बाद और पीड़ितों के प्रति सम्मान जताते हुए, बोर्ड ने नवंबर के अंत में होने वाली पाकिस्तान की आगामी त्रिकोणीय टी20 सीरीज में हिस्सा न लेने का फैसला लिया। इस घटना पर अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने दुख जताते हुए एक्स पर लिखा- अफगानिस्तान पर हाल ही में हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों में नागरिकों की जान जाने से मुझे गहरा दुख पहुंचा है। यह एक ऐसी त्रासदी है जिसमें महिलाओं, बच्चों और उन महत्वाकांक्षी युवा क्रिकेटर्स की जान गई, जो वैश्विक मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का सपना देख रहे थे।

मैग्नस कार्लसन ने दी टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को हरी झंडी, शतरंज में होगा नया फॉर्मेट शुरू

स्पोर्ट्स डेस्क। नॉर्वे के पांच बार के विश्व शतरंज चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने टोटल वर्ल्ड चेस चैम्पियनशिप को अपना समर्थन दिया है, जो शतरंज की दुनिया में अलग-अलग समय नियंत्रणों को मिलाकर आयोजित की जाएगी। हालांकि इस नए फॉर्मेट की योजना की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों द्वारा आलोचना की गई है, कार्लसन ने इसे 'शतरंज के विकास की दिशा में सोच-समझकर उठाया गया कदम' बताया।

नया फॉर्मेट : तीन समय नियंत्रण

यह चैम्पियनशिप तीन अलग-अलग समय नियंत्रणों में आयोजित होगी: फास्ट क्लासिकल- 45 मिनट प्रति खिलाड़ी + 30 सेकंड इंक्रीमेंट, जो स्नद्धष्ठश्व के नियमों के तहत क्लासिकल रेटेड गेम में गिने जाएंगे।

रैपिड ब्लिट्ज़ कार्लसन के अनुसार, 'कई फॉर्मेट को एक ही खिताब के तहत लाने से खिलाड़ियों की क्षमताओं का व्यापक मूल्यांकन होगा। यह नए समय नियंत्रण आज के खिलाड़ियों और दर्शकों के अनुकूल हैं।'

पायलट और पहले सीजन की तैयारी

कार्लसन ने कहा कि वह 2026 के पायलट टूर्नामेंट के लिए उत्साहित हैं और देखना चाहते हैं कि पहला सीजन 2027 में कैसे सामने आता है। उन्होंने नॉर्वे शतरंज की तारीफ करते हुए कहा, 'यह प्रभावशाली है कि नॉर्वे शतरंज ने इसे संभव बनाया।'

जैनिक सिनर के सामने जोकोविच का मास्टरप्लान फेल, सेमीफाइनल में हुआ एकतरफा मुकाबला

स्पोर्ट्स डेस्क। नोवाक जोकोविच और जैनिक सिनर के बीच सिक्स किंग्स स्लैम 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में जोकोविच की रणनीति पूरी तरह ध्वस्त हो गई। सेर्बियाई स्टार, जो अपनी टैक्टिकल ब्रिलियंस और मानसिक मजबूती के लिए जाने जाते हैं, मैच को लंबा खींचकर सिनर की सहनशक्ति को आजमाने की योजना लेकर आए थे। लेकिन इतालवी खिलाड़ी ने केवल एक घंटे से थोड़ी अधिक में सीधे सेटों में 6-4, 6-2 से उन्हें हराकर योजना को धराशायी कर दिया।

एक योजना जो नहीं बन सकी

हार के बाद जोकोविच ने ईमानदारी से स्वीकार किया कि उनका मास्टरप्लान सिनर को लंबा और शारीरिक मुकाबला खेलने के लिए प्रेरित करने का पूरी तरह फेल हो गया। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने कहा, 'मैंने कम से कम लंबे मैच की कोशिश की, लेकिन इतालवी खिलाड़ी के स्तर के सामने यह असंभव था।'

जैनिक सिनर अब जोकोविच के खिलाफ बढ़ती श्रेष्ठता दिखा रहे हैं। उनका हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 6-4 सिन्नर के पक्ष में है, जिसमें उन्होंने पिछले पांच आधिकारिक मुकाबले जीते हैं। इसके अलावा, जोकोविच ने सिन्नर से 2024 और 2025 के सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी मुकाबलों में भी हार झेली है।

जोकोविच का हल्का-फुल्का रुख

हार के बावजूद जोकोविच ने अपनी खेल भावना और हास्य दिखाया। रियाद के दर्शकों के सामने उन्होंने मजाक किया: 'मुझे खेद है कि आप आज लंबा मैच नहीं देख सके, यह उसकी गलती है, मेरी नहीं!' उन्होंने सिनर की अविरल ऊर्जा की तारीफ की और बताया कि आखिरी गेम में 0-15 पर उन्हें डराने की कोशिश भी असफल रही। 'मैं बस टिके रहने की कोशिश कर रहा था, लेकिन वह बहुत अच्छे थे। उन्हें बधाई और फाइनल में शुभकामनाएं।'

हार के बावजूद जोकोविच ने अपने खेल और स्थान का संतुलित मूल्यांकन किया, 'भले ही किसी ने कोर्ट पर आपको इस तरह हराया हो, लेकिन यह अद्भुत है कि मैं अभी भी उच्च स्तर पर खेल पा रहा हूँ, टॉप 10 और टॉप 5 में।'

इस हार ने जोकोविच को सिनर की तेजी से बढ़ती क्षमता का एहसास दिलाया और उन्हें अपनी रणनीति पर पुनर्विचार करने की चुनौती दी। वहीं, सिन्नर की जीत ने उन्हें टेनिस की अगली प्रमुख ताकत के रूप में मजबूत किया।

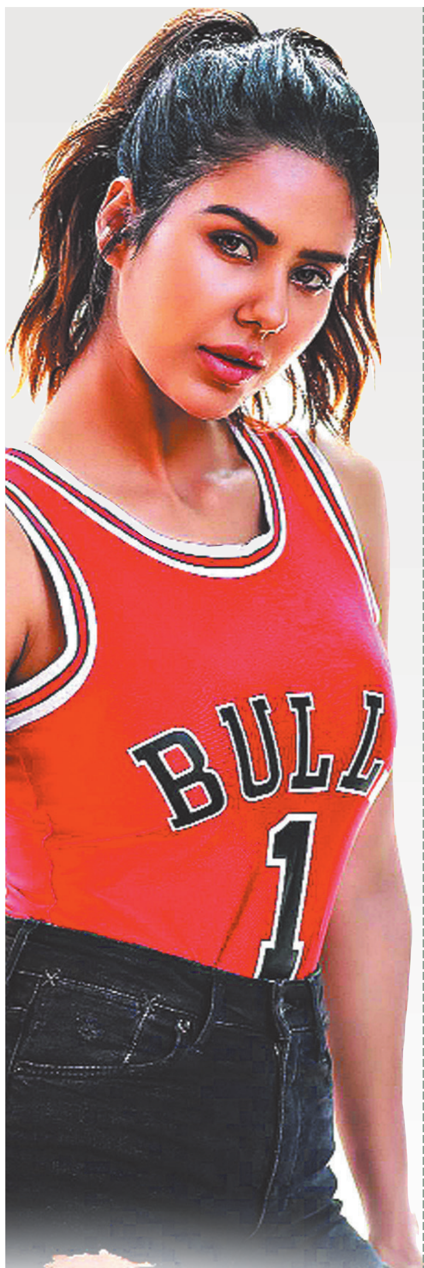

करियर के शुरुआत में कई बॉलीवुड फिल्में ठुकराने का है पछतावा

हाल ही में हाउसफुल 5 और बागी 4 में नजर आ चुकीं अभिनेत्री सोनम बाजवा इन दिनों अपने एक बयान को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया है कि शुरुआत में उन्होंने कई बॉलीवुड फिल्में ठुकरा दीं, जिसका उन्हें आज पछतावा हो रहा है। उन्होंने बताया कि उस समय उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका पर लोग कैसी प्रतिक्रिया देंगे।
सोनम बाजवा ने बताया मैंने कई बॉलीवुड फिल्मों को मना कर दिया। मुझे लग रहा था कि क्या पंजाब में लोग इसे पसंद करेंगे? मैं सोच रही थी कि मेरी फिल्मों को मेरे परिवार के लोग देखेंगे? तब मैं फिल्मों में किसिंग सीन करने से बहुत डरती थी। मैं सोचती थी कि लोग इस बारे में क्या सोचेंगे। मैं सोच रही थी जिन लोगों ने मुझे यहां तक पहुंचाया है, वह मेरे बारे में क्या सोचेंगे? क्या मेरा परिवार यह समझेगा कि यह सिर्फ फिल्म के लिए है? मेरे दिमाग में यह सारे सवाल थे।
सोनम ने आगे बताया कि उनके माता-पिता ने उनका साथ दिया। उन्होंने कहा यह कुछ साल पहले की बात है। मैंने अपने मम्मी-पापा से इस बारे में बात की। उन्होंने कहा, हां, अगर यह किसी फिल्म के लिए है, तो ठीक है। इस पर मैं बहुत हैरान थी। मैं सोच रही थी कि मैंने पहले उनसे बात क्यों नहीं की?

सोनम बाजवा का वर्कफ्रंट

सोनम के काम की बात करें तो, वह जल्द ही अपकमिंग फिल्म एक दीवाने की दीवानियत में नजर आने वाली हैं। यह बॉलीवुड फिल्म 21 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्हें आखिरी बार टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म बागी 4 में देखा गया था।

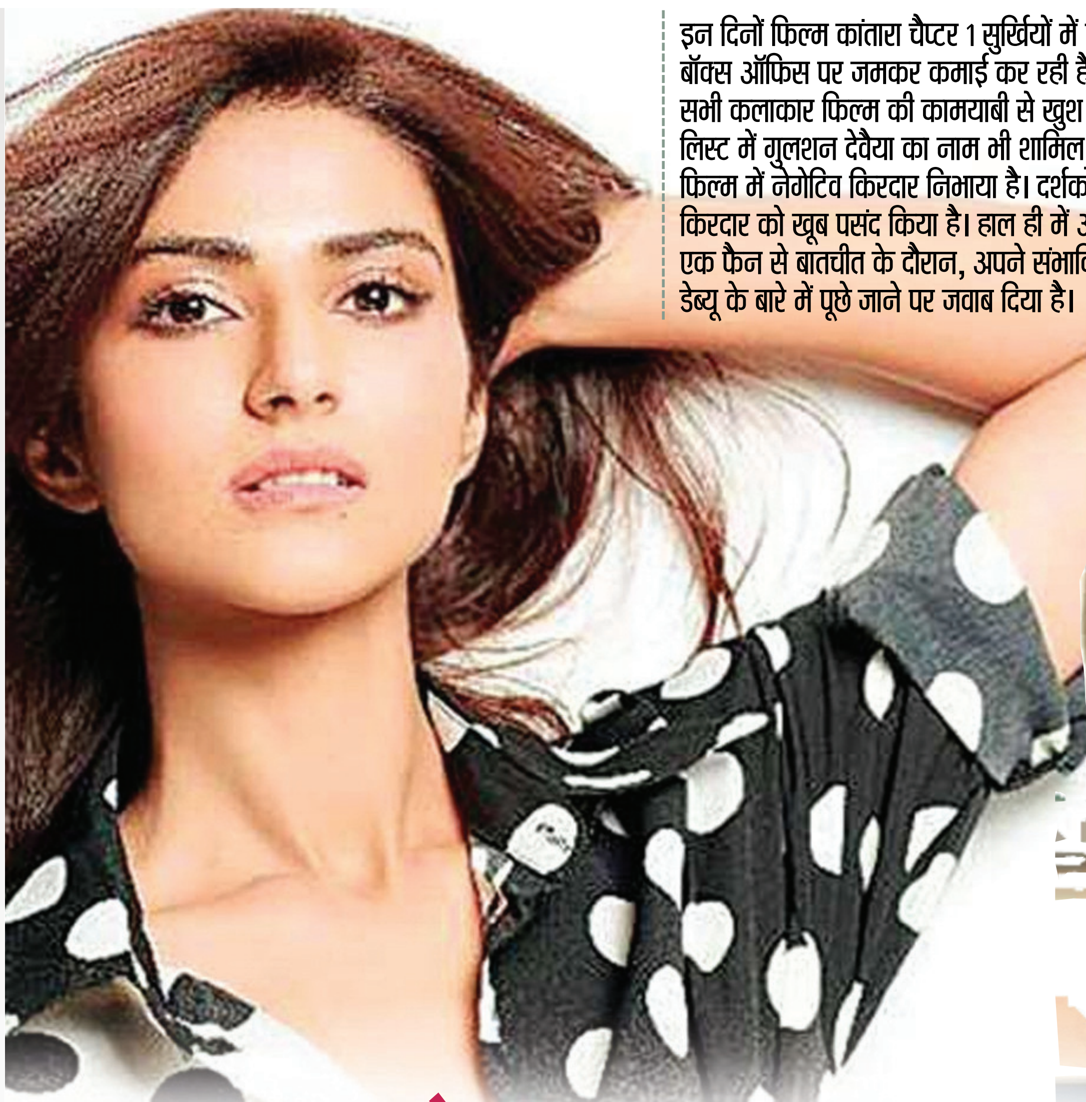

प्रनूतन बहल ने बताया इंडस्ट्री में किन दिक्कतों से गुजरते हैं एक्टर्स के बच्चे

अभिनेत्री प्रनूतन बहल फिल्म इंडस्ट्री के एक मशहूर परिवार से ताल्लुक रखती हैं। वह मोहनीश बहल की बेटी और दिग्गज अभिनेत्री नूतन की पोती हैं। उन्हें सिनेमाई पहचान विरासत में मिली है। हालांकि प्रनूतन मानती हैं कि उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना आसान नहीं रहा। प्रनूतन बहल बॉलीवुड में स्टार किड के संघर्ष के बारे में बात करती हैं।

स्टार किड के लिए आसान नहीं फिल्म इंडस्ट्री

अभिनेत्री ने बॉलीवुड में एक स्टार किड होने के अपने अनुभव और इस सफर में आई मुश्किलों के बारे में खुलकर बात की। एचटी से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वह अभिनेताओं से घिरी रहती थीं, इसलिए उनके लिए यह समझना आसान हो गया कि यह एक मुश्किल इंडस्ट्री है। उन्हें पता था कि कई बार बिना काम के भी कई दौर गुजारने पड़ेंगे। उन्हें इस बारे में पहले ही चेतावनी दी जा चुकी थी। उन्होंने यह भी बताया कि इंडस्ट्री में जिन लोगों के माता-पिता नहीं होते, उन्हें चीजें समझ नहीं आतीं, जिससे उनका सफर और भी मुश्किल हो जाता है।

फिल्मों के लिए पैसे नहीं देता परिवार

बहल ने आगे कहा हर स्टार किड को सब कुछ आसानी से नहीं मिल जाता, और मैं इसका जीता जागता सबूत हूं। ऐसा नहीं है कि मैं एक एक्टर की संतान हूं इसलिए मुझे सब कुछ आसानी से मिल गया है या मेरा परिवार पीछे से फिल्मों के लिए पैसे दे रहा है।

2018 में मिली पहली फिल्म

अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उन्हें एक एक्टर होने के नाते भावनात्मक उथल-पुथल से नहीं जूझना पड़ा, इसलिए उनके लिए सब कुछ कोई झटका नहीं था। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2016 में अपने ऑडिशन शुरू किए और 2018 में उन्हें अपनी पहली फिल्म मिली।

प्रनूतन का वर्कफ्रंट

काम की बात करें तो प्रनूतन ने 2019 में जहीर इकबाल के साथ फिल्म नोटबुक से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म के प्रोड्यूसर सलमान खान थे। वह जल्द ही हिंदी-अंग्रेजी फिल्म कोको एंड नट का हिस्सा होंगी।

इन हसीनाओं के साथ तेलुगु डेब्यू करना चाहते हैं गुलशन देवैया

इन दिनों फिल्म कांतारा चैप्टर 1 सुर्खियों में है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। इसके सभी कलाकार फिल्म की कामयाबी से खुश हैं। इस लिस्ट में गुलशन देवैया का नाम भी शामिल है। उन्होंने फिल्म में नेगेटिव किरदार निभाया है। दर्शकों ने उनके किरदार को खूब पसंद किया है। हाल ही में अभिनेता ने एक फैन से बातचीत के दौरान, अपने संभावित तेलुगु डेब्यू के बारे में पूछे जाने पर जवाब दिया है।

गुलशन देवैया सोशल मीडिया पर अपने फैंस से जुड़े रहते हैं। हाल ही में वह सोशल मीडिया पर फैंस को कांतारा चैप्टर 1 में अपने अनुभवों और अपकमिंग फिल्मों के सवालों के जवाब दे रहे थे। ऐसे में गुलशन से एक फैन ने पूछा कि आप तेलुगु में कब डेब्यू कर रहे हैं? इस पर गुलशन ने हैरान करने वाला जवाब दिया। उन्होंने लिखा जब सामंथा रुथ प्रभु या साई पल्लवी हां कहेंगी, तभी तेलुगु में डेब्यू करेंगे। इस पर एक फैन ने लिखा हम आपको तेलुगु खलनायक के रूप में देखना चाहते थे।
कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया ख्याल रहे कि हाल ही में रिलीज हुई फिल्म कांतारा चैप्टर 1 में गुलशन देवैया ने शाही राजकुमार कुलशेखर की भूमिका निभाई। इसके लिए उन्हें खूब प्रशंसा मिली। इसमें ऋषभ शेट्टी ने एक योद्धा का किरदार निभाया है। वही इस फिल्म के निर्देशक और लेखक भी हैं। इसमें रुक्मिणी वसंत और जयराम भी अहम भूमिका में हैं। गुलशन देवैया ने हाल ही में नेटफ्लिक्स सीरीज लिगेसी के साथ अपने तमिल डेब्यू की भी घोषणा की है।

शाहरुख खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव

स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है।
अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की। काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा, मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। मीरा ने बताया कि उनके करियर में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब वह भारत आईं और यहां पांच साल रहीं। भारत में उन्होंने डांस इंडस्ट्री को करीब से देखा और कई ऑडिशन, कास्टिंग और शूटिंग्स का हिस्सा बनीं। लेकिन उनके लिए सबसे यादगार अनुभव एक टीवी कमर्शियल था, जो उन्होंने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ किया। उन्होंने कहा, यह एक छोटा सा रोल था; मैं सिर्फ तीन सेकंड के लिए स्क्रीन पर हूं। लेकिन उन तीन सेकंड्स में मैं शाहरुख खान के साथ टैंगो डांस कर रही थी। उस दिन मैंने सोचा कि इससे बेहतर शायद कुछ नहीं हो सकता।

भारत के इतिहास की बात है द ताज स्टोरी

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है।
गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं? द ताज स्टोरी सिर्फ एक ऐतिहासिक फिल्म नहीं, बल्कि एक सिनेमा आधारित विमर्श है, जो सामाजिक टिप्पणी और ऐतिहासिक तथ्यों की नई व्याख्या को साथ लेकर चलता है। 31 अक्टूबर 2025 को देशभर में भव्य रिलीज़ के लिए तैयार द ताज स्टोरी निश्चित रूप से दर्शकों को सोचने, सवाल करने और इतिहास तथा आज़ादी के मायनों को नए सिरे से समझने के लिए प्रेरित करेगी।

वेंकटेश दग्गुबाती की संक्रांतिकी वस्तुनम के हिंदी रीमेक में नजर आएंगे अक्षय कुमार

तेलुगु सिनेमा के सुपरस्टार वेंकटेश दग्गुबाती की ब्लॉकबस्टर फिल्म संक्रांतिकी वस्तुनम अब हिंदी में बनने जा रही है। इस फिल्म ने साउथ बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था और अब बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार इसे नए अंदाज में बड़े पर्दे पर लेकर आने वाले हैं।

एक्शन-कॉमेडी फिल्म का हिंदी रीमेक

रिपोर्ट के मुताबिक वेंकटेश की इस जबरदस्त एक्शन-कॉमेडी फिल्म का हिंदी रीमेक बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इस फिल्म को निर्देशित किया था अनिल रविपुडी ने और यह साल की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तेलुगु फिल्म साबित हुई थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने दुनिया भर में 250 से 300 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

अक्षय कुमार बने वेंकटेश के किरदार के नए चेहरे

रिपोर्ट की मानें तो अक्षय कुमार ने इस रीमेक के लिए अपनी हामी भर दी है। एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि अक्षय को तेलुगु फिल्म का कॉन्सेप्ट और स्क्रीनप्ले इतना पसंद आया कि उन्होंने तुरंत इसके हिंदी रीमेक का फैसला कर लिया। फिल्म के निर्माता दिल राजू, जिन्होंने ओरिजिनल वर्जन को भी प्रोड्यूस किया था, अब इसके हिंदी रूपांतरण की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। हालांकि, फिल्म की लीड एक्ट्रेस का नाम अभी तय नहीं किया गया है। कास्टिंग टीम फिलहाल इस पर काम कर रही है। बताया जा रहा है कि शूटिंग पहले शुरू होनी थी, लेकिन अक्षय की व्यस्त शेड्यूल के कारण इसे कुछ समय के लिए टाल दिया गया था।
संक्रांतिकी वस्तुनम में एक भारतीय सीईओ आकल्ला (अवसरला श्रीनिवास) का अपहरण हो जाता है, जो हैदराबाद में वर्ल्ड की नंबर-वन टेक कंपनी का दौरा करने आया होता है। इसके बाद कहानी में एंट्री होती है वाईडी राजू (वेंकटेश) की, जो एक निलंबित पुलिस अधिकारी होता है। घटनाओं के सिलसिले में उसकी पत्नी भाग्यलक्ष्मी (ऐश्वर्या राजेश) और पूर्व प्रेमिका मीनाक्षी (मीनाक्षी चौधरी) भी कहानी में शामिल हो जाती हैं। ये तीनों मिलकर अपहरण की इस रहस्यमयी घटना को सुलझाने की कोशिश करते हैं।

अक्षय की आने वाली फिल्में

काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय की हालिया फिल्म जॉली एलएलबी 3 सितंबर में रिलीज हुई थी। आने वाले साल में वो भूत बंगला में परेश रावल, तब्बू और वामिका गब्बी के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा अक्षय की वेलकम टू द जंगल भी पाइपलाइन में है, जो एक मल्टीस्टारर कॉमेडी है। वहीं, वह 'हैवान' फिल्म की शूटिंग में व्यस्त हैं जिसमें उनके साथ सैफ अली खान, सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर नजर आएंगी।

शिशु को नहलाना भी एक कला है

नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा-सी लापरवाही उसके लिए नुक्सानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

- बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बिठा कर नहलाएं। पानी से कलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ाएं।
- शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े।
- बच्चे को नहलाने से तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हड़बड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है।
- नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे।
- मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता है। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है।
- नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों, नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चूड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें।
- शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलाएं और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली-भांति पोंछ कर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहना कर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताजगी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे।
- इस प्रकार आपकी थोड़ी-सी सावधानी व सूझ-बूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ-सुथरे लाडले को आराम से सोता, खेलता देख कर खुश रहेंगी।

पॉजीटिव एनर्जी भी जरूरी

किसी भी घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु बहुत उपयोगी होता है। वास्तु यह सुनिश्चित करता है कि घर में पॉजीटिव एनर्जी प्रवेश करे और सारी नैगेटिव वेव्स भाग जाएं। जब बात दीवाली की आती है तो वास्तु का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

चीजों का स्थान बदल दें

वास्तु के अनुसार घर में रखी कुछ चीजों को इधर से उधर जरूर रखना चाहिए। यदि आप सोफे पर रखा कुशन भी एक सोफे से दूसरे सोफे पर रख दें तो भी आपका काम हो जाएगा। शो-पीस, फ्लावर पॉट या फिर सोफा इत्यादि को एक-दूसरे के स्थान पर बदल कर रख सकती हैं।

नमक के पानी का छिड़काव

यूं तो पोंछा लगाने वाले पानी में नमक डालने से नैगेटिव एनर्जी दूर होती है परंतु आप दीवाली की सफाई के दौरान पानी में नमक मिला कर इसे घर के हर कोने में छिड़कते हैं तो भी यह घर की नैगेटिव एनर्जी को सोख लेता है।

दीवाली हो मीठी-सी

इस दिन आपके घर में चीनी की बिल्कुल भी कमी नहीं होनी चाहिए। यह एक रस्म है जो सुनिश्चित करती है कि आप का पूरा साल मीठा बीते। घर आए मेहमानों का मुंह मिठाई, केक, बिस्कुट या चॉकलेट से अवश्य मीठा कराएं। इससे रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

मुख्य प्रवेश द्वार

आपके घर का मुख्य प्रवेश द्वार बेहतरीन अवसरों को आप तक पहुंचाने में मदद करता है। इसलिए मेन गेट के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए तथा मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दरवाजे के सामने खूबसूरत रंगोली अवश्य बनानी चाहिए।

धन के लिए उत्तर जाइए

घर में उत्तर दिशा को कुबेर का स्थान कहा जाता है। सुनिश्चित करें कि माता लक्ष्मी की मूर्ति यहीं रखी जाए और गणेश जी की मूर्ति उनके दाहिने ओर हो। इसके अलावा मूर्तियों को लाल रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनका पूरा श्रृंगार करें।

बहता हुआ पानी

बहता पानी घर की सारी नैगेटिव एनर्जी को अपने साथ बहा कर ले जाता है। आप भी इन दिनों अपने घर के नॉर्थ-ईस्ट साइड में कोई छोटा-सा झरना लगा सकती हैं।

नौकरी पर परिवार को वरीयता देती महिलाएँ

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था।

डॉक्टर की डिग्री लेकर जॉब कर रही 34 साल की निशा की जिंदगी तब आसान नहीं रह गई जब उनका पहला बच्चा हुआ। उनके इंजीनियर पति और उनके पढ़े लिखे परिवार ने निशा को नौकरी छोड़कर होममेकर बनने की सलाह दी। बच्चे व परिवार की देखभाल के लिए उसे यह कदम उठाना सही लगा। आजकल ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार और बच्चे की देखभाल के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। निशा की सैलरी 40 हजार रुपए होते हुए भी उसे यही लगा कि उसे यह फैसला करना पड़ेगा। क्योंकि उसे अपने आस-पास कोई मदद करने वाला नहीं दिखा। ज्यादातर घरों में महिलाएं तभी जॉब कर पाती हैं जब उनके परिवार में उनके बच्चे को संभालने वाला कोई होता है। चाहे वह सास हों या मां या फिर जेठानी-देवरानी। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार जहां 2009-10 में भारत में जहां 47 फीसद महिलाएं होममेकर थीं, वहीं 1999-2000 में इसमें करीब पांच से छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब ज्यादातर भारतीय महिलाएं अपने परिवार की देखभाल के लिए अपना कॅरियर और जॉब को छोड़ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है- एकल परिवार। एकल परिवार में महिलाओं को घर-परिवार और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ती है। परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभाने में वे चौतरफा दबाव में रहती हैं। कहीं यह मजबूरी में है तो कहीं खुशी से। एक सर्वे के मुताबिक करीब 15 से 17 फीसद महिलाएं सामाजिक व पारिवारिक दबाव में होममेकर रहती हैं। वहीं लगभग सात से दस फीसद महिलाएं घरेलू काम इस वजह से करती हैं कि वे मेड का खर्च नहीं उठा सकतीं। अभी पिछले दिनों जापान से खबर आई है कि वहां भी महिलाएं नौकरी छोड़ कर होममेकर बनना चाहती हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। शायद ग्लोबल भी।

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था। हालांकि होममेकर के काम को आजकल कोई महत्व नहीं दिया जाता। देश की छोड़िए घर की इकोनामी प्रॉफिट में भी कभी उनके काम को शामिल नहीं किया जाता। मगर देखा जाए तो आज महिलाओं की जब कोई मदद करने वाला नहीं होता, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

पिछले दिनों गृहणियों को पति की सैलरी का कुछ हिस्सा उनकी मेहनत के लिए दिए जाने की बात चली पर समय के साथ ठंडी पड़ गई। वैसे भी जिस घर और पति पर एक होममेकर का पूरा अधिकार है तो फिर मेहनताना किस बात का? और अपने इसी घर-परिवार को संभालने के लिए आज ज्यादातर महिलाएं होममेकर की भूमिका निभाना चाहती हैं। घर परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ महिलाएं अब घर पर रहकर ही छोटे-छोटे काम कर अपनी पॉकेट मनी निकाल लेती हैं। ऐसे में परिवार के साथ-साथ उन्हें इस बात का भी मलाल नहीं रह जाता कि वह जॉब नहीं कर रहीं या उनकी शिक्षा बेकार जा रही है। आजकल की आधुनिक युवा महिलाएं शानदार पेंटिंग बना रही हैं तो घर पर फैशन डिजाइनिंग का काम भी कर रही हैं। कुछ महिलाएं टिफिन से लेकर पापड़-बड़िया तक का कारोबार कर रही हैं। यों काम कोई छोटा-बड़ा नहीं। सबसे अहम यह है कि परिवार पर आप ध्यान दे रही हैं और आप खाली भी नहीं हैं। कुछ न कुछ तो कर ही रही हैं।

फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स से स्टाईलिश बनाएं सपनों का घर

आपके घर को सुंदर और स्टाईलिश बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पेंट एवं कोटिंग कंपनी एक्जोनोबल के ब्रांड ड्यूलक्स ने एक ब्रांड कैंपेन के माध्यम से अपने नये ड्यूलक्स वेल्वेट टच कलेक्शन- 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' प्रस्तुत किया है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच-फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स फैशन से प्रेरित हाई-एंड इमल्शन (सजावटी पेंट) की पेशकश है जो आपके घर के वातावरण को फिर से ताजा करके इसे सुंदर, स्टाइलिश एवं 'सिंपली यू' बनाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए निदेशक-विक्रय एवं विपणन सजावटी पेंट्स, एक्जोनोबल इंडिया राजीव राजगोपाल ने बताया, ''पिछले तीन दशकों से, ड्यूलक्स वेल्वेट टच भारत का अग्रणी इमल्शन ब्रांड बनकर उभरा है और होम डेकोर के क्षेत्र में इसने अलग जगह बनायी है। 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' ब्रांड पोजिशनिंग से कहीं बढकर है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच के ब्रांड एम्बेसडर व अभिनेता, निर्देशक, गायक फरहान अख्तर और प्रमुख फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा के मुताबिक, ''उनके लिए फैशन कार और कपड़ों से कहीं ज्यादा है। यह उस घर के विषय में भी हो सकता है, जिसमें हम रहते हैं और ड्यूलक्स पिछले कई वर्षों से अपनी वेल्वेट टच श्रृंखला के साथ घरों और उसमें रहने वाले लोगों को उनकी रचनात्मकता प्रस्तुत करने और स्टाइलिश बनने का माध्यम उपलब्ध करा रहा है। यह प्रमुख कारणों में से एक है कि उन्होंने ड्यूलक्स वेल्वेट टच का चयन किया ।

ऐसे बनता है सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व

महिलाएं अपने सौंदर्य को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। लेकिन सौंदर्य सिर्फ त्वचा की देखभाल तक ही सीमित नहीं है। आचरण, आदतें और व्यवहार भी सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जरूरी हैं। कुछ आदतें जो किसी महिला की छवि गलत बनाती हैं वह इस प्रकार हैं-

- सभ्य, सुसंस्कृत, फैशनेबल दिखने वाली स्त्री जिसका मुख खुलते ही बाह्य आवरण उड़ जाए यानी उसका गलत उच्चारण हो, गंदे और मैले दांत हों।
- खाते-पीते समय मुख की आकृति बेकाबू रहती हो।
- हंसने-मुस्कुराने के अंदाज का अभाव हो।
- बन-बनकर इठलाती-इतराती बोलती हो।
- व्यवहार में शिष्टाचार का अभाव हो। मौके-बेमौके सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यवहार व बातचीत के तौर-तरीकों का अभाव हो।
- चपर-चपर कर खाती हो।
- शारीरिक अंग-प्रत्यंगों का संतुलन खोकर उच्छृंखल कदमों की बेताल चाल चलने वाली हो।
- वस्त्रों का सुरुचिपूर्ण चुनाव तथा पहनने-ओढ़ने की कला का अभाव हो।
- मौसम, आयु व अवसर के प्रतिकूल पहनावा हो।
- चेहरे पर उम्र की मार को नकारते हुए बालों को डाई किया हुआ हो।
- खूबसूरत साड़ी में बेजोड़ ब्लाउज को छिपाने का व्यर्थ प्रयास किया गया हो।
- किसी पार्टी में सबसे आगे भीड़ में घुसकर खाना ले रही हों।
- हाथ नचाकर या ताली पीटकर या किसी के कंधे या हाथ पर मारकर बातें कर रही हो।
- बातों में छिछोरे शब्दों का प्रयोग या गाली-गलौज से बातें करने वाली हो।
- ब्लाउज में हुक के स्थान पर पिन का प्रयोग या कंधे पर ढीले ब्लाउज से झांकता ब्रा का स्ट्रैप हो।
- मोटी थुलथुल कमर पर ऊंचा सा ब्लाउज तथा नाभिदर्शना साड़ी पहने हो।
- मोटी-मोटी बांहों पर स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर सबके सामने बांहें उठाकर बैठी हो।
- कुर्सी पर एक टांग दूसरी पर रखकर ऐसे बैठी हो कि खुली टांगें भद्दी दिखें।
- जल्दी-जल्दी में लिपिस्टिक पोतने के प्रयासों में दांतों पर दाग लग गया हो।
- सांवले रंग पर बेमेल चटख रंगों के कपड़ों का चुनाव किया गया हो।
- ढलती उम्र में बहुत पतली नुची-खुची भवें रखी गई हों या झुर्रीदार आंखों पर मेकअप या प्रौढ़ावस्था में हैवी मेकअप हो।
- लम्बे नाखून मगर शेप रहित व गंदे मैल भरे हों।
- पुरुषों के बीच बैठकर बेवजह आकर्षण का केन्द्र बनने की कोशिश हो।
- शॉपिंग के समय दुकानदार से बेवजह बहस कर रही हो।
- फैशन की अंधी दौड़ में बहकर चेहरे के शेप के प्रतिकूल सज्जा की हो।